



B
22-2-3

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]
No. 25]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 18, 1983/ज्येष्ठ 28, 1905
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 18, 1983/JYAISTA 28, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रता नंत्रान्त्र को लोडहर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्विक घावेश और अधिकाराएँ
Statutory Orders and Notifications issued by Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य भंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1983

का० आ० 2550—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) को धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एन्ट्राइट्रिक मै० कमानी मैटल्स एंड अलोयज लिमिटेड जिसका पर्जीकृत कार्यालय, कमानी चेम्बर्स, 32 गमजीभाई कमानी मार्ग, बैलैंड एस्टेट, बम्बई-400038 के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पर्जीकरण (पर्जीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 30/1970 के निरस्तीकरण को अधिसूचित करनी है।

[संख्या 16/27/80-एम ३]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 31st May, 1983

S.O. 2550.—In pursuance of sub-section (2) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Kamani Metals

& Alloys Limited having its Registered Office at Kamani Chambers, 32, Ramjibhai Kamani Marg, Ballard Estate, Bombay-400038, under the said Act. (Certificate of Registration No. 30/1970).

[No. 16/27/80-M III]

का० आ० 2551—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एन्ट्राइट्रिक मै० इंडिया रेफ्रिजरेटर्स लिमिटेड जिसका पर्जीकृत कार्यालय, 'माझ, इंडिया हाऊस' पोस्ट बाक्स स 113, 36-40, आर्मेनियन स्ट्रीट, मद्रास-600001 के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पर्जीकरण (पर्जीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 1057/75) के निरस्तीकरण का अधिसूचित करनी है।

[संख्या 16/13/80-एम ३]

S.O. 2551—In pursuance of Sub-section (2) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. India Radiators Limited having its registered Office at "South India House" Post Box No. 113, 36-40, Armenian Street Madras-600001, under the said Act (Certificate of Registration No. 1057/75).

[No. 16/43/80-M. III]

का० आ० 2552—फ्रांसिस्कार सथा अवरोधक व्यापारिक अवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वाग में बैस्टने थामसन (इंडिया) निमिटेड जिमका पजीकृत कार्यालय, 'साइम इन्डिया हाउस', पोल्ट बाक्स स 113, 99-आर्मेनियन स्ट्रीट, मद्रास-600001 के कार्यालय अधिनियम के अन्तर्गत पजीकरण (पजीकरण प्रमाण-पत्र सभ्या 1092/75) के निरसीकरण को अविसूचित करती है।

[सभ्या 16/46/81-एम ३]

वी० पी० गुन्न, निदेशक

S.O. 2552.—In pursuance of Sub-section (2) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Western Thomson (India) Limited having its registered office at "South India House", Post Box No. 113, 99-Armenian Street, Madras-600001 under the said Act (Certificate of Registration No. 1092/75).

[No. 16/46/81-M. III]
V. P. GUPTA, Director

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सूचार विभाग)

आदेश

मई दिनांकी, 30 मई, 1983

का० आ० 2553.—फ्रांसिय सरकार दिल्ली विशेष पलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पंचित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उत्तर प्रदेश सरकार की महमति से, भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 364 के अधीन अपराधों के और उत्तर अपराधों के सबध में या उन से सबधित प्रयत्नों, बुष्ट्रेन्यों और घटयतों के तथा उत्तर प्रदेश राज्य के जिला आगरा के पुलिस थाना रकाबगंज के मामला स 529, तारीख 30 अगस्त, 1981 के सबध में वैसे ही तथों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संघवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्वेषण के लिए, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारियों का विस्तारण मम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य पर करती है।

[सं० 228/5/83-ए.की.१]
एच० क० वर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Admin. Reforms)

ORDER

New Delhi, the 30th May, 1983

S.O. 2553—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Uttar Pradesh hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Uttar Pradesh for the investigation of offences under section 364 of the Indian Penal Code (45 of 1860) and attempts, abettments and conspiracies in relation to or in connection with, the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to case No. 529 dated the 30th August, 1981 of P. S. Rakab Ganj, Agra, in the State of Uttar Pradesh.

[No. 228/5/83-AVD. II]

H K. VERMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

मई दिनांकी 24 मई, 1983

आदेश

का० आ० 2554—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 6-10-1982 की अधिसूचना स 4934 [का० सं० 398/35/82-आ०क० (ब०)] का अधिलंबन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वाग श्री एस० सी० पाह्वा, को जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना, श्री एस० सी० पाह्वा द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 5195/का० सं० 398/14/83-आ०क० (ब)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 24th May, 1983

INCOME-TAX

S.O. 2554.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 4934 (F. No. 398/35/82-ITB) dated 6-10-1982, the Central Government hereby authorises Shri S. C. PAHWA, being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise of powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri S. C. PAHWA takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 5195/F. No. 398/14/83-IT(B)]

आदेश

का० आ० 2555—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 30-5-1980 की अधिसूचना स 3450 [का० सं० 398/27/82-आ० क० (ब०)] का अधिलंबन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वाग श्री आर० सी० होकन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना, श्री आर० सी० होकन द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 5197/का० सं० 398/2/83-आ० क० (ब)]

INCOME-TAX

S.O. 2555.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3450 (F. No. 398/27/82-ITB) dated 30-5-1980, the Central Government hereby authorises Shri R. B. HONKAN, being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri R. B. HONKAN takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 5197 F. No. 398/2/83-IT(B)]

आधिकार

का० आ० 2556 —भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (ii) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के गजस्व विभाग की दिनांक 27-8-1982 की अधिसूचना सं. 1888 (फा० सं 398/27/82-आ०क० ब०) का अधिनियम करने काम हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा श्री ए० आर० नागराज का, जो केन्द्रीय सरकार के गजपति अधिकारी, है, उक्त अधिनियम के अनुरूप कर वसूली अधिकारी को शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री ए० आर० नागराज द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कायंभार प्रहण किए जाने की तारीख से तारूँ होगी।

[सं 5199/फा० सं 398/2/83-आ०क० ब०]

एन० के० शुक्ल अवर मन्त्रिव

INCOME-TAX

S.O. 2556.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 4888 (F. No. 398/27/82-ITB) dated 27-8-1982 the Central Government hereby authorises Shri A. R. NAGARAJA, being a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri A. R. NAGARAJA takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 5199/F. No. 398/2/83-ITB]

N. K. SHUKLA, Under Secy.
अदेश

नई दिल्ली, 31 मई, 1983

स्टाम्प

का० आ० 2557—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा ७ की उपधारा (1) के खण्ड (ख). द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा मुकुन्द आयरन एंड स्टील वर्से लि०, बम्बई को उक्त कम्पनी द्वारा श्र० सं १० डॉ०-१ से श्र० १०८०,००० तक के जारी किए जाने वाले व्यष्टपत्रों के रूप में चार करोड़ सौसीस लाख पचास हजार रुपए के अंकित मूल्य के श्रण-न्यन्त्र प्रमाणपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के रूप में प्रभार्य केवल सौन लाख अट्ठहस्त हजार एक सौ पचीस रुपए के समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी की अनुमति देती है।

[सं 17/83-स्टाम्प/फा० सं 33/20/83-वि० क०]
भगवान दास, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 31st June 1983

STAMPS

S.O. 2557.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Mukund Iron and Steel Works Limited, Bombay to pay consolidated stamp duty of three lakhs twentyeight thousand one hundred twentyfive rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of

Debenture Certificates bearing serial numbers CD-1 to CD-80,000 of the face value of four crores thityseven lakhs fifty thousand of rupees to be issued by the said Company.

[No. 17/83-Stamps/F. No. 33/20/83-ST]

BHAGWAN DAS, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 जून, 1983

स्टाम्प

का० आ० 2558 —भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा ९ की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा केसोराम इंस्ट्रीज एंड कॉटन मिल्स लिमिटेड कलकत्ता का, उक्त कम्पनी द्वारा जारी किये जाने वाले इक्कीस करोड़ रुपये के अंकित मूल्य के सम्पर्तीय मुरकिल व्यष्टपत्रों के रूप व्यष्टपत्रों पर प्रभार्य केवल सौन लाख पचास हजार हजार रु के समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी की अनुमति देती है।

[सं 18/83-स्टाम्प/फा० सं 33/8/83-वि० क०]

एन० राजा, उप सचिव

ORDER

New Delhi, the 3rd June 1983

STAMPS

S.O. 2558.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Kesoram Industries and Cotton Mills Limited, Calcutta to pay consolidated stamp duty of fifteen lakhs seventy five thousand rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of Secured Convertible Debentures of the face value of twenty one crores of rupees to be issued by the said Company.

[No. 18/83-Stamps/F. No. 33/22/83-ST]

N. RAJA, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 10 जून, 1983

का० आ० 2559.—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिन्हें विदेशी मुद्रा भरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 62) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से भशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/7/82-सीमा-शुल्क 8, तारीख 2 अप्रैल, 1982 जारी किया था, जिसमें श्री उमेश कुमार अग्रवाल पूर्ण श्री चण्डी प्रमाद अग्रवाल, बाड़ा सं. 13, काली भाटी, काठमाडू (नेपाल) को, तस्करी किए गए माल का परिवहन करने, उसे छिपाने और रखने तथा तस्करी किए गए माल का परिवहन करने या उसे छिपाने या रखने के कार्य लगने से अन्यथा तस्करी किए गए माल में मंव्यवहार करने से रोकने की दृष्टि से, केन्द्रीय कारागार, नई दिल्ली में निश्च करने और अभिरक्षा में रखने का निर्वाचन दिया था; और

2. केन्द्रीय सरकार को यह विश्वास करने का कारण है कि उपरोक्त ध्यावित इस उद्देश्य से कि आदेश का निष्पादन न हो सके फरार हो गया है या छिपा हुआ है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के स्पष्ट (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश करती है कि उपर्युक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के सात दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 673/7/82-सीमा-शुल्क]

ORDER

New Delhi, the 10th June, 1983

S.O. 2559.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued order F. No. 673/7/82-Cus. VIII, dated the 2nd April, 1982, under the said sub-section directing that Shri Umesh Kumar Agarwal, son of Shri Chandi Prasad Agarwal, of Bara No. 13, Kali Mati, Kathmandu (Nepal) be detained and kept in custody in the Central Jail, New Delhi, with a view to preventing him from engaging in transporting, concealing and keeping smuggled goods and from dealing in smuggled goods otherwise than by engaging in transporting or concealing or keeping smuggled goods; and

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi, within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/7/82-Cus. VIII]

आवेदन

फा. आ. 2560.—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिन्हें विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 62) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/8/82-सीमा-शुल्क 8, तारीख 2 अप्रैल, 1982 जारी किया था, जिसमें श्री मुकेश कम्बार अग्रवाल उर्फ महेश पन्न श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, दुड़ी खाल, जी. पी. ओ. सं. 836, काठमाण्डू, (नेपाल) को, तस्करी किए गए माल का परिवहन करने, उसे छिपाने और रखने के कार्य में लगने से रोकने की दृष्टि से, केन्द्रीय कारागार, नई दिल्ली में निरुद्ध करने और अभिरक्षा में रखने का निर्देश दिया था; और

2. केन्द्रीय सरकार को यह विश्वास करने का कारण है कि उपरोक्त व्यक्ति इस उद्देश्य से कि आवेदन का निष्पादन न हो सके फरार हो गया है या छिपा हुआ है;

3. अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के स्पष्ट (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश करती है कि उपर्युक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के सात दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 673/8/82-सीमा-शुल्क 8]

आर. मुख्योपाध्याय, उप सचिव

ORDER

S.O. 2560.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/8/82-Cus. VIII, dated the 2nd April, 1982, under the said sub-section directing that Shri Mukesh Kumar Agarwal alias Mahesh, son of Shri Mahabir Prasad Agarwal, of Tundi Khal, G. P. O. No. 526, Kathmandu (Nepal) be detained and kept in custody in the Central Jail, New Delhi, with a view to preventing him from engaging in transporting, concealing and keeping smuggled goods; and

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi, within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/8/82-Cus. VIII]

R. MUKHOPADHYAY, Dy. Secy.

(आधिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1983

का० आ० 2561—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के माथ पठिन धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एन्ड्राकार घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (महकारी समितियाँ) नियम 1966 के नियम 10 के माथ पठिन उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंध, बड़ागारा को-ऑपरेटिव बैंक पर उस सीमा तक नाम नहीं होगे जहाँ तक इनका सम्बन्ध समाचार-पत्र में लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के माथ 30 जून 1982 को समाप्त बर्ष के बास्ते इसके तुलन-पत्र तथा लाभ-हानि लेखों के प्रकाशन से है।

[मंज्ञा 8-10/83-प०सी०]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 31st May, 1983

S.O. 2561.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the said Act, read with Rule 10 of the Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to the Badagara Co-operative Urban Bank so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit and loss account for the year ended the 30th June, 1982 together with the auditors' report in a newspaper.

[No 8-10/83-AC]

नई दिल्ली, 3 जून, 1983

का० आ० 2562—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के माथ पठिन धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार-भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश

पर इसके द्वारा यह घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के प्रावधान निम्नलिखित गैर-बैंकिंग अभियान धारण करने के मध्य में मिवनापुर पीपुल्स कॉ-ऑपरेटिव बैंक लि०, मिवनापुर पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 28 फरवरी, 1986 तक की अवधि के लिए लागू नहीं होगी :—

गैर-बैंकिंग आविष्का

क्रम सं०	में स्थित	विवरण
1.	मिवनापुर नगरपालिका के अंतर्गत मौजा किरणीटोला	आई० एन० टी० न० 14, ब्लाट नं० 120, थोक ०८-१/४ डी० ई० सी० भवन महित भूमि मूल्यांकन रु० 3000।
2.	—सही—	आई० एन० टी० 14, ब्लाट नं० 128, थोक ०८-१/४ डी० ई० सी० भवन महित भूमि मूल्यांकन रु० 40,000।
3.	प्रारम्भ मौजा खासजगल	आई० एन० टी० न० 2, ब्लाट न० 28, जिममें से ब्लाट न० 28/बी० 41-2 बीचा भूमि मूल्यांकन रु० 4000।
4.	जिला 24-परगना, दक्षिण उप नगरीय नगरपालिका में मौजा भज माहापुर	आई० एन० टी० न० 96/2, ब्लाट न० 221, 5 खटा 2 छटांक भूमि मूल्यांकन रु० 8000।
5.	जिला मिवनापुर, मुहुल्ला और मौजा ई०	आई० एन० टी० न० 1166, ब्लाट न० 2332 (ब्लाट न० 3 के रेखा चित्र के अनुसार) माप १३ ई०५०मी० भूमि मूल्यांकन रु० 2000।

[संख्या ८-५/४३-ए०सी०]
अमर सिंह अवार सचिव

New Delhi, the 3rd June, 1983

S.O. 2562—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Midnapore People's Co-operative Bank Ltd., Midnapore so far as they relate to its holding of non-banking assets as described below for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 28 February, 1986 :—

Non-Banking Assets

Sr. No.	Held at	Description
1.	Within Midnapore Municipality in Mouza Keranitola	Int. No. 14, Plot No. 126 Area ०८½ dec. Land valuation Rs. 3000,
2. -do-		Int. No. 14, Plot no. 128, Area ०८½ dec. Land including building valuation Rs. 40,000,

Sl. No.	Held at	Description
3	At Jhargarm Mouza Khas jungle	Int. No. 2, Plot No. 28, Out of which in Plot No. 28/B. 41-2 bighasland —valuation Rs. 4000.
4.	District 24 Parganas within South Suburban Municipality Mouza Bhanja Shahpur	Int. No. 96/2, Plot Mo. 221, 5 Khata 2 Chattak of land valuation Rs. 8000.
5.	District Midnapore Mohalla & Mouza Inda	Int. No. 1166, Plot No. 2332, (as per sketch map Plot No. 3) measuring 13 dec. Land valuation Rs. 2000

[No. 8-5/83-AC]

AMAR SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 मई, 1983

का०आ० 2563 :—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का

21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री विषु भूषण सिन्हा बाबू को मल्लभूम ग्रामीण बैंक, बाकुरा का अध्यक्ष नियुक्त करनी है तथा 26-4-1983 से प्रारम्भ होकर 30-4-1986 को समाप्त होने वाली अवधि को उम अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके द्वारा श्री वी० बी० एम० बाबू अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे ।

[संख्या एफ० 2-17/82-आरआरबी]

New Delhi, 28th May, 1983

S.O. 2563—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Bidhu Bhushan Sinha Babu as the Chairman of the Mallabhum Gramin Bank, Bankura and specifies the period commencing on the 26-4-83 and ending with the 30-4-1986 as the period for which the said Shri B. B. S. Babu shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-17/82-RRB]

का०आ० 2564.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री प्रदीप भट्टाचार्य को मल्लभूम ग्रामीण बैंक, बाकुरा का अध्यक्ष नियुक्त करनी है तथा 1-7-1982 में प्रारम्भ होकर 25-4-1983 को समाप्त होने वाली अवधि को उम अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके द्वारा श्री प्रदीप भट्टाचार्य अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे ।

[संख्या एफ० 2-17/82-आरआरबी]
गम बेहरा, अवार सचिव

S.O. 2564—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Pradeep Bhattacharyya as the Chairman of the Mallabhum Gramin Bank, Bankura and specifies the period commencing on the 1-7-1982 and ending with the 25-4-1983

as the period for which the said Shri Pradeepa Bhattacharyya shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-17/82-RRB]
RAAM BEHRA, Under Secy.

महाराष्ट्र, 3 जून 1983

का० आ० 2563:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10 की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक को सिफारिश पर इसके द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के प्रावधान गैर-बैंकिंग आस्तियों अर्थात् श्रीविलोपत्तुर शहर में सर्वे नं० 1560/2 रिक्त (357 एकड़ फॉटो) कस्बा में स्थित टॉ० एस० सं० 1561/2 का अविभाजित आधा भाग नार्थ कार स्ट्रीट, रामनाथ जिले का श्रीविलोपत्तुर शहर भूमि संपत्ति के लिए लागू नहीं होगे।

[संख्या 8-5/83-ए० सा०]

New Delhi, the 3rd June, 1983

S.O. 2565.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Srivilliputtur Co-operative Urban Bank Ltd., Srivilliputtur so far as they relate to its holding of a non-banking asset in Srivilliputtur Town, Survey No. 1560/2 vacant (357 sq. ft.) undivided half share in T. S. No. 1561/2 situated in Kasaba, North Car Street, Srivilliputtur Municipal Town of Ramnad District for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 30 June, 1983.

[No. 8-5/83-AC]

का० आ० 2566:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबंध इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून, 1983 तक की अवधि के लिए सिवनी जिला सहकारी बैंक शर्याति, सिवनी पर वहाँ तक लागू नहीं होगे जहाँ तक इनका संबंध इस बैंक द्वारा गैर-बैंकिंग आस्ति अर्थात् टिन्डुआ में 1.719 हेक्टर भूमि की धारिता से है।

[संख्या 8-5/83 ए० सौ०]

S.O. 2566.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Seoni Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit, Seoni in so far as they relate to its holding of certain non-banking assets viz., 1.719 hectares of land at Tindua for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to June 30, 1983.

[No. 8-5/83-AC]

का० आ० 2567:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 की साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, इसके द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के प्रावधान गैर-बैंकिंग आस्तियों अर्थात् श्रीविलोपत्तुर शहर में सर्वे नं० 1560/2 रिक्त (357 एकड़ फॉटो) कस्बा में स्थित टॉ० एस० सं० 373/3 की गैर-बैंकिंग आस्ति धारण करने के संबंध में

दिरुकोईपुर कोशापरेटिव अबैन बैंक लि० पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 31 दिसंबर 1983, तक की अवधि के लिए लागू नहीं होगे।

[संख्या 8-5/83-ए० सौ०]

S.O. 2567.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Tirukoilur Co-operative Urban Bank Ltd. so far as they relate to its holding of a non-banking asset viz. 0.45 acre of wet land at Tirukoilur Revenue Village—R. S. No. 373/3 for a further period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 31st December, 1983.

[No. 8-5/83-AC]

का० आ० 2568:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, इसके द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबंध गैर-बैंकिंग आस्तियों, अर्थात् रीगल टाकीज सफिल—ओल्ड दलाल मार्केट धारवाह स्थित बैंक के गोबाम की धारण करने वाले श्री महालक्ष्मी अबैन कोओपरेटिव क्रेडिट बैंक लि०, धारवाह पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 31 दिसंबर, 1985 तक की अवधि के लिए लागू नहीं होगी।

[संख्या 8-5/83-ए० सौ०]

अमर सिंह, अवर सचिव

S.O. 2568.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to Shree Mahalaxmi Urban Co-operative Credit Bank Ltd., Dharwar, so far as they relate to its holding of a non-banking asset viz. bank's godown building situated at Regal Talkies Circle—Old Dalal Market, Dharwar—for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 31st December, 1985.

[No. 8-5/83-AC]

AMAR SINGH, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

सदृश भूमि नियंत्रक, अमावात एवं नियंत्रित का कार्यालय

अहमदाबाद, 12 मार्च, 1983

विषय :-। सर्वेश्वरी एम० एस० एन्टरप्राइज बगबहौ को जारी किए एवं नियंत्रित लाइसेंस सं० 044212/52 दिनांक 14-2-1983 को ददृढ़ करना।

का० आ० 2569:—सर्वेश्वरी एम० एस० एन्टरप्राइज, बगबहौ को 766 जीवंश बकरियों और 79 जीवित भेड़ों के नियंत्रित के लिए 2,78,850 एकड़ का नियंत्रित लाइसेंस सं० 044212/52 दिनांक 14-2-1983 प्रदान किया गया था।

उन्होंने अनुलिपि लाइसेंस जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस उन्हें प्राप्त नहीं हुआ है क्योंकि वह डाक में खो गया था अस्तित्व ही गया है।

अपने दावे के सामर्थ्य में आवेदक ने एक शपथ-पत्र ताबिल किया है जो संतुष्ट है कि नियांत्रित लाइसेंस सं. 044212/52 दिनांक 14-2-1983 द्वारा गया/अस्थानस्थ हो गया है और निवेश देता है कि आवेदक की नियांत्रित लाइसेंस की अनुलिपि जारी की जाए। मूल लाइसेंस एकदृश्य रद्द किया गया समझा जाए।

बी० रामा राव, उप मुद्रिय निवेशक, आयात-नियांत्रित

विवरण :- मूल लाइसेंस सं. 044212/52 दिनांक 14-2-1983 के बदले में अनुलिपि लाइसेंस सं. 044217/52 दिनांक 22-3-1983 जारी करता।

आपको सूचना दी जाती है कि सर्वेक्षी एस० एम० एस्ट्रोप्राइज़, बम्बई को अनुलिपि नियांत्रित लाइसेंस सं. 044217/52 दिनांक 22-3-1983 जारी किया गया है। यह आपसे अनुरोध है कि लाइसेंस सं. 044212/52 दिनांक 14-2-1983 यदि प्रस्तुत किया जाए तो वेष्ट न समझा जाए और यह कि यदि उक्त लाइसेंस पहले ही इस पत्रन पर प्रस्तुत किया गया है तो उसकी सूचना इस कार्यालय की तुरंत दी जाय।

लाइसेंस सं.	जारीकर्ता	मात्र	मूल्य
एवं दिनांक			
044212/52 दिनांक 14-2-83	संयुक्त मुख्य नियांत्रित, आयात-नियांत्रित, अहमदाबाद	जीवित बकरी- बकरी- जीवित भेड़	2,52,780 रु० 766 26,070 रुपए ^१ 79

[मिमिल सं. 157/ग० एम०-83/नियांत्रित/एलएम एण्ड जी/435]।

एस० के० प्रसाद, नियांत्रक, आयात एवं नियांत्रित फूटे संयुक्त मुख्यनियन्त्रक, आयात एवं नियांत्रित।

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports)

Ahmedabad, the 22nd March, 1983

Sub.—Cancellation of Export Licence No. 044212/52 dated 14-2-1983 issued to M/s. S. M. Enterprise, Bombay.

S.O. 2569.—M/s. S. M. Enterprises, Bombay had been granted Export Licence No. 044212/52 dated 14-2-1983 for export of 766 Live goats and 79 Live sheep for Rs. 2,78,850.

They have applied for issue of duplicate licence on the ground that the licence has been not received by them as the same has been lost or misplaced in transit.

In support of their claim the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that Export licence No. 044212/52 dated 14-2-1983 has been lost/misplaced and direct that a duplicate Export Licence should be issued to applicant. The original licence is treated as cancelled herewith.

V. RAMA RAO, Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

Sub—Issue Duplicate Licence No. 044217/52 dt. 22-3-1983 in lieu of original licence No. 044212/52 dt. 14-2-1983.

This is to inform you that Duplicate copy of Export Licence No. 044217/52 dated 22-3-83 has been issued to M/s. S. M. Enterprise, Bombay. It is requested that Licence No. 044212/52 dt. 14-2-83 should not be treated as valid if produced & that information should be sent to this office immediately if the above said licence has already been prescribed and utilised at this port.

Lic. No. & Dt.	Issued by	Item	Value
044212/52 dt. 14-2-83	JCCI&B, Ahmedabad	L/G 706 L/S 79	Rs. 2,52,780 Rs. 26,070

[F. No. 157/AM. 83/Exports/LS&G/435]

S. K. PRASAD, Controller of Imports & Exports
for Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

उद्योग मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

आवेदन

तर्ह दिल्ली, 4 जून, 1983

का०आ० 2570.—उद्योग (विकास नथा विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की पारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और विकास परिवद (कार्यविधिक) नियम, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के माध्यम पढ़ते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा निवेशक, सेन्ट्रल मशीन इस्टिंट्यूट, तुमकुर रोड, बंगलोर को भारत सरकार, उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के आवेदन संबंधी का० आ० 745 (इ०) दिनांक 14 अक्टूबर, 1981 द्वारा मशीनी औजारों के निर्माण अथवा उत्पादन एवं अनुसूचित उद्योगों के लिए गठित की गई विकास परिवद का सरकारी नियुक्त करनी है और निवेश देती है कि उक्त आवेदन में निम्नलिखित संशोधन किए जायेंगे अर्थात् :—

"9. निवेशक,
सेन्ट्रल मशीन टूल इस्टिंट्यूट,
तुमकुर रोड
बंगलोर - 560022"

[सं. 19/7/81-एमटी]

सोमन कानूनगो, संपूर्ण सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 4th June, 1983

S.O. 2570.—In exercise of powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with Rules 2, 4 and 5 of the Development Council Procedural Rules, 1952, the Central Government hereby appoint Director, Central Machine Tool Institute, Tumkur Road, Bangalore to be a member of the Development council constituted by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) No. S.O. 745(E) dated the 14th October, 1981 for the Scheduled Industries engaged in the manufacture or production of Machine Tools and direct that the following amendments shall be made in the said order namely :

In the said Order for the entries occurring against serial number 9 the following entries shall be substituted namely:

9. Director,
Central Machine Tool Institute,
Tumkur Road,
Bangalore-560052."

[No. 19-7/81-MT]
S. KANUNGO, Jt. Secy.

नई विल्सनी, 9 जून, 1983

कानूनों 2571.—सरकारी स्थान (अधिकारीय अधिकारियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवल्ल शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के उद्याग मवालय (भारी उद्योग विभाग) की अधिकृतना स 0 का 0 आ 704 नारीख 29 जनवरी, 1977 को उन बातों के नियाय अधिकार करने हुए, जिन्हें ऐसे अधिकारण के पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, केन्द्रीय सरकार नीचे की गई सारणी के सम्बन्ध (1) में उल्लिखित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रिय अधिकारियों के समतुल्य रैक के अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सपदा अधिकारियों के रूप में नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के सम्बन्ध (2) की तत्त्वानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के सबध में अपनी अपनी अधिकारियों की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सपदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सारणी

अधिकारियों के पदनाम	सरकारी स्थानों के प्रबंग और अधिकारियों की स्थानीय सीमाएँ
1	2
1. श्री एम०ज० दे, मुख्य कार्यिक और प्रशासन, बर्न स्टैडर्ड कंपनी लि०, कलकत्ता	पश्चिमी बंगाल राज्य में कलकत्ता में श्री छावडा जिले में स्थित बर्न स्टैडर्ड कंपनी लि० के परिमर।
2. श्री बी०क० भट्टाचार्जी, मुख्य कार्यिक प्रबन्धक, बर्नपुर सकर्म, बर्न स्टैडर्ड क० लि०, बर्नपुर, पश्चिमी बंगाल	पश्चिमी बंगाल में बुर्बान जिले में बुर्देश्वान में स्थित बर्न स्टैडर्ड कंपनी लिमिटेड के परिसर।
3. श्री सी०एल०आर० कुमार, धार्णियिक अधिकारी, सलेम सकर्म, बर्न स्टैडर्ड क० लि०, सलेम, तमिलनाडु	तमिलनाडु राज्य में सलेम में स्थित बर्न स्टैडर्ड कंपनी लिमिटेड के परिसर।
4. श्री एम०क० बैनर्जी, कार्यिक प्रबन्धक, बर्न स्टैडर्ड क० लि०, रानीगंज बुर्देश्वान, पश्चिमी बंगाल	पश्चिमी बंगाल के बुर्देश्वान जिले में रानीगंज, दुर्गापुर और ओडल स्थित बर्न स्टैडर्ड कंपनी लिमिटेड के परिमर और वे परिमर जो गुलफरवाडी, डाकधार मृगमा, पुलिस स्टेशन चिरकुदा, जिला धनबाद, बिहार में स्थित हैं।

[कानूनों 3 (10)/83-पञ्च-एम०III]
कीरद्र मिह, निदेशक

New Delhi, 9 June, 1983

S.O. 2571.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) No. S. O. 704, dated the 29th January, 1977 except as respects things done or omitted to be

done, the Central Government hereby appoints the Offices mentioned in column (1) of the Table below being Officers equivalent to the rank of Gazetted Officer of Government to be Estate Officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdiction in regard to the public premises specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of Officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction.
(1)	(2)
1. Shri S.J. De, Chief Personnel and Administration, Burn Standard Company Ltd., situated at Calcutta and in the District of Howrah in the State of West Bengal.	Premises belonging to Burn Standard Company Ltd., situated at Calcutta and in the District of Howrah in the State of West Bengal.
2. Shri B K Bhattacharjee, Chief Personnel Manager, Burnpur Works, Burn Standard Co. Ltd., Burnpur, West Bengal	Premises belonging to Burn Standard Company Limited situated at Burnpur in the District of Burdwan in the State of West Bengal.
3. Shri C. R. L. Kumar, Commercial Officer, Salem Works, Burn Standard Co. Ltd., Salem, Tamil Nadu.	Premises belonging to Burn Standard Company Limited situated at Salem in the State of Tamil Nadu.
4. Shri S K Banerjee, Personnel Manager, Burn Standard Co. Ltd., Raniganj, Burdwan, West Bengal.	Premises belonging to Burn Standard Company Limited situated at Raniganj, Durgapur & Ondal in the District of Burdwan, West Bengal and those situated at Gulfarbaui P.O. Mugma, P.S. Chirkunda, Distt. Dhanbad, Bihar.

[File No. 3 (10)/83 HM-III]

VIRENDRA SINGH, Director

पेट्रोलियम, रसायन और कर्ज मंत्रालय
(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 3 जून 1983

क्षा० ला० 2572—यह, बेंगलुरु सरकार को यह प्रतीत होता है कि
लोकसभा में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बम्बई से पूणे तक
पेट्रोलियम पाइपों के परिवहन के लिए पाइप लाइन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम
कंपनीजन द्वारा बिल्डर नामी चालिये।

और यह यह परीत होता है कि ऐसी नाईनों को बिलाने के प्रयोजन
के लिए एकदृष्टा अनमर्श में नियंत्रित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित
करना आवश्यक है।

अब अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के
अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3
की उपस्थारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार
ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एकदृष्टा
घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हिन्दुबद्ध कोई अप्रिय, उस भूमि के भीचे
पाइप लाइन बिलाने के लिए आधोप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम
कारपोरेशन लिमिटेड, बम्बई पूणे पाइप लाइन प्रोजेक्ट प्रयोग रिकायनरीज
कंपारिशडर रोड बम्बई को इन अधिनियम की नामिक से 21 दिनों के भीतर
कर सकेगा।

और ऐसा आधोप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन
करेगा कि क्या क्या बढ़ यह चाहता है कि उसकी सुनवाई अनियन्त्रित हो या
किसी विधि व्यवसायी की भारीत।

एल० प० केस नम्बर ३१/८३

मान्यता

पाइप लाइन मान्यता खंड से, तालुका —हवेली, जिला —पुणे, महा-
राष्ट्र

गाँव	मान्यता नंबर	हिस्पा नंबर	क्षेत्रफल	
			हेक्टर	ऐयर
मान्यता खंड	०० का भाग	—	००	००
	१३६	"	००	०५
	१९३	"	००	०८
	२०२	"	००	२९
	२०३	"	००	०५
	२०४	"	००	०१
	२०५	"	००	०९
	२०६	"	००	०५
	२०७	"	००	०५
	२०९	"	००	०८
	२१०	"	००	०९
	२१४	"	००	०९
	२१८	"	००	०१
	२१९	"	००	१४
	२२०	"	००	०६
	२२१	"	००	०५
	२२२	"	००	२३
	२२७	"	००	०७
	२८४	"	००	०५
	२९६	"	००	०६
	२८७	"	००	०६
	२८९	"	००	०२
	२८८	"	००	०८
	२९०	"	००	०४
	२९७	"	००	०५

मान्यता खंड	गाँव	क्षेत्र नंबर	हिस्पा नंबर		लेवल
			हेक्टर	ऐयर	
मान्यता खंड	३०४ का भाग	—	—	—	१८
	३०५	"	—	—	१५
	३०९	"	—	—	०५
	३१०	"	—	—	०४
	३११	"	—	—	०४
	३१२	"	—	—	०४
	३१५	"	—	—	०५
	३१६	"	—	—	३६
	३१७	"	—	—	०५
	३२६	"	—	—	०५
	३२८	"	—	—	११
	३३०	"	—	—	०३
	६१४	"	—	—	०४
	६२२	"	—	—	१८
	६२३	"	—	—	२४
	६२४	"	—	—	०७
	६२५	"	—	—	०७
	६६०	"	—	—	०७
	६७१	"	—	—	०५
	६६६	"	—	—	१२
	६६२	"	—	—	०५
	६७८	"	—	—	०९
	६२९	"	—	—	०८
	६८०	"	—	—	०५
	६८१	"	—	—	०५
	६८२	"	—	—	०३
	७६०	"	—	—	३३
	७६५	"	—	—	२३
	७६६	"	—	—	११
	७६७	"	—	—	०२
	७६८	"	—	—	१५
	७५८	"	—	—	९६
	७५९	"	—	—	०४
	७९८	"	—	—	१०
	७९९	"	—	—	०५
	८००	"	—	—	०२
	८०१	"	—	—	०८
	८०२	"	—	—	०५
	८०३	"	—	—	०८
	८०४	"	—	—	०२
	८०५	"	—	—	०५
	८१२	"	—	—	०७
	८१३	"	—	—	०५
	८१४	"	—	—	०७
	८१६	"	—	—	०४
	८१७	"	—	—	०४
	८१८	"	—	—	०५
	८२४	"	—	—	२२

[क्रमांक ०-१२०१६/४८/४३-प्रोट]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 3rd June, 1983

S.O. 2572.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas it appears to Central Government that for laying pipe-line it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now therefore in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of PETROLEUM and Minerals PIPE-LINES (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipe-line through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

L.A. Case No. 31/83.

SCHEDULE

Pipeline from Village Manjri Khurd, Taluka : Haveli,
Dist. Pune. Maharashtra.

Village	S.No./Gat No.	Hissa No.	Area	
			H	R
1	2	3	4	
Manjri Khurd	00 Part	—	00	00
	136 Part	—	00	05
	193 Part	—	00	08
	202 Part	—	00	29
	203 Part	—	00	05
	204 Part	—	00	01
	205 Part	—	00	09
	206 Part	—	00	05
	207 Part	—	00	05
	209 Part	—	00	08
	210 Part	—	00	09
	214 Part	—	00	09
	218 Part	—	00	01
	219 Part	—	00	14
	220 Part	—	00	06
	221 Part	—	00	05
	222 Part	—	00	23
	227 Part	—	00	07
	284 Part	—	00	05
	286 Part	—	00	06
	287 Part	—	00	06
	289 Part	—	00	02
	288 Part	—	00	06
	290 Part	—	00	04
	297 Part	—	00	05
	304 Part	—	00	18
	305 Part	—	00	15
	309 Part	—	00	05

1	2	3	4
Manjri Khurd	310 Part	—	00 04
	311 Part	—	00 04
	312 Part	—	00 04
	315 Part	—	00 05
	316 Part	00	36
	317 Part	00	05
	326 Part	—	00 05
	328 Part	—	00 11
	330 Part	—	00 03
	614 Part	-	00 04
	622 Part	—	00 18
	623 Part	—	00 24
	624 Part	—	00 07
	625 Part	—	00 07
	660 Part	—	00 07
	671 Part	—	00 05
	666 Part	00	12
	667 Part	00	05
	678 Part	—	00 09
	679 Part	—	00 08
	680 Par.	00	05
	681 Part	—	00 05
	682 Part	—	00 03
	760 Part	—	00 33
	765 Part	—	00 23
	766 Part	—	00 11
	767 Part	00	02
	768 Part	—	00 15
	758 Part	—	00 96
	759 Part	—	00 04
	798 Part	—	00 10
	799 Part	—	00 05
	800 Part	—	00 02
	801 Part	—	00 08
	802 Part	—	00 05
	803 Part	—	00 08
	804 Part	—	00 02
	805 Part	—	00 05
	812 Part	—	00 07
	813 Part	—	00 05
	816 Part	—	00 04
	814 Part	—	00 07
	817 Part	—	00 04
	818 Part	—	05 05
	824 Part	—	00 22

[No. O-12016/58/53 Prod]

का० आ० 2573 :—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिल में यह आवधार है कि महाराष्ट्र राज्य बम्बई से पुणे तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन द्विस्तराम पेट्रोलियम कार्पोरेशन द्वारा बिलाई जानी जाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतदपाद अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का अधिकार अंगत करना आवश्यक है।

जन् अब पेट्रोलियम और खनिज पाल्प लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा ३ की उपस्थान (1) द्वारा प्रदत्त समितयों का प्रयोग करते हुए केस्ट्रीय मण्डल न उनमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का आगा ब्राण्ड एनडारोग घोषित रिता है।

बगते कि उनके भूमि हिन्दुबद्द कोई अद्वितीय, उस भूमि के नीचे पाल्प लाइन बिछाने के लिए आक्षेप यदम प्राप्तिकारी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड बम्बई पुणे पाल्प लाइन प्रोजेक्टर फूलपाल रिफायरिंज बारिशार राह अम्बई को इस अधिसूचना की तारीख से २१ दिनों के भोतर कर सकेगा।

और हेंगा आक्षेप वरन दाला हुए अविन विनिर्दिष्ट यह भी कहत रखा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई वर्गितगत हो या विस्तीर्ण अवगारी की घार्फत।

एम.ए.ट.के.म० नंबर 29.8.3.

अनुसूची

पाल्प लाइन लाइनगाथ से, तालुका -- हवेली, जिला : पुणे, महाराष्ट्र

नाव	स्वर्ग नंबर	हिस्सा		क्षेत्रफल
		नंबर	हेक्टर	एकर
लोहगांव	00 वा भाग	--	00	00
	16 "	--	00	42
	66 "	--	00	15
	67	--	00	69
	74 "	--	00	18
	75 "	--	00	45
	76 "	--	00	54
	97 "	--	09	27
	102 "	--	00	11
	103 "	--	00	25
	104 "	--	00	01
	105 "	--	00	49
	107 "	--	00	81
	115 "	--	00	08
	117 "	--	00	67
	118 "	--	00	31
	119 "	--	00	33
	120 "	--	00	36
	123 "	--	00	27
	124 "	--	00	33
	229 "	--	00	09
	300 "	--	00	43
	301 "	--	00	40
	302 "	--	00	79
	303 "	--	00	18
	305 "	--	00	18
	307 "	--	00	27
	308 "	--	00	10
	309 "	--	00	49
	314 "	--	00	02
	316 "	--	00	06
	317 "	--	00	25
	"	--	00	18

[क्रमांक : O-12016/56/83-प्र०]

Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipe-line and that said Pipe-line is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas it appears to Central Government that for laying pipe-line it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule

Now therefore in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of PETROLEUM and Mineral PIPELINES (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipe-line through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of his notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

L.A Case No. 29/83.

SCHEDULE

Pipeline from Village Lohgaon, Taluka:—Haveli,
Dist:—Pune. Maharashtra.

Village	Survey No./ Gat No.	Hissa No.	Area	
			H	R
Lohgaon	00 Part	--	00	00
	16 Part	--	00	42
	66 Part	--	00	15
	67 Part	--	00	69
	74 Part	--	00	18
	75 Part	--	00	45
	76 Part	--	00	54
	97 Part	--	00	27
	102 Part	--	00	11
	103 Part	--	00	25
	104 Part	--	00	01
	105 Part	--	00	49
	107 Part	--	00	81
	115 Part	--	00	08
	117 Part	--	00	67
	118 Part	--	00	31
	119 Part	--	00	33
	120 Part	--	00	36
	123 Part	--	00	27
	124 Part	--	00	33
	299 Part	--	00	09
	300 Part	--	00	43
	301 Part	--	00	40
	302 Part	--	00	79
	303 Part	--	00	18
	305 Part	--	00	18
	307 Part	--	00	27
	308 Part	--	00	40
	309 Part	--	00	49
	314 Part	--	00	02
	316 Part	--	00	06
	317 Part	--	00	25
	"	--	00	18

S.O. 2573—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum

[No. O-12016/56/83-Prod]

मई दिल्ली, 4 जून, 1983

का० ना० 2674:- यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह आवश्यक है कि नामस्प, जिला डिक्टॉल, असम में हिन्दुस्तान उर्वरक निधि के नामस्प II। एस्टेंशन पोइंटों के लिए बुलियाजान से हिन्दुस्तान उर्वरक निधि के नामस्प III बेटरी लिमिटेड नक्स पाइप लाइन आसाम गैस कम्पनी लिमिटेड, बुलियाजान द्वारा बिकाई जानी भाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के लिए एनदायाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

असम: अब पेट्रोलियम और अनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिरान्यम 1962 (1963 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अकिन्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आवश्यक एनदायाबद्ध किया है।

बाहरे कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आमेर गत्तम प्राधिकारी, उत्तराखण्ड, डिक्टॉल, असम का इस अधिकृतमा की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा वास्तव करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट है कि वह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसको गुनवार्द्ध व्यक्तिगत हो या किसी विधि-व्यवसायी को मार्फत।

हिन्दुस्तान उर्वरक निधि नामस्प की प्रसार योजना के अन्तर्गत बुलियाजान से नामस्प सक गैस पाइप लाइन बिछाने की योजना।

असम संख्या	गाँव	मौजा	पट्टा संक्षेप	दाग संख्या	क्षेत्रफल विधा-कट्टा-संह.	विशेष विवरण
1. द्वारीगढ़ असाम	जयपुर	बंजर	52 भाग	0-3-10		
		"	66 "	0-1-13		
		"	67 "	0-3-6		
		"	72 "	0-1-17		
		वार्षिक	74 "	0-1-13		
		"	83 "	0-2-15		
		"	86 "	0-1-2		
		"	87 "	0-2-17		
		"	89 "	0-2-11		
		"	104 "	0-2-4		
		"	113 "	1-1-8		
		"	123 "	3-0-8		
		बंजर	127 "	2-3-5		
			योग:-	11-3-9		
2. दिल्ली बहुष्टी गाँगा	जयपुर	वार्षिक	213 भाग	0-8-2		
		"	214 "	0-1-5		
		"	216 "	0-3-8		
		"	290 "	0-2-4		
		"	292 "	1-1-1		
		संख्या 69				
		मियादी	173 "	0-0-12		
		संख्या-18				
		मियादी	168 "	1-1-12		
		संख्या 1				
		मियादी	480 "	0-1-0		
		वार्षिक	356 "	0-2-4		
		बंजर	362 "	0-2-8		
			योग:-	5-0-14		
3. हुगुआ पाथार गाँगा	जयपुर	बंजर	19 भाग	6-3-0		
		"	100 "	0-0-10		
			योग:-	6-3-10		

क्रम संख्या	गाँव	मोजा	पट्टा संख्या	दाग संख्या	लोहफल		विशेष विवरण
					विषया कटूत-नटूत	योग:—	
4.	नाहरकटिया शहर ५३ भाग दुसरी सीट	जयपुर	बंजर	40 भाग	0-4-10		
			"	109 "	4-2-0		
			"	108 "	0-1-0		
			"	107 "	0-0-12		
			संख्या 1				
			चाय मियादी	118 "	5-1-14		
			संख्या 1				
			चाय मियादी	154 "	0-0-11		
			संख्या 1				
			चाय मियादी	153 "	5-1-12		
			संख्या 1				
			चाय मियादी	168 "	5-1-1		
			संख्या 1				
			चाय मियादी	168 "	0-0-10		
					योग:—	21-3-10	
5.	लेगरीजान चाय बगान ओरस्ट चाय कं डलू० एल० आवेदन संख्या 14,17,40 और 20 संख्या आवेदन पत्र	बंजर	10 भाग	0-0-7			
		"	11 "	0-0-7			
		"	40 "	0-0-4			
		"	41 "	0-0-7			
		"	42 "	0-0-7			
		चाय मियादी	31 "	2-3-3			
		"	70 "	0-0-5			
		"	69 "	3-1-6			
		"	60 "	2-1-11			
		"	30 "	0-3-2			
		"	72 "	3-3-18			
		"	77 "	0-0-18			
		"	34 "	0-1-5			
					योग:—	13-2-0	
6.	माहरकटिया शहर चौथा भाग दुसरी सीट	बंजर	273 भाग	0-0-13			
		संख्या 25					
		मियादी	275 "	0-2-13			
		"	276 "	0-4-6			
		"	277 "	0-0-4			
		संख्या 140"					
		मियादी	278 "	0-1-5			
		"	279 "	0-3-19			
		"	272 "	0-0-15			
		बंजर	282 "	0-0-16			
		"	283 "	0-0-15			
		"	281 "	0-0-5			
		संख्या 85					
		मियादी	284 "	0-2-1			
		संख्या 143					
		मियादी	285 "	1-0-10			
					योग:—	4-3-4	

क्रम संख्या	पांच संख्या	मौजा	पट्टा संख्या	दाग संख्या	लेवरफल विधा-कट्टा-नट्टा	विशेष विवरण
7.	नामारी खरेमिया	जयपुर	संख्या 122 मियादी संख्या 96 मियादी संख्या 64 मियादी संख्या 43 मियादी संख्या 1 बंजर संख्या 50 मियादी संख्या 120 मियादी संख्या 10 मियादी संख्या 1 मियादी संख्या 39 मियादी संख्या 71 मियादी संख्या 103 मियादी संख्या 138 मियादी संख्या 30 मियादी संख्या 28 मियादी संख्या 73 मियादी संख्या 74 मियादी संख्या 46 मियादी संख्या 76 मियादी संख्या 53 मियादी संख्या 58 मियादी संख्या 58 मियादी बत्र "	273 भाग 279 , 291 , 293 , 350 , 351 , 357 , 356 , 358 , 359 , 368 , 369 , 370 , 371 , 381 , 388 , 389 , 390 , 392 , 394 , 397 , 396 , 361 , 317 ,	0-3-13 0-2-8 0-4-7 0-3-1 0-0-7 0-2-8 0-2-4 0-0-5 0-1-6 0-1-6 0-1-6 0-1-6 0-3-2 0-2-4 0-3-2 1-1-5 0-1-7 0-1-4 0-1-9 0-2-3 0-3-2 0-2-8 0-0-17 0-0-7 1-3-9	
				योग	11-3-16	
8.	गामरूप शहर चौथा भाग	जयपुर	संख्या 7 मियादी संख्या 6	60 भाग	8-2-7	
	निम्नी सीट		मियादी "	66 , 67 , 73 ,	1-3-16 0-1-12 2-4-13	
				योग--	13-2-8	

क्रम संख्या	गाँव	मोजा	पट्टा संख्या	दाग संख्या	ओक्टोबर विषयक विवरण
9.	नामरुप गहर		संख्या 4		विषयक-पट्टा
	पालचाल भाग		मियाशी	60 भाग	4-3-9
	चौथा मीट		मन्दा ३		
			मियाशी	7६ "	0-1-17
				दाग --	5-0-6

[सं. 12016/35/83-प्रांड०]

New Delhi, the 4th June, 1983

S.O. 2374.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the Public interest that for the laying of gas pipeline for expansion Project of M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Limited, Namrup III project at Namrup from Duliajan to Namrup III Battery Limit, Dibrugarh District, Assam, pipeline should be laid by the Assam Gas Company Limited, Duliajan.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz., the Deputy Commissioner, Dibrugarh, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Laying of Gas pipeline from Duliajan to Namrup III battery limit for expansion project of M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Limited, Namrup.

Sl. No.	Gaon	Mauza	Patta No.	Dag No.	Area			Remarks
					B	K	L	
1. Hatigaon Block	Jaipur	Waste land	52 Part		0	3	10	
			66 Part		0	1	13	
			67 Part		0	3	6	
			72 Part		0	1	17	
			Annual	74 Part	0	1	13	
			83 Part		0	2	15	
			86 Part		0	1	2	
			87 Part		0	2	17	
			89 Part		0	2	11	
			104 Part		1	2	4	
		Waste land	113 Part		1	1	8	
			123 Part		3	0	8	
			127 Part		1	3	5	
			Total		11	3	9	
			213 Part		0	0	2	
2. Tippling Bahdham Village.	Jaipur	Annual	214 Part		0	1	5	
			216 Part		0	3	6	
			290 Part		0	2	4	
			292 Part		1	1	1	
		Periodic	69 No.					
			173 Part		0	0	12	
			18 No.					
		Periodic	168 Part		1	1	12	
			1 No.					
			480 Part		0	1	0	
		Annual	356 Part		0	2	4	
			362 Part		0	2	3	
			Total		5	0	14	

Sl. No.	Gaon	Mauza	Patta No.	Dag No.	Area			Remarks
					B	K	L	
3.	Hajuapathar Village	Jaipur	Waste land	19 Part	6	3	0	
			"	100 Part	0	0	10	
				Total	6	3	10	
			Waste land	40 Part	0	4	10	
4.	Naharkatia Town	Jaipur	"	109 Part	4	2	0	
	5th Part		"	108 Part	0	1	0	
	2nd sheet		"	107 Part	0	0	12	
			1 No.					
			Tea periodic	118 Part	5	1	14	
			1 No.					
			Tea periodic	154 Part	0	0	11	
			1 No.					
			Tea periodic	153 Part	5	1	12	
			1 No.					
			Tea periodic	168 Part	5	1	1	
			1 No.					
			Tea periodic	169 Part	0	0	10	
				Total	21	3	10	
5.	Longerijan T.E. Jorhat Tea Co.		Waste land	10 Part	0	0	7	
	W.L. Application No.		"	11 Part	0	0	7	
	14, 17, 40		"	40 Part	0	0	4	
	and 20 No. application		"	41 Part	0	0	7	
			"	42 Part	0	0	7	
			Tea periodic	31 Part	2	3	3	
			"	70 Part	0	0	5	
			"	69 Part	3	1	6	
			"	69 Part	2	1	11	
			"	36 Part	0	3	2	
			"	72 Part	3	3	18	
			"	77 Part	0	0	18	
			"	34 Part	0	1	5	
				Total	13	2	0	
6.	Naharkatia Town 4th Part		Waste land	273 Part	0	0	13	
	2nd Sheet		25 No.					
			Periodic	275 Part	0	2	15	
			"	276 Part	0	4	6	
			"	277 Part	0	0	4	
			140 No.					
			Periodic	278 Part	0	1	5	
			"	279 Part	0	3	19	
			"	272 Part	0	0	15	
			Waste land	282 Part	0	0	16	
			"	283 Part	0	0	15	
			"	281 Part	0	0	5	
			35 No.					
			Periodic	264 Part	0	2	1	
			148 No.					
			Periodic	265 Part	1	0	10	
				Total	4	3	4	

7. Nagamati Kheremia	Jaipur	122 No.				
		Periodic	278 Part	0	3	13
		96 No.	279 Part	0	2	8
		Periodic				
		64 No.	291 Part	0	4	7
		Periodic				
		43 No.	292 Part	0	3	1
		Periodic				
		Waste land	350 Part	0	0	7
		50 No.				
		Periodic	351 Part	0	2	8
		120 No.	357 Part	0	2	4
		Periodic				
		19 No.	356 Part	0	0	5
		Periodic				
		1 No.	358 Part	0	1	5
		Periodic				
		39 No.	359 Part	0	1	6
		Periodic				
		71 No.	368 Part	0	1	6
		Periodic				
		103 No.	369 Part	0	3	2
		Periodic				
		138 No.	370 Part	0	2	4
		Periodic				
		30 No.	371 Part	0	3	2
		Periodic				
		28 No.	381 Part	1	1	5
		Periodic				
		73 No.	388 Part	0	1	7
		Periodic				
		74 No.	389 Part	0	1	4
		Periodic				
		46 No.	390 Part	0	1	9
		Periodic				
		76 No.	392 Part	0	2	3
		Periodic				
		53 No.	394 Part	0	3	2
		Periodic				
		58 No.	397 Part	0	2	8
		Periodic				
		58 No.	396 Part	0	0	17
		Periodic				
		Waste land	361 Part	0	0	7
		"	317 Part	1	3	9
			Total :	11	3	10
8. Namrup Town 4th Part 3rd Sheet	Jaipur	7 No.				
		Periodic	60 Part	8	2	7
		6 No.				
		Periodic	66 Part	1	3	16
		"	67 Part	0	1	12
		"	73 Part	2	4	13
			Total :	13	2	8
9. Namrup Town 5th Part 4th Sheet		4 No.				
		Periodic	60 Part	4	3	9
		5 No.				
		Periodic	76 Part	0	1	17
			Total :	5	0	6

[No. 12016/55/83-Prod.]

का० आ० 2575.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकाश्रित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बन्धौरे से पुणे तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों का बिलाई हे प्राप्ति के लिए एतदपावृत्त अनुसूची में अंजित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

यतः अब पेट्रोलियम और खनित पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंजिन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 वीं उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करते का अपना आशय एतदृष्टारा घोषित किया है :

अर्थात् कि उक्त भूमि में हिन्दूस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन, लिमिटेड बन्धौरे-पुणे पाइप लाइन प्रोजेक्ट फूलरूल रिफायरिंग कोरिओर रोड, बन्धौरे को स्थान अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विनियिंग्डन: यह भी कथन करेगा कि वह यह जाह्नवा है कि उसकी सुनवाई अधिकार हो या किसी अधिक व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पाइप लाइन वाधोली गांव से, तालुका:—हुवेली, जिला:—पुणे, महाराष्ट्र

गांव	क्रमांक	क्रमांक	हिस्सा		शेनकन
			नंबर	नंबर	
वाधोली	00 का भाग	--	00	00	
	2063 "	--	00	40	
	2060 "	--	00	11	
	2062 "	--	00	24	
	2069 "	--	00	20	
	2070 "	--	00	01	
	2074 "	--	00	06	
	2075 "	--	00	11	
	2076 "	--	00	11	
	2077 "	--	00	11	
	2078 "	--	00	33	
	2077 "	--	00	22	
	2089 "	--	00	09	
	2222 "	--	00	21	
	2223 "	--	00	18	
	2225 "	--	00	27	
	2226 "	--	00	18	
	2229 "	--	00	09	
	2230 "	--	90	04	
	2272 "	--	00	27	
	2273 "	--	00	61	
	2274 "	--	00	38	
	2275 "	--	00	25	
	2272 "	--	00	76	
	2307 "	--	00	67	
	2328 "	--	00	33	
	2329 "	--	00	76	
	2333 "	--	00	47	
	2335 "	--	00	34	

[क्रमांक 0-12016/57/83 प्र०]

S.O. 2575.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas it appears to Central Government that for laying pipe-line it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended in Schedule.

Now therefore in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipe-line through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited Bombay-Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

SCHEDULE

Pipeline from Village Vagholi, Taluka:—Haveli,
Dist:—Pune, Maharashtra

Village	S.No./Gat No.	Hissa No.	Area	
			H	R
Vagholi	00 Part	—	00	00
	2063 Part	—	00	40
	2060 Part	—	00	11
	2062 Part	—	00	24
	2069 Part	—	00	20
	2070 Part	—	00	01
	2074 Part	—	00	06
	2075 Part	—	00	11
	2076 Part	—	00	11
	2077 Part	—	00	11
	2078 Part	—	00	33
	2077 Part	—	00	22
	2089 Part	—	00	09
	2222 Part	—	00	21
	2223 Part	—	00	18
	2225 Part	—	00	27
	2226 Part	—	00	18
	2229 Part	—	00	09
	2230 Part	—	00	04
	2272 Part	—	00	27
	2273 Part	—	00	61
	2274 Part	—	00	38
	2275 Part	—	00	25
	2272 Part	—	00	76
	2307 Part	—	00	67
	2328 Part	—	00	33
	2329 Part	—	00	76
	2333 Part	—	00	47
	2335 Part	—	00	34

[No. 0-12016/57/83-Prod.]

का० का० 2576.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोचित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंबई से पुणे तक पैद्वालियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन हिन्दुस्तान पैद्वालियम कार्पोरेशन द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी नाइनों को बिलाने के प्रयत्न के लिए एतदपावद अनुमति में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

अब: अब पैद्वालियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंजन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का अनन्त आवश्यकता द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हिन्दुस्तान पैद्वालियम कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आवेदन सम्प्राप्ति करता, हिन्दुस्तान पैद्वालियम कार्पोरेशन लिमिटेड, बंबई-पूणे पाइप लाइन्स प्रोजेक्ट फ्लैट रिकायन-रीज़, कोरिंडोर रोड, बंबई को इस अधिसूचना की सारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन बारते जाना हूर व्यक्ति विनिविष्ट। यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह आहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या विसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पाइप लाइन कोलावडी और लांगो कालभोर से, नानुका -- हावेली
जिला :-- पुणे, महाराष्ट्र

गाँव	खंभर नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्रफल
			हेक्टर एकर
कोलावडी	०० का भाग	--	०० ००
	३०० "	--	०० १०
	३०१ "	--	०० २२
	३०२ "	--	०० १५
	३०३ "	--	०० १४
	३०४ "	--	०० १०
	३०५ "	--	०० ०९
	३०६ "	--	०० २३
	३०७ "	--	०० ०७
	३०८ "	--	०० ०६
	३१० "	--	०० ०५
	३११ "	--	०० ११
	३१२ "	--	०० ०४
	३१३ "	--	०० ०५
	३१४ "	--	०० ०९
	३२५ "	--	०० ०१
	३२६ "	--	०० ०६
	३२७ "	--	०० ०२
	३२८ "	--	०० ०४
	३३१ "	--	०० ०४
	३७१ "	--	०० ०८
	३७२ "	--	०० ०७
	३७८ "	--	०० ३८
	४९७ "	--	०० ०७
	३९४ "	--	०० ११
	३९५ "	--	०० ०५
	३९६ "	--	०० २१
	३८७ "	--	०० १२

गाँव	खंभर नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्रफल
			हेक्टर एकर
कोलावडी (जारी)	०० का भाग	--	०० ००
	३८८ "	--	०० १७
	३८९ "	--	०० १३
	३९० "	--	०० ०२
लाणी कालभोर	९२ "	--	०० ४५
	९३ "	--	०० १८
	९४ "	--	०० ०५
	९५ "	--	०० ०७
	९६ "	--	०० ०७
	१०४ "	--	०० ११
	१०३ "	--	०० ०८
	११२ "	--	०० १४
	११६ "	--	०० ०६
	११७ "	--	०० ०३
	११८ "	--	०० १०
	१२० "	--	०० ११
	१२१ "	--	०० ०७
	१२२ "	--	०० ०५

[क्रमांक ०-१२०१६/५९/८३-प्रा०]

S.O. 2576.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited Bombay.

And whereas it appears to Central Government that for laying pipe-line it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended herewith in Schedule.

Now therefore in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipe-line through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay-Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

SCHEDULE

Pipeline from Village Kolawadi and Loni Kalbhor,
Taluka: Haveli, Distt. : Pune, Maharashtra

Village	S.No./Gat No.	Hissa	Area	
		No.	H	R
Kolawadi	०० Part	--	००	००
	३०० Part	--	००	१०
	३०१ Part	--	००	२२
	३०२ Part	--	००	१५
	३०३ Part	--	००	१४
	३०४ Part	--	००	१०

1	2	3	4	5
	305 Part	—	00	09
	306 Part	—	00	23
	307 Part	—	00	07
	308 Part	—	00	06
	310 Part	—	00	05
	311 Part	—	00	11
	312 Part	—	00	04
	313 Part	—	00	05
	322 Part	—	00	09
	325 Part	—	00	01
	326 Part	—	00	06
	327 Part	—	00	02
	328 Part	—	00	04
	331 Part	—	00	04
	371 Part	—	00	08
	372 Part	—	00	07
	378 Part	—	00	38
	397 Part	—	00	07
	394 Part	—	00	11
	395 Part	—	00	05
	396 Part	—	00	21
	387 Part	—	00	12
	386 Part	—	00	17
	389 Part	—	00	13
	390 Part	—	00	02
Loni Kalbhor	92 Part	—	00	45
	93 Part	—	00	18
	94 Part	—	00	05
	95 Part	—	00	07
	96 Part	—	00	07
	104 Part	—	00	11
	103 Part	—	00	08
	112 Part	—	00	14
	116 Part	—	00	06
	117 Part	—	00	03
	118 Part	—	00	10
	120 Part	—	00	11
	121 Part	—	00	07
	122 Part	—	00	05

[No. 0-12016/59/83-Prod.]

(कोपला विभाग)

शुद्धिपत्र

मई दिल्ली, 30 मई, 1983

का० आ० 2577.—भारत के राजपत्र भाग II छंड 3 उपखंड (ii), वित्तीक 22 मई, 1982 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोपला विभाग) की अधिसूचना सं० ३० आ० 1836 वित्तीक 30 अप्रैल, 1982 में निम्नलिखित शुद्धियां पढ़ी जाएँ :—

पृष्ठ संख्या 2030 कालम एक पंक्ति 7 “6 मार्च, 1981” के स्थान पर “9 मई, 1981” पढ़ा जाए
पृष्ठ संख्या 2030 कालम दो पंक्ति 36 “815, (भाग)” के स्थान पर “815 (भाग)” पढ़ा जाए

[सं० 19/10/82-सी० ए८०]

(Department of Coal)

ERRATUM

New Delhi, the 30th May, 1983

S.O.2577.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, (Department of Coal) No. S.O. 1836, dated the 30th April, 1982, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 22nd May, 1982, at page 2031, in the first column,—

in line 30, for “dated the 6th March, 1981”
read “dated the 9th May, 1981”;

in line 58, for “8. objection to acquisition.—(1)”
read “Objection to acquisition 8(1)”;

In the second column

in line 31, for “Drg. No. Rev/98/8”
read “Drg. No. Rev/98/81”;

in line 39, for “do-116.00-do”
read “do-116.40-do”.

in line 40, for “do-46.00-do”
read “do-46.60-do”.

in line 46, for “188 to 200(part), 202(part)”
read “188 to 200, 201 (part), 202 (part)”;

in line 49, for “543 (part), 554 (part), 546”
read “543 (part), 545 (part), 546”;

in line 50, for “5458, 49(part), 550 to 572”
read “548, 549 (part), 550 to 572”;

in line 56, for “in village Dhori”
read “in village Dhorhi”;

in line 57, for “3020 (part) ad 3234”
read “3020 (part) and 3234”;

at page 2032 in the first column

in line 3, for “A-B1”
read “A-B”;

in line 7, for 465, 464, 4625”
read “465, 464, 462”;

in line 11, for “and mee”
read “and meets”;

in line 18, for “with the nothern boundary of”
read “with the northern boundary of”;

in line 20, for “passes throughf plot number”
read “passes through plot number”.

[No. 19/10/82-CL]

नई विल्सोनी, 31 मई, 1983

का० आ० 2578.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उत्पन्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि से कोयला प्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करने हुए उमसे कोई का पूर्ववर्ण करने के बरोबराओं को सूचा देता है,

2. इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरोक्षण सेट्रल कॉलकाता लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरमांग हाऊस, राजी के कार्यालय में या उआयुक्त हृत्तारीवान (बिहार) के कार्यालय में ब्रयवा कोयला निपत्रक, 1, काउलिसन हृत्तन स्ट्रीट, करनता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वालों भूमि में हितवद्ध सभी जनित, उस अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में विरिटेट मर्मी नक्शों, चाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के बीतर राजस्व निधिहारण, पैडल हारफोल्डन लिमिटेड, दरमांग, हाऊस, राजी को भेजेंगे।

अनुसूची

अशोक ब्लॉक

(उत्तरो कर्णपुरा—कोयला क्षेत्र)

ड्राइंग सं० राजस्व/68-84

तारीख 5-10-1982

(जिसमें पूर्ववर्ण के लिए अधिसूचित भूमि, दर्शित की गई है)।

क्रमसं०	ग्राम	धाना	धाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	बाजी	टंडवा	69/226	हुआरीबाग	119.36	भाग
2.	बिहैत	"	83/240	"	370.00	भाग
3.	सिद्धालू	"	84/241	"	155.00	भाग
4.	थथामी	"	86/243	"	250.00	भाग
5.	सरदार	"	87/244	"	502.09	पूर्ण
6.	चिरलौगा	"	88/245	"	217.00	भाग
7.	केरलारा	"	89/246	"	810.00	भाग
8.	देम्बुआ	"	90/247	"	397.55	पूर्ण
9.	हुलुर्डा	"	91/248	"	390.82	पूर्ण
10.	लुकुर्हिया	"	92/249	"	550.23	पूर्ण
11.	तोरहाव	"	93/250	"	458.47	पूर्ण
12.	हैंज्या	"	94/251	"	988.83	पूर्ण
13.	कुट्टी	"	95/252	"	1327.26	भाग
14.	बेन्ती	"	96/253	"	448.00	पूर्ण
15.	कुट्टी	"	97/254	"	515.39	भाग
बारबोर थेना						

कुल क्षेत्र: -- 7400.00 एकड़ (लगभग)

या 2994.63 हेक्टर (लगभग)

सीमा बर्णन --

क-व
रेखा आली, चिरलींग और कोहलारा प्रामों से होकर जाती है और फिर कोहलारा प्राम में देवोनद या दामोदर नदी से होकर जाती है और विनु "ब्रह्म" पर मिलती है।

म-ग
रेखा देवोनद या दामोदर नदी की भागत मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागत जिस सीमा बनती है) और विनु "ग" पर मिलती है।

ग-घ
रेखा देवोनद या दामोदर नदी की भागत मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागत जिस सीमा बनती है) और विनु "ग" पर मिलती है।

घ-ड०
रेखा देवोनद या दामोदर नदी की भागत मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागत जिस सीमा बनती है) और विनु "ड०" पर मिलती है।

ड०-घ
रेखा देवोनद या दामोदर नदी की भागत मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागत जिस सीमा बनती है) और विनु "क" पर मिलती है।

घ-छ
रेखा प्राम बन्ती में देवोनद या दामोदर नदी से होकर बेन्ती और कुटुंबी प्रामों से होकर जाती है (जो उक्त अधिनियम को धारा 9 को उन्धारा (1) के अधीन अंगित पिपरबार अनुक की भागत सम्मिलित सीमा है) और विनु "छ" पर मिलती है।

छ-ज
रेखा प्राम बेन्ती से होकर जाती है (जो उक्त अधिनियम को धारा 9 को उन्धारा (1) के अधीन अंगित पिपरबार अनुक की भागत सम्मिलित सीमा बनती है) और विनु "ज" पर मिलती है।

ज-झ
रेखा प्राम बेन्ती से होकर जाती है और फिर कुटुंबीखुरी या थेना और बेन्ती विजैन और बेन्ती, प्रामों की भागत सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और फिर विजैन और लिदालु प्रामों से होकर जाती है और विनु "झ" पर मिलती है।

झ-झ
रेखा लिदालु और वथांगी प्रामों से होकर जाती है और फिर गराय और कन्धार, चिरलींग और कन्धार, प्रामोंके सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और फिर गराम आली से होकर जाती है और शारम्बि के विनु "झ" पर मिलती है।

[सं० 19/97/82- सी० एव०]

New Delhi, the 31st May, 1983

S.O. 2578. Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or in the Office of the Deputy Commissioner Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE
Ashoke Block
(North Karanpura Coalfield)

Drg. No. Rev/68/82

Dated:—5-10-82

1 (showing lands notified for prospecting).

Serial Number	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1. Bali		Tandwa	69/226	Hazaribagh	119.36	Part
2. Bijain		"	83/240	"	370.00	Part
3. Sidalu		"	83/241	"	155.00	Part
4. Thathangi		"	86/243	"	250.00	Part
5. Saraya		"	87/244	"	502.09	Full
6. Chirlaunga		"	88/245	"	217.00	Part
7. Kailara		"	89/246	"	810.00	Part
8. Dembua		"	90/247	"	397.55	Full
9. Jhulunda		"	91/248	"	390.82	Full
10. Luku ia		"	92/249	"	550.23	Full
11. Torhad		"	93/250	"	458.47	Full
12. Hejda		"	94/251	"	988.83	Full
13. Kutki		"	95/252	"	1227.26	Part
14. Benti		"	96/253	"	448.00	Full
15. Kutki Khurdor Thena		"	97/254	"	515.39	Part

Total : area :— 7400.00 Acres (approximately)

or 2994.63 Hectares (,,)

Boundary Description :—

- A—B line passes through villages Bali, Chirlaunga and Koilara then through River Deonod or Damodar in village Koilara and meets at point 'B'.
- B—C line passes along the part Central line of River Deonod or Damodar (which is the part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'C'.
- C—D line passes along the part Central line of River Deonod or Damodar (which forms part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'D'.
- D—E line passes along the part Central line & River Deonod or Damodar (which forms part district boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'E'.
- E—F line passes along the part Central line of River Deonod or Damodar (which forms part district boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'F'.
- F—G line passes through River Deonod or Damodar in village Benti, through villages Benti and Kutki which forms part common boundary of Piparwar Block acquired under sub-section (1) of Section 9 of the said Act and, meets at point 'G'.
- G—H line passes through village Benti (which forms part Common boundary of Piparwar Block acquired under sub-section (1) of Section 9 of the said Act) and meets at point 'R'.
- H—I line passes through village Benti, then passes along the part common boundary of village Kutkikhurd or Thena and Benti, Bijain and Benti, then passes through villages Bijain and Sidalu and meets at point 'I'.
- I—A line passes through villages Sidalu and Thathangi, then passes along common boundary of villages Saarya and Klandhar, Chirlaunga and Klandhar, then through village Bali and meets at starting point 'A'.

का० आ० 2579.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, छंट 3(ii), तारीख 10 जून 1981 में प्रकाशित कोयला धारक क्षेत्र (अंगैन और विकास), अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना में का० आ० 103, तारीख 23 दिसम्बर, 1980 द्वारा इससे संबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिमेत्र में 2055 एकड़ (लगभग) या 831.61 हेक्टर (लगभग) भाग की भूमि में कोयले का पूर्ववाण करने के अपने आण्य की सूचना दी थी,

और उक्त भूमि की आकृति, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 10 जून 1981 से प्राप्त होने वाली एक दर्जे की और अवधि की उस अवधि के लग में विनिर्दिष्ट करता है जिसके बीच केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि का अपना ऐसा भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन करने के अपने आण्य को सूचना दे सकती है।

-जनशूची

मांडू डलाक

उप डलाक I और उप डलाक II

परिवहनी बोकारी कोयला क्षेत्र

जिला हजारी बाग, बिहार

रेखांकन सं० राजस्व /55/80

तारीख 2-8-80

(जिसमें पूर्ववाण के लिए अधिसूचित भूमि दर्शित की गई है)

उपडलाक I

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	टिप्पणियाँ
1.	मांडू	मांडू	114	हजारी बाग	भाग
2.	काकेबसोडी	मांडू	115	हजारी बाग	भाग
3.	कासीखाप	मांडू	123	हजारी बाग	भाग
4.	कारेंडा	मांडू	124	हजारी बाग	भाग
5.	टोपा	मांडू	126	हजारी बाग	भाग
6.	बनवार	मांडू	127	हजारी बाग	भाग

कुल क्षेत्र 1960.00 एकड़ (लगभग)

या

793.17 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन

क-ख रेखा ग्राम मांडू में से होकर जाती है।

ख-ग रेखा ग्राम केमरा की भागत: पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है।

ग-घ रेखा बेमरा और कारेंडा ग्रामों की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है।

घ-ङ रेखा कारेंडा, कासीखाप और टोपा ग्रामों में से होकर जाती है।

ङ-च रेखा बनवार ग्राम में से होकर जाती है।

च-छ रेखा बनवार और कासीखाप ग्रामों में से होकर जाती है (जो कुञ्ज कोयला खान के साथ भागत: सम्मिलित सीमा बनाती है)।

छ-ज रेखा, कासीखाप और हेसगोरा ग्रामों की भागत: सुमिलित सीमा के साथ-साथ जाती है। (जो हेसगोरा कोयला खान के साथ भागत: सम्मिलित सीमा बनाती है)।

ज-झ रेखा हेसगोरा और मांडू ग्रामों की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ सर्व-जाती है (जो हेसगोरा कोयला खान के साथ भागत: सम्मिलित सीमा बनाती है)।

झ-ट रेखा मांडू और काकेबसोडी ग्रामों में से होकर जाती है (जो कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अंजिन पुण्ड्री ड्वाक के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है)।

ट-क रेखा काकेबसोडी और मांडू ग्रामों में से होकर जाती है और आरंभिक विन्दु “क” पर मिलती है।

उप डलाक II

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	टिप्पणियाँ
1.	कुञ्ज	मांडू	154	हजारी बाग	भाग
2.	पोखरिया	मांडू	121	हजारी बाग	भाग

कुल क्षेत्र 95.00 एकड़ (लगभग)

या

38.44 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन :

क—इ रेखा ग्राम कुजु में से होकर जाती है (जो कुजु कोयला खान के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है)

द—ए—न रेखाएं कुजु और पोखरियां ग्रामों में से होकर जाती है (जो मूरुपा कोयला खान के साथ भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है)।

न—प रेखा आरा और पोखरियां ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है।

य—व रेखा नदी की मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो पोखरियां और योगहारा ग्रामों की मन्मिलित सीमा बनाती है)।

व—ड रेखा नदी की भागत मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है (जो कुजु और हेसागारा ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है और हेसागारा कोयला खान सीमा के साथ-साथ जाती है (और शार्टभिक बिन्दु "ड" पर मिलती है)।

[सं. 19/2/83-पी.एस]

समय सिह, अवर सकिव

S.O. 2579.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 105, dated the 23rd December, 1980, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) published in the Gazette of India, Part II, Section 3 (ii) dated the 10th January, 1981, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 2055.00 acres (approximately) or 831.67 hectares (approximately) in the localities specified in the schedule appended hereto:

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 10th January, 1983, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE

Mandu Block

Sub-block-I and Sub-block-II

West-Bokaro Coalfield

Distt. Hazaribagh

Bihar

Drg. No. Rev/55/80

Dt. 2-8-80

(Showing lands notified for prospecting).

Sub-Block-I

S. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1. Mandu	Mandu	114		Hazaribagh		Part
2. Kekebasaudi	-do-	115		-do-		Part
3. Kasikhap	-do-	123		-do-		Part
4. Kerebanda	-do-	124		-do-		Part
5. Topa	-do-	126		-do-		Part
6. Banwar	-do-	127		-do-		Part
Total area :—						
or						
1960.00 acres (approximately)						
or						
793.17 hectares (approximately)						

Boundary description :

A—B line passes through village Mandu.

B—C line passes along the part eastern boundary of Village Semra.

C—D line passes along the part common boundary of villages Semra and Kerebanda.

D—E line passes through villages Kerebanda, Kasikhap & Topa.

E—F line passes through village Banwar.

F—G line passes through villages Banwar & Kasikhap (which forms part common boundary with Kuju Colliery).

G—H line passes along the part common boundary of villages Kasikhap & Hesagora (which forms part common boundary with Hesagora Colliery).

H—I line passes along the part common boundary of villages Hesagora & Mandu (which forms part common boundary with Hesagora Colliery).

I—J—K lines pass through villages Mandu and Kekebasardi (which forms common boundary with Pundi Block acquired u/s 9(1) of the Coal Act).

K—A line passes through villages Kekebasaudi and Mandu and meets at starting point 'A'.

Sub-Block-II

Serial Number	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1. Kuju		Mandu	154	Hazaribagh		Part
2. Pokharia		-do-	121	-do-		Part
Total area :—			95.00 acres (approximately)			
or			38.44 hectares (approximately)			

Boundary description :—

M—N line passes through village Kuju (which forms common boundary with Kuju Colliery).

N—O—P lines pass through villages Kuju and Pokharia (which forms part common boundary with Murpa Colliery).

P—Q line passes along the part common boundary of villages Ara and Pokharia.

Q—R line passes along the Central line of the River (which forms common boundary of villages Pokharia & Bongahara).

R—M line passes along the part central line of the River (which forms part common boundary of villages Kuju & Hesagara and also along part Hesagara Colliery boundary) and meets at starting point 'M'.

[No. 19/2/83—CL]

Samay Singh, Under Secty.

**इस्पात और साम भवानीय
(साम विवरण)**

नई शिल्पी, 4 जून, 1983.

का० आ० 2580 — केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिकारी की बेवज्हाई) अधितियक- 1971 (1971 का 40) वी धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दी गई सारणी के स्थान (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के समतुल्य ऐक का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोगनों के लिए सम्बद्ध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्थान (2) में (4) में विविरिट सरकारी स्थानों के सम्बन्ध में अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्बद्ध अधिकारी द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और उस पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का प्रशासनिक त्रैम से सरकारी स्थानों के प्रबंग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएँ

प्लाट में	लोकपल (एकड़ में)
-----------	------------------

1	2	3	4
ग्राम पिरगा,	तहसील	जेंगूल	जिला धेनका-
			नल

सहायक प्रशासनिक
प्रबंधक, स्पेल्टर 1 1712 0.18
प्लाट, नेशनल 2 1711 0.60
एस्ट्रुमिनियम 3 2400 0.16
कम्पनी लिमि- 1 2451 1.20
टेल, अंगूल जि- 5 2402 0.12

1	2	3	4
सा धेनकानल,	6	1661	1.05
उडीसा	7	2622	1.81
	8	2606	0.28
	9	2608	0.56
	10	2605	0.29
	11	2607	0.66
	12	2439	0.08
	13	1688	0.24
	14	2440	0.08
	15	1687	0.40
	16	1720	0.08
	17	1720	0.05
	18	2469	0.36
	19	2438	0.11
	20	2458	0.73
	21	2637	0.40
	22	1716	0.06
	23	2635	0.25
	24	2623	2.26
	25	1690	0.38
	26	1721	0.06
	27	1729	0.04
	28	1719	0.06
	29	2585	0.13
	30	2583	0.24
	31	2611	0.33
	32	2610	0.33
	33	2613	0.55
	34	2612	0.55

1	2	3	4	1	2	3	4
35	2604	0.15		69	2441	0.45	
36	2603	0.13		90	1708	0.11	
37	2601	0.10		91	1717	0.17	
38	2602	0.12		92	1707	0.23	
39	2619	0.26		93	2437	0.94	
40	2618	0.15		94	2709	0.54	
41	2617	0.37		95	2436	0.44	
42	2616	0.14		96	1710	0.21	
43	2615	0.25		97	2406/1	0.09	
44	2614	0.15		98	2609	1.47	
45	1701	0.11		99	1713	0.82	
46	1700	0.08		100	2435	1.39	
47	1699	0.10		101	2423/1	0.02	
48	1698	0.66		102	2453	0.06	
49	1697	0.10		103	2452	1.32	
50	1695	0.13		104	2424/1	0.22	
51	1696	0.17		105	2445	0.31	
52	1691	0.08		106	2446	0.26	
53	1692	0.36		107	2448	0.51	
54	1693	0.08		108	2449	0.08	
55	1694	0.15		109	2450	0.23	
56	1689	0.28		110	1451	0.08	
57	1688	0.28		111	1447	0.28	
58	1687	0.16		112	2425	0.15	
59	1686	0.24		113	2426	0.11	
60	1670	0.31		114	2427	0.14	
61	1671	0.46		115	2428	0.18	
62	1669	0.38		116	2429	0.10	
63	1672	0.28		117	2430	0.16	
64	1673	0.04		118	2431	0.09	
65	1674	0.15		119	2432	0.08	
66	1676	0.04		120	2433	0.08	
67	1677	0.04		121	2434	0.08	
68	1678	0.09		122	2443	0.30	
69	1684	0.24		123	2444	0.30	
70	1685	0.16		124	2423	0.40	
71	1675	0.08		125	1727	0.07	
72	2621	1.43		126	2600	0.29	
73	2620	0.23		127	2629	0.24	
74	2632	0.16		128	2634	0.22	
75	2633	0.30		129	1722	0.04	
76	2631	0.25		130	1724	0.04	
77	1703	0.55		131	2594	0.13	
78	2442	1.22		132	2597	0.27	
79	2455	0.27		133	2599	0.26	
80	1718	0.48		134	2593	0.07	
81	1714	0.13		135	2592	0.08	
82	1729/2698	0.01		136	2595	0.16	
83	1725	0.07		137	2587	0.32	
84	1723	0.08		138	1505/2928	0.28	
85	2404/1	0.28		139	1706	0.12	
86	2403	0.12		140	1705	0.65	
87	1704	0.46		141	1682	0.04	
88	2584/2793	0.30		142	1683	0.67	
				143	1505/2926	0.28	

1	2	3	4	1	2	3	4
144	2590	0.40		14	2415	0.32	
145	2589	0.37		15	2417	1.64	
146	2588	0.30		16	2418	0.54	
147	2596	0.16		17	2409	0.45	
148	2591	0.29		18	2410	0.31	
149	2593/2880	0.24		19	2412	0.19	
150	2587/2876	0.08		20	2413	0.08	
151	2581	0.22		21	2414	0.05	
152	2598	0.40		22	2415	0.24	
153	2583	0.20		23	2453	0.14	
154	2630	0.15		24	2454	0.75	
155	2628	0.17		25	2427	0.31	
156	2627	0.14		26	2428	0.39	
157	2626	0.14		27	2443	0.62	
158	2625	0.13		28	2444	0.57	
159	2624	0.13		29	2419	0.49	
160	2669/2848	0.20		30	2421	0.24	
161	2470/1	0.10		31	2423	0.24	
162	1690/2717	0.20		32	2420	0.47	
163	1702	0.21		33	2422	0.25	
164	1685/1	0.10		34	2424	0.29	
165	1505/2890	0.74		35	2431	0.41	
166	1505/2863	0.12		36	2432	0.21	
167	1661/2889	0.30		37	2435	0.55	
168	2614/2820	0.28		38	2441	0.02	
169	2579	0.21		39	2445	0.42	
170	2580	0.54		40	2446	0.08	
171	1715	0.13		41	2450	0.23	
172	2584	0.30		42	2451	0.37	
173	2638	0.16		43	2433	0.48	
	जोड़	51.13		44	2438	0.13	
	गोचर भूमि			45	2449	0.50	
174	2457	3.74		46	2439	0.29	
175	2456	0.14		47	2440	0.15	
176	2401	0.04			जोड़	17.97	
	जोड़	3.93		प्राप्त करुणा,	तहसील	अंगुल,	जिला बेनकामल
	कुल जोड़	55.05			1	3821	1.25
1	2436	0.20		2	3820	0.80	
2	2437	0.34		3	3819	0.08	
3	2442	0.27		4	3819/1	0.70	
4	2429	0.40		5	3820/1	0.78	
5	2430	0.61			जोड़	10.81	
6	2407	1.10		प्राप्त गोपीनाथपुर, तहसील अंगुल, जिला बेनकामल			
7	2408	0.10		1	992	0.48	
8	2434	0.51		2	984	0.48	
9	2447	0.19		3	983	0.20	
10	2448	0.37		4	980	3.84	
11	2452	0.27		5	1013	1.20	
12	2426	0.23		6	987	0.22	
13	2411	0.73		7	986	1.20	

1	2	3	4	1	2	3	4
8	985		1.98	49	427		0.61
9	979		1.23	50	428		0.19
10	1012		0.20	51	425		2.56
				52	426		0.98
				53	457		0.36
				54	969		0.34
				55	971		0.23
ग्राम शुलाव	तहसील	ज़ंगुला	जिला	घोटकानन			
1	464		0.12		56	444	0.49
2	465		0.12		57	449	0.50
3	309		0.06		58	445	0.37
4	466		0.15		59	448	0.50
5	2065		1.71		60	450	0.99
6	2066		0.18		61	451	0.68
7	1001		0.15		62	452	0.59
8	1002		0.11		63	453	0.31
9	1003		0.12		64	456	0.38
10	1004		0.11		65	457	0.31
11	1006		0.28		66	458	0.98
12	1013		0.03		67	942/1	2.20
13	1018		0.16		68	956	0.12
14	1019		0.13		69	1733	1.08
15	1020		0.11		70	1736	1.02
16	1021		0.41		71	955	0.15
17	1022		0.17		72	1747	2.20
18	1023		0.17		73	1748	2.08
19	1024		0.13		74	1745	2.06
20	1025		0.10		75	1744	0.56
21	1026		0.13		76	1743	0.59
22	1029		0.67		77	1742	0.89
23	1030		0.20		78	2112/1	0.42
24	1767		0.77		79	2124/1	0.02
25	1768		0.33		80	1980	1.15
26	1770		0.35		81	1868	0.09
27	1769		0.34		82	1717	0.48
28	1786		0.49		83	1720	1.22
29	1795		0.20		84	1569/1	1.16
30	1791		0.15		85	1722	2.78
31	1061		0.17		86	1037/1	0.04
32	1062/1		0.02		87	1036	0.25
33	1790		0.16		88	1040	0.31
34	1798		0.14		89	1039/1	1.10
35	1788		0.13		90	1038/1	0.05
36	1796		0.15		91	813	1.09
37	1797		0.19		92	1057	0.35
38	1798		0.21		93	1056	1.15
39	1811		0.06		94	1058	0.10
40	1817		0.22		95	1621	1.08
41	1818		0.36		96	1622	0.39
42	1819		0.44		97	1624	0.28
43	1820		0.14		98	1613	0.19
44	1821		0.44		99	1814	0.39
45	1843		0.12		100	1815	0.56
46	1844		0.10		101	429	0.86
47	1845		0.09		102	1922	0.38
48	1846		0.12		103	1905	0.15

1	2	3	4	1	2	3	4
104	1906	0.74		159	1043	0.19	
105	1750	1.14		160	1841	0.15	
106	1751	1.10		161	1824	0.15	
107	1752	1.26		162	1826	0.11	
108	1753	1.47		163	1827	0.08	
109	1754	3.36		164	1828	0.42	
110	1755	0.31		165	1829	0.10	
111	1756	0.28		166	1630	0.15	
112	1757	0.28		167	1831	0.31	
113	1758	0.25		168	1832	0.09	
114	271/1	0.15		169	1833	0.56	
115	951	0.25		170	1834	0.41	
116	454	0.90		171	1835	0.16	
117	953	0.27		172	1836	0.09	
118	944	0.21		173	1837	0.28	
119	945	0.21		174	1839	0.14	
120	3415	0.05		175	1840	0.21	
121	3417	0.09		176	1851	0.18	
122	3418	0.34		177	1852	0.10	
123	3419	0.31		178	1853	0.05	
124	3420	0.53		179	1854	0.12	
125	3421	0.04		180	1855	0.19	
126	3422	0.40		181	1856	0.20	
127	3424	0.21		182	1857	0.32	
128	2029	0.15		183	2107	0.12	
129	2030	0.16		184	2113	0.21	
130	2031	0.44		185	2114	0.11	
131	2032	0.12		186	2115	0.10	
132	2035	0.32		187	2116	0.12	
133	2037	0.62		188	2118	0.12	
134	2041	0.15		189	2119	0.14	
135	2027	2.58		190	2120	0.32	
136	3413	0.21		191	2121	0.28	
137	1603	0.11		192	2122	0.09	
138	1907	1.08		193	964	0.62	
139	311/1	0.06		194	965	0.05	
140	1806	0.36		195	966	0.27	
141	1973	0.39		196	977	0.30	
142	1049/1	0.03		197	978	0.34	
143	1641	2.56		198	1990/1	0.63	
144	960	0.60		199	1982	0.90	
145	1008/1	0.65		200	377	1.43	
146	1637	0.90		201	1096	0.30	
147	985	0.50		202	1095	0.05	
148	1983	0.77		203	1094/1	0.05	
149	1984/1	0.18		204	446	1.00	
150	1988/1	0.01		205	943	0.14	
151	1044/1	0.11		206	1568/1	0.30	
152	962	0.79		207	394/1	0.10	
153	968	0.12		208	378	0.22	
154	981	0.61		209	466/1	0.85	
155	1672	1.58		210	405/1	0.03	
156	1673	0.07		211	1847	0.48	
157	1741	0.56		212	1661/3635/1	1.12	
158	1788	0.68		213	1660/1	1.10	
				214	353	0.4 1	

1	2	3	4	1	2	3	4
	215	1653	0.25		270	2044	0.16
	216	423	0.35		271	2046	0.12
	217	3402/1	0.04		272	2047	0.04
	218	3407/1	0.05		273	2049	0.11
	219	3408/1	0.23		274	2050	0.08
	220	3409	0.12		275	2051	0.09
	221	3410	0.08		276	2052	0.12
	222	3411/1	0.32		277	2054	0.08
	223	1730	0.66		278	2055	0.21
	224	937	0.18		279	2056	0.02
	225	936/1	0.05		280	2057	0.16
	226	1774/1	1.80		281	2058	0.06
	227	1777	0.15		282	2059	0.08
	228	1966	0.70		283	2061	0.14
	229	1967	0.29		284	2062	0.21
	230	1969	1.03		285	2063	0.20
	231	1955	0.13		286	2064	0.46
	232	1807	0.06		287	1921	0.54
	233	1721	0.84		288	1874	0.10
	234	1046/1	0.01		289	1748	3.58
	235	2021	0.06		290	475	0.19
	236	2023	0.06		291	1614	1.18
	237	2049	0.13		292	595	1.26
	238	2036	0.02		293	437	0.63
	239	1943	0.10		294	1625	0.43
	240	1933	0.07		295	1596/1	0.83
	241	1934	0.48		296	1818	0.64
	242	1935	0.09		297	1872	2.00
	243	1936	0.32		298	1850	0.29
	244	1932	0.06		299	1849	0.81
	245	1937	0.07		300	1849	0.07
	246	1938	0.13		301	1873/1	0.80
	247	1886	0.36		302	1734	1.16
	248	1887	0.12		303	1813	0.62
	249	1888	0.13		304	1980	0.13
	250	1889	0.08		305	1099/1	0.06
	251	1890	0.20		306	1098/1	0.15
	252	1891	0.22		307	259	1.52
	253	1892	0.40		308	258	0.33
	254	1930	0.04		309	1030/3806	0.05
	255	1931	0.05		310	151	0.80
	256	1923	0.56		311	1585	0.15
	257	1920	0.60		312	1699	0.62
	258	1919	0.10		313	150/1	0.43
	259	2013	0.10		314	1701	0.65
	260	2014	0.08		315	1700	0.34
	261	2015	0.09		316	1696	0.29
	262	2025	0.06		317	149/1	0.41
	263	2016	0.09		318	1701	0.33
	264	2017	0.11		319	1705	0.09
	265	2018	0.15		320	463	0.71
	266	2019	0.07		321	463/3607	0.27
	267	2020	0.10		322	1976	0.53
	268	2022	0.10		323	1981	0.76
	269	2043	0.13		324	1076/1620	0.53

1	2	3	4	1	2	3	4
	325	1977	0 51		380	152/1	1 26
	326	1996/1	1 78		381	1697	0 19
	327	1978	0 56		382	2123	0 24
	328	1979	0 97		383	1698/3617	1 15
	329	1992	0 93		384	1690	1 32
	330	1991/1	0 72		385	263	0 56
	331	1998/1	0 26		386	472	0 39
	332	1994	0 46		387	1626	0 50
	333	1997	1 61		388	1628	0 77
	334	1658	1 12		389	1635	0 42
	335	379	0 19		390	265	0 99
	336	2007	0 19		391	947	2 37
	337	2011	0 67		392	948	0 07
	338	2007/3841	0 22		393	447	0 69
	339	1712	0 59		394	952	0 27
	340	1643	0 20		395	954	0 18
	341	1647	0 52		396	1805	0 38
	342	1648	0 07		397	1810	0 10
	343	1655	0 10		398	1875/1	2 38
	344	421	0 21		399	2108/1	0 08
	345	420	0 24		400	1881	0 49
	346	970	0 31		401	1882	0 10
	347	971	0 06		402	1671	3 08
	348	1602	0 10		403	357/1671	0 72
	349	1716	1 21		404	264	0 28
	350	1646	0 31		405	471	0 35
	351	1645	0 30		406	362	2 21
	352	1644	0 29		407	1627	0 54
	353	1869	0 12		408	1803	1 06
	354	1870	0 46		409	1804	0 10
	355	1871	0 23		410	1737	0 56
	356	1779	0 19		411	1634	0 43
	357	1773	1 03		412	1597	0 50
	358	1961	0 24		413	1723	1 19
	359	1970	0 32		414	1673/3709	1 45
	360	1971	0 15		415	439	0 19
	361	1773/3618	0 98		416	440	0 33
	362	1957/3619	0 39		417	974	0 13
	363	1950	0 20		418	973	0 13
	364	1951	0 16		419	975	0 15
	365	260	1 06		420	976	0 32
	366	1033	0 33		421	980	0 67
	367	371	0 11		422	1592/1	0 02
	368	372	0 08		423	1593/1	0 11
	369	373	0 48		424	1763	1 05
	370	414	0 50		425	1765	1 43
	371	433	0 90		426	1639	0 30
	372	415	0 17		427	1640	0 24
	373	116	0 22		428	1636	0 57
	374	1725/1	0 25		429	1638	0 39
	375	1761	0 25		430	1642	0 67
	376	1759	1 75		431	1999/1	0 05
	377	432	0 32		432	1032	0 28
	378	364	0 38		433	1732	0 84
	379	365	1 71				

1	2	3	4	1	2	3	4
	434	370	0.17		488	1677	0.45
	435	1724	3.61		489	1684	0.25
	436	358	0.25		490	1678	0.45
	437	575/1	0.20		491	1688	0.32
	438	360	1.19		492	381	0.21
	439	469	0.71		493	1659	0.37
	440	694/1	1.67		494	1772	1.48
	441	481	1.08		495	1960	0.79
	442	359	0.19		496	1965	0.56
	443	367	0.60		497	1954	0.30
	444	388	0.23		498	1944	0.13
	445	369	0.24		499	1719	1.67
	446	1718	1.52		500	1776	1.53
	447	573/1	0.08		501	468	0.59
	448	597/1	0.13		502	473	0.12
	449	600/1	0.18		503	474	0.10
	450	1703	0.18		504	462	2.60
	451	1679	0.48		505	459	2.07
	452	4179	0.10		506	1711	1.19
	453	1715	0.84		507	1808	0.70
	454	1649	0.28		508	2008	0.45
	455	1650	0.06		509	2010/1	0.70
	456	1651	0.12		510	938/1	1.08
	457	251	0.54		511	1692	0.65
	458	253	0.73		512	1693	0.89
	459	257	1.40		513	1702	0.71
	460	476	0.18		514	1949	0.28
	461	252/1	1.31		515	1775	2.23
	462	249/1	0.20		516	2012	0.66
	463	1059/1	1.06		517	2009/1	1.20
	464	1060	0.39		518	398/1	1.00
	465	154	0.35		519	1612	0.44
	466	185/1	0.16		520	1615	0.46
	467	411	0.87		521	1617	0.24
	468	1680	0.27		522	1608	0.44
	469	365/3719	0.55		523	1610	0.39
	470	1771	2.07		524	1616	0.29
	471	1962	0.30		525	396	0.71
	472	1968	0.30		526	1667	1.15
	473	1969	0.31		527	250/1	0.91
	474	1958	0.94		528	361	0.17
	475	1956	0.28		529	366	0.42
	476	1778	0.20		530	383	0.17
	477	1690	0.19		531	397	0.50
	478	1675	0.20		532	407	0.84
	479	419	0.42		533	409	0.68
	480	1600	0.23		534	949	0.99
	481	418	0.54		535	438	0.32
	482	1713	0.58		536	376	0.65
	483	1749	1.85		537	958	0.31
	484	430	0.85		538	959	0.25
	485	431	0.24		539	963	0.12
	486	1681	0.35		540	950	0.16
	487	1686	0.15				

1	2	3	4	1	2	3	4
541	455	1 20		595	1911	0 43	
542	940/1	0 20		596	1928	0 02	
543	1735	0 76		597	1948	0 20	
544	1881	2 04		598	1912	0 20	
545	1882	0 81		599	1915	0 18	
546	424	0 44		600	1917	0 23	
547	1000	0 44		601	1901	0 15	
548	1007	0 31		602	1920	0 70	
549	1015	0 72		603	2070/1	0 20	
550	1792	0 58		604	1654	0 14	
551	1027	0 47		605	422	0 06	
552	1028	0 89		606	1599	0 34	
553	1031	0 12		607	382	0 14	
554	1034	0 85		608	1799	1 63	
555	1794	0 60		609	1762	1 89	
556	1787	0 51		610	1800	1 77	
557	986	0 43		611	477	0 51	
558	983	0 19		612	2005	0 79	
559	982	0 18		613	1781	5 56	
560	984	0 44		614	1782	0 13	
561	987	0 33		615	1783	0 46	
562	986	0 13		616	1766	1 21	
563	989	0 11		617	1598	0 28	
564	990	0 12		618	380	0 14	
565	992	0 20		619	395/1	0 08	
566	993	0.00		620	395	0 15	
567	994	0 .21		621	384	0 28	
568	995	0 16		622	408	0 92	
569	996	0 18		623	374	0 96	
570	998	0 06		624	375	0 52	
571	1041	0 21		625	460	2 40	
572	1054	0 19		626	467	0 45	
573	1053	0 20		627	147	0 06	
574	1052	0 11		628	442	0 14	
575	1050	0 19		629	435	0 21	
576	1633	0 20		630	436	0 17	
577	1631	0 21		631	443	0 12	
578	1929	0 01		632	1739	0 62	
579	1908	0 07		633	1740	0 56	
580	1940	0 06		634	352	0 04	
581	1914	0 29		635	386/1	0 15	
582	1927	0 04		636	410	3 99	
583	1942	0 10		637	266	0 84	
584	1947	0 06		638	267/1	0 41	
585	1595	0 48		639	1009	0 33	
586	3406/1	0 05		640	1785	1 35	
587	566/1	0 02		641	1012	1 16	
588	1924	0 57		642	1014	0 24	
589	1926	0 04		643	1005	0 60	
590	1875/1	0 26		644	1016	0 59	
591	1876	0 11		645	1035	0 25	
592	1877/1	0 32		646	1594	0 69	
593	1978/1	0 43		647	1793	0 58	
594	1910	0 20		648	350/1	0 03	
				649	1010	0 54	

1	2	3	4	1	2	3	4
650	1011	0.41		702	1780	0.25	
651	1017	0.03		703	355/3721	0.77	
652	574/1	0.08		704	1818/3759	0.05	
653	592/1	0.17		705	3414	0.25	
654	596/1	0.05		706	3416	0.19	
655	598/1	0.02		707	3423	0.59	
656	601/1	0.01		708	3415/3732	0.06	
657	1013	0.10		709	2040	0.14	
658	1916	0.22		710	2038	0.75	
659	1939	0.04		711	2036	0.05	
660	1925	0.07		712	2034	0.48	
661	1904	0.41		713	2028	9.46	
662	1945	0.05		714	2033	0.14	
663	1946	0.07		715	1996/3710/1	0.13	
664	1941	0.07		716	1605	0.29	
665	2045	0.07		717	1822	1.08	
666	2060	0.10		718	1607/3842	0.08	
667	2024	0.05		719	1606	0.12	
668	355	0.14		720	1607	1.26	
669	1726/1	3.00		721	1100	0.29	
670	1384	0.17		722	1097	0.17	
671	1885	0.15		723	148/1	4.32	
672	1883	0.29		724	269/1	1.75	
673	354	3.67		725	262	4.82	
674	1895	0.02		726	268	0.94	
675	1896	0.06		727	363	1.42	
676	1897	0.08		728	941	1.64	
677	1898	0.08		729	961	0.74	
678	1793/3718	0.40		730	991	5.16	
679	357	0.47		731	308/1	1.30	
680	2011/3712	0.34		732	478/1	0.48	
681	582/1	0.13		733	307/1	0.41	
682	583/1	0.10		734	1689	0.20	
683	261	0.85		735	1811/3739	0.20	
684	470	1.38		736	1676	0.18	
685	1998/1	0.27		737	1683	0.28	
686	355/3720	0.89		738	1685	2.33	
687	356	0.10		739	1691	1.09	
688	310/3722	0.24		740	1706	0.23	
689	1619	0.30		741	1748/3743	3.72	
690	1618	0.10		742	1963	1.17	
691	1604	0.13		743	1993	0.78	
692	1601	0.16		744	310	0.79	
693	381/1	0.25		745	1957	0.94	
694	1859	0.14		746	1723/3757	3.00	
695	1102	0.28		747	1893	0.15	
696	1103/1	0.11		748	1894	0.13	
697	2117/3681	0.04		749	999	0.19	
698	1607/3802	0.18		750	1043	0.19	
699	1820/3758	0.16		751	2117/1	0.03	
700	434	0.51		752	1687	0.44	
701	1748/3843	2.06		753	1729/1	0.05	
				754	1051	0.13	
				755	312/1	0.05	

1	2	3	4	1	2	3	4
	756	1606/3774	0.40		17	4822	0.08
	757	1731	0.79		18	4820	0.34
	758	1723/3814	2.00		19	4823	0.12
	759	3346/3777	0.08		20	4807	0.13
	760	1809	0.12		21	4808	0.12
	761	152/3702	1.00		22	4809	0.13
	762	967	0.11		23	4810	0.43
	763	1766/3787	0.58		24	4857	2.14
	764	1598/3781	0.24		25	4861/1	0.30
	765	1721/3803	1.20		26	4900	0.23
	766	2007/3815	0.10		27	5089	0.08
	767	1807/3817	0.13		28	5094	0.26
	768	412	0.82		29	5098	0.47
	769	1723/3819	1.50		30	4899/1	0.03
	770	412/3822	0.11		31	4832	0.59
	771	2067	0.46		32	4909/1	0.85
	772	1898	0.40		33	4885	0.15
	773	1918	0.50		34	4895/6867	0.12
	774	1900	0.37		35	4894/1	0.22
	775	424/3857	0.36		36	5095	0.07
	776	352/3747	0.12		37	5096	0.17
	777	1670/1	0.70		38	4826	0.10
	778	1014/3700	0.18		39	4827	0.03
	779	3415/3732	0.06		40	4828	0.05
	780	3363/3726	0.13		41	4829	0.06
	781	441/4656	0.07		42	4830	0.06
	782	2004	0.10		43	4831	0.20
	783	1972	1.84		44	4835	0.19
	784	1974	0.55		45	4837	0.18
	785	1858	0.13		46	4838	0.26
	786	1714	0.56		47	4839	0.22
	787	997	0.09		48	5104	1.04
	788	593	0.18		49	4862	0.50
गोमर भूमि					50	4863	0.10
789	287	22.98			51	4864/1	0.13
790	1710	27.35			52	4884/1	0.16
	जोड़	450.81			53	4886	0.51
					54	4887	0.99
					55	4848	1.56
प्राय	केवरा	बहसील झंगुल	जिस। बेगानाल		56	4818	0.62
1		4845	0.97		57	4833	0.41
2		5073	0.22		58	4890	0.04
3		5072	0.92		59	4891	0.12
4		5101	1.24		60	4892	0.15
5		4841	1.08		61	4893	0.04
6		4888	0.27		62	4902	0.05
7		4889	0.48		63	4903	0.03
8		4904	0.45		64	5123	0.75
9		4905	0.15		65	4851	0.36
10		4907	0.40		66	4852	0.32
11		4814	0.21		67	4854	0.20
12		4815	0.30		68	4855	0.33
13		4816	0.20		69	4856	0.28
14		4824	0.25		70	5159/1	0.80
15		4825	0.25		71	5118	0.30
16		4840	0.25				

1	2	3	4	1	2	3	4
			-		11	233	1.16
72	5121		0.07		15	234	0.90
73	5119		0.28		16	129	0.20
74	5120		0.29		17	130	0.08
75	4847		1.62		18	131	0.09
76	5078		0.06		19	132	0.10
77	5080		0.24		20	123/2997	0.01
78	5081		0.13		21	224	2.11
79	5082		0.56		22	255	0.22
80	5083		0.57		23	226	0.15
81	5084		0.18		24	276	1.07
82	5086		0.13		25	169	1.06
83	5087		1.00		26	157	1.09
84	5088		0.69		27	3	1.22
85	5074		0.24		28	300	0.04
86	5090		0.52		29	79	0.35
87	5091		0.10		30	290	0.39
88	5092		0.18		31	293	0.32
89	5093		0.52		32	298	0.04
90	4817		0.77		33	105	0.21
91	5099		0.42		34	105/2991	0.03
92	5100		0.29		35	261	0.06
93	5019/6607		0.20		36	4	0.25
94	4895		0.09		37	5	0.23
95	4853		0.29		38	27	0.58
96	5117		0.22		39	28	0.56
97	5122/1		0.52		40	29	0.32
98	4813/1		0.75		41	30	0.07
99	4813/2		2.28		42	31	0.11
100	4844		0.57		43	53	0.81
101	4850		4.21		44	52	0.64
102	4812/1		0.41		45	51	0.15
103	4858		2.25		46	50	0.13
104	5077/1		0.15		47	48	0.75
105	5079		0.10		48	49	0.16
106	4834		0.51		49	47	0.12
107	7156/7157		4.80		50	46	0.13
108	5111/7156/7180		5.00		51	45	0.10
109	4819		0.71		52	44	0.75
110	4819/6525		0.45		53	44/2630	0.18
111	4811		0.78		54	72	0.34
112	5124/1		0.50		55	73	0.32
113	5125		0.26		56	74	0.08
114	5112/6721		0.28		57	76	0.08
प्राप्ति निर्देश		तहसील धर्मगढ़	जिला विभाग		58	78	0.16
1	286/2671		0.40		59	90	0.88
2	116		0.82		60	93	0.81
3	143		0.29		115	5112/1	0.53
4	252		0.03		116	5109	0.54
5	143/3003		0.09		117	5110	0.58
6	170		1.35		118	5126/1	0.39
7	170/2912		1.12		119	5115	0.37
8	273		1.05		120	5116	0.20
9	257		2.14		121	5116/6886	0.25
10	258		0.10		122	4898/1	0.02
11	230		0.78				
12	231		0.22				
13	232		0.64				
					जोड़		62.98

1	2	3	4	1	2	3	4
61	94		1.20	114	207	0.90	
62	95		1.47	115	209	0.39	
63	103		0.28	116	210	0.22	
64	103/2990		0.08	117	303	2.03	
65	43		0.21	118	211	0.08	
66	154		0.62	119	213	0.17	
67	143		1.83	120	281	0.19	
68	242		1.46	121	282	0.24	
69	235		0.49	122	218	0.04	
70	256		0.83	123	32	0.10	
71	128		0.65	124	33	0.13	
72	128/2970		0.48	125	125	0.12	
73	128/2998		0.20	126	125/3013	0.13	
74	269		0.26	127	125/3012	0.16	
75	236		0.16	128	144	0.21	
76	237		0.22	129	146	0.23	
77	140		0.54	130	313	0.15	
78	141/3001		0.02	131	122	0.41	
79	740/2002		0.03	132	121	0.38	
80	141		0.10	133	248	0.06	
81	138		0.17	134	145	0.44	
82	115		0.60	135	145/3004	0.01	
83	114		1.25	136	246	0.05	
84	98		0.74	137	245	0.23	
85	221		0.19	138	268	0.18	
86	222		0.47	139	272	0.27	
87	274		0.23	140	291	0.28	
88	275		2.19	141	292	0.40	
89	278		0.38	142	104	0.45	
90	283		0.32	143	250	0.14	
91	284		0.31	144	102	0.54	
92	285		0.44	145	102/298/9	0.05	
93	70/1		0.85	146	120	0.45	
94	304		1.73	147	239	1.25	
95	187		0.45	148	120/2995	0.23	
96	203		0.22	149	107	0.19	
97	280		0.42	150	251	0.10	
98	113		1.38	151	110/2994	0.18	
99	244		6.30	152	110	0.25	
100	137		0.09	153	110/2994	1.21	
101	137/2999		0.24	154	35	0.45	
102	264		0.29	155	206	0.50	
103	266		0.24	156	92	1.00	
104	96		1.12	157	82	0.41	
105	229		0.80	158	83	1.93	
106	147		0.20	159	84	1.04	
107	148		2.29	160	85	1.40	
108	148/3006		0.10	161	86	2.35	
109	147/3005		0.17	162	87	1.42	
110	178		0.40	163	89	2.45	
111	179		0.44	164	89	1.35	
112	180		0.70	165	277	0.41	
113	181		0.70	166	69	0.81	
				167	171	0.24	

1	2	3	4	1	2	3	4
168	173	0.44		227	123	0.38	
169	674	0.38		228	6	0.36	
170	175	0.13		229	156	1.00	
171	176	0.2		230	235/2763	0.42	
172	177	0.35		231	113/2785	0.32	
173	279	0.21		232	154/2719	0.23	
174	262	1.11		233	156	0.63	
175	204	0.32		234	155	0.55	
176	205	0.56		235	108	0.18	
177	208	0.11		236	108/2993	0.20	
178	214	0.30		237	185/2748	0.44	
179	216	0.08		238	185	0.52	
180	327	0.15		239	109	0.12	
181	213/2670	0.10		240	111	0.42	
182	219	0.12		241	105/2817	0.05	
183	220	0.27		242	106/2764	0.21	
184	289	1.05		243	142/2765	0.24	
185	100	0.12		244	134	1.28	
186	101	0.11		245	109/2780	0.14	
187	101/2988	0.01		246	182	1.13	
188	77	0.35		247	183	0.44	
189	270	0.06		248	184	0.39	
190	294	0.07		249	154/2720	0.12	
191	296	0.60		250	109/2781	0.18	
192	277	0.81		251	313/2786	0.12	
193	295	0.15		252	68	0.38	
194	267	0.22		253	126	1.26	
195	36	0.28		254	182/2850	0.50	
196	37	0.26		255	183/2851	0.24	
197	38	0.28		256	184/2852	0.14	
198	41	0.59		257	137/2885	0.24	
199	39	0.63		258	137/2886/3010	0.05	
200	106	0.43		259	137/2886	0.17	
201	127	0.34		260	137/2888	0.60	
202	71	0.19		261	124	0.21	
203	35	0.60		262	170/2911	0.26	
204	188	0.32		263	170/2910	0.28	
205	190	0.05		264	133	0.17	
206	191	0.08		265	128/2987	0.56	
207	192	0.35		266	271	0.19	
208	195	0.49		267	100/2986	0.36	
209	196	0.12		268	158	0.86	
210	197	1.38		269	186/3030	4.44	
211	199	0.58		270	161	0.58	
212	200	0.71		271	163	0.18	
213	201	0.61		272	164	0.17	
214	99	0.88		273	166	0.26	
215	112	1.35		274	168	0.83	
216	193	0.36		275	159	0.10	
217	198	0.60		276	80	0.86	
218	119	0.34		277	149	0.10	
219	42	1.28		278	145/3007	0.23	
220	35/2659	1.41		279	172	0.83	
221	312	0.02		280	97	0.49	
222	97/2719	0.64		281	75	0.98	
223	66	0.22					
224	67	0.39					
225	103/271	0.25					
226	66/2745	0.17					

1	2	3'	4	(1)	(2)	(3)	(4)
282	248		0.09	19	112/159	0.25	
283	212		0.10	20	59	0.42	
284	215		0.06	21	14	0.30	
285	217		0.41	22	92	1.78	
286	138/3008		0.25	23	56	0.32	
287	138		0.12	24	33	0.10	
288	142		0.78	25	32	0.35	
289	240		0.65	26	114	0.36	
290	253		0.29	27	77	0.50	
291	151		0.40	28	123	0.51	
292	150/2879		0.57	29	54	0.32	
293	2879/3009		0.11	30	29	0.05	
294	167		0.24	31	30	2.20	
295	2		0.94	32	57	0.66	
296	160		0.33	33	37	0.30	
297	149/2769		0.36	34	21	0.16	
298	104/2757		0.20	35	80	0.24	
299	299		0.05	36	134	1.80	
300	150		0.10	37	126	1.27	
301	150/3008		0.06	38	67	1.04	
302	162		0.02	39	27	0.32	
303	165		0.26	40	88	0.28	
				41	115	0.40	
	जोड़		148.81	42	52	0.60	
				43	66	0.59	
				44	8	0.24	
				45	95	5.93	
304	228		5.00	46	4/121	0.74	
305	241		0.93	47	122	7.08	
306	265		0.20	48	121/160	0.08	
307	302		5.68	49	43	0.23	
				50	42	0.35	
	जोड़		11.81	51	82	1.75	
				52	40	0.32	
	कुल जोड़		160.62	53	26	0.32	
				54	65	2.15	
				55	135	0.97	
				56	135/163	0.67	
1	104		1.11	57	142	3.33	
2	138		4.00	58	139	0.16	
3	19		0.29	59	140	1.05	
4	63		0.12	60	141	0.41	
5	136		1.06	61	11	0.66	
6	150		1.49	62	10	0.39	
7	90		0.17	63	45	0.26	
8	152		0.50	64	157	1.00	
9	119		0.53	65	12	0.18	
10	60		0.63	66	38	0.35	
11	145		1.43	67	148	3.26	
12	144		4.43	68	3	2.14	
13	158		0.89	69	149	3.91	
14	47		0.43	70	62	0.12	
15	17		0.59	71	6	0.45	
16	107		2.51	72	94	0.42	
17	113		6.66	73	147	0.61	
18	112		1.08	74	87	3.69	

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
78	102	0.05		130	76		2.84
76	1	1.04		131	25		0.30
77	4	0.76		132	98		0.45
78	22	0.61		133	97		0.54
79	24	0.04		134	15		0.28
80	69	2.54		135	51		0.28
81	132	1.58		136	34		0.29
82	155	5.78		137	124		0.78
83	79	0.50		138	74		1.70
84	48	0.26		139	153		1.42
85	55	0.32		140	110		2.06
86	61	0.30					
87	154	1.00				जोड़	149.35
88	70	1.45					
89	86	1.05					
90	116	0.18					
91	78	1.55					
			प्रामाणिकता : जिलों द्वारा नियमित (तहसील अंगुल)				
92	156	2.41		1	5		1.01
93	36	0.33		2	3/3670		0.53
94	53	0.34		3	3/3669		0.87
95	20	0.46		4	3/3667		0.81
96	75	0.41		5	3/3668		0.85
97	39	0.32		6	6		0.28
98	123	0.15		7	1		4.40
99	68	0.89		8	2		0.21
100	130	1.92		9	3		0.95
101	133	1.90					
102	85	0.87					9.91
103	146	3.88					
104	9	1.02					
105	91	0.22					
106	118	0.35	प्रामाणिकता	जिला : द्वे नकानल	तहसील : आंगुल		
107	127	2.46					
108	118/161	0.10		1	2123		1.16
109	41	0.28		2	2080		0.39
110	103	2.08		3	2069		0.39
111	72	0.78		4	2112		1.22
112	137	3.14		5	2079/1		0.10
113	5	0.44		6	2074/1		0.05
114	46	0.28		7	2111		0.09
115	117	0.21		8	2075/1		0.05
116	35	0.30		9	2110/1		0.04
117	109	0.49		10	2078/1		0.04
118	73	0.21		11	2119		0.64
119	49	0.14		12	2118		0.62
120	33	0.49		13	2120		0.58
121	48/158	0.08		14	2068/1		0.25
122	100/162	0.22		15	2121		3.67
123	89	0.26		16	2081/1		0.06
124	16	0.33		17	2108/1		0.10
125	50	1.13		18	2115		0.64
126	84	0.67		19	2116		0.42
127	93	0.12		20	2107		0.58
128	16	0.32		21	2114		0.92
129	151	1.54					

1	2	3	4	1	2	3	4
22	2109/1	0.10		18	2469	0.36	
गोवर्नमेंट	जोड़ :	12.12		19	2438	0.11	
				20	2458	0.73	
				21	2637	0.40	
				22	1716	0.06	
				23	2635	0.25	
				24	2623	2.26	
				25	1690	0.38	
				26	1721	0.06	
				27	1729	0.04	
				28	1719	0.06	
				29	2585	0.13	
				30	2582	0.24	
				31	2611	0.32	
				32	2610	0.33	
				33	2613	0.55	
				34	2612	0.55	
				35	2604	0.15	
				36	2603	0.12	
				37	2601	0.10	
				38	2602	0.12	
				39	2619	0.26	
				40	2618	0.15	
				41	2617	0.37	
				42	2616	0.14	
				43	2615	0.25	
				44	2614	0.15	
				45	1701	0.11	
				46	1700	0.08	
				47	1699	0.10	
				48	1698	0.06	
				49	1697	0.10	
				50	1695	0.13	
				51	1696	0.17	
				52	1691	0.08	
				53	1692	0.36	
				54	1693	0.08	
				55	1694	0.15	
				56	1689	0.28	
				57	1668	0.28	
				58	1667	0.16	
				59	1666	0.24	
				60	1670	0.31	
				61	1671	0.46	
				62	1669	0.36	
				63	1672	0.28	
				64	1673	0.04	
				65	1674	0.15	
				66	1676	0.04	
				67	1677	0.04	
				68	1678	0.09	
				69	1664	0.24	
				70	1665	0.16	
				71	1675	0.08	
				72	2621	1.43	

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 4th June, 1983

S.O. 2580.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be an estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officer by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in columns (2) to (4) of the said Table.

TABLE

Designation of the officer	Serial No.	Categories of public premises and local limits of jurisdiction	
		Plot No.	Area (acres)
1	2	3	4
Assistant Village : Giranga, Tahsil : Angul District			
Administrative Manager,		Assistant	Dhenkanal
Smelter Plant,	1	1712	0.18
National	2	1711	0.60
Aluminium Company	3	2400	0.16
Limited,	4	2454	1.20
Angul. Dis- trict : Dhen- kanal,	5	2402	0.12
ORISSA.	6	1661	1.05
	7	2622	1.81
	8	2606	0.28
	9	2608	0.56
	10	2605	0.29
	11	2607	0.66
	12	2439	0.08
	13	1688	0.24
	14	2440	0.08
	15	1687	0.40
	16	1726	0.08
	17	1720	0.05

1	2	3	4	1	2	3	4
	73	2620	0.23		128	2634	0.22
	74	2632	0.16		129	1722	0.04
	75	2633	0.30		130	472	0.04
	76	2631	0.25		131	2594	0.13
	77	1703	0.55		132	2577	0.27
	78	2442	1.22		133	2577	0.26
	79	2455	0.27		134	2593	0.07
	80	1718	0.48		135	2592	0.08
	81	1714	0.13		136	2595	0.16
	82	1729/2698	0.01		137	2587	0.32
	83	1725	0.07		138	1505/2925	0.28
	84	1723	0.08		139	1706	0.12
	85	2404/1	0.28		140	1705	0.65
	86	2403	0.12		141	1662	0.04
	87	1704	0.46		142	1663	0.67
	88	2584/2793	0.30		143	1505/2926	0.28
	89	2441	0.45		144	2590	0.40
	90	1708	0.11		145	2589	0.37
	91	1717	0.17		146		
	92	1707	0.23		147	2576	0.16
	93	2437	0.94		148	5271	0.2
	94	2709	0.54		149	2573/2880	0.24
	95	2436	0.44		150	2587/2876	0.08
	96	1710	0.21		151	2581	0.22
	97	2406/1	0.09		152	2598	0.40
	98	2609	1.47		153	2583	0.20
	99	1713	0.82		154	2630	0.15
	100	2435	1.39		155	2628	0.17
	101	2422/1	0.02		156	2627	0.14
	102	2453	0.06		157	2626	0.14
	103	2452	1.32		158	2625	0.13
	104	2424/1	0.22		159	2624	0.13
	105	2445	0.31		160	2669/2848	0.20
	106	2446	0.26		161	2470/1	0.10
	107	2448	0.51		162	1690/2717	0.20
	108	2449	0.08		163	1702	0.21
	109	2450	0.23		164	1685/1	0.10
	110	1451	0.08		165	1505/2890	0.74
	111	1447	0.28		166	1505/2863	0.12
	112	2425	0.15		167	1661/2889	0.30
	113	2426	0.11		168	2614/2820	0.26
	114	2427	0.14		169	2579	0.21
	115	2428	0.18		170	2580	0.54
	116	2429	0.10		171	1715	0.13
	117	2430	0.16		172	2584	0.30
	118	2431	0.09		173	2636	0.16
	119	2432	0.08			TOTAL	51.13
	120	2433	0.08				
	121	2434	1.08			Gochar Land	
	122	2443	0.30		174	2457	3.74
	123	2444	0.30		175	2456	0.14
	124	2423	0.40		176	2401	0.04
	125	1727	0.07			TOTAL	3.92
	126	2600	0.29				
	127	2629	0.24			Grand Total	55.05

Village: Kulad	Tahsil : Angul	District: Dhenkanal	1	2	3	4
1	2	3	4			
1	2436	0.20		2	3820	8.00
2	2437	0.34		3	3819	0.08
3	2442	0.27		4	3819/1	0.70
4	2429	0.40		5	3820/1	0.78
5	2430	0.61		Total		10.81
6	2407	1.10				
7	2408	0.10				
8	2434	0.51				
9	2447	0.19				
10	2448	0.37				
11	2452	0.27				
12	2426	0.23				
13	2411	0.78				
14	2415	0.32				
15	2417	1.64				
16	2418	0.54				
17	2409	0.45				
18	2410	0.21				
19	2412	0.19				
20	2413	0.08				
21	2414	0.05				
22	2425	0.24				
23	2453	0.14		Total		11.05
24	2454	0.75				
25	2427	0.31				
26	2428	0.39				
27	2443	0.62				
28	2444	0.57				
29	2419	0.49				
30	2421	0.24				
31	2423	0.24				
32	2420	0.47				
33	2422	0.25				
34	2424	0.29				
35	2431	0.41				
36	2432	0.21				
37	2435	0.55				
38	2441	0.02				
39	2445	0.42				
40	2446	0.06				
41	2450	0.23				
42	2451	0.37				
43	2433	0.48				
44	2438	0.13				
45	2449	0.50				
46	2439	0.29				
47	2440	0.15				
	Total	17.97				
Village: Kanula	Tahsil: Angul	District: Dhenkanal	1	2	3	4
1	3821	1.25		21	1026	0.13
				22	1029	0.67
				23	1030	0.20
				24	1767	0.77
				25	1768	0.32

1	2	3	4	1	2	3	4
	26	1770	0.35		81	1868	0.09
	27	1769	0.34		82	1717	0.48
	28	1786	0.49		83	1720	1.22
	29	1795	0.20		84	1569/1	0.16
	30	1791	0.15		85	1722	2.76
	31	1061	0.17		86	1037/1	0.04
	32	1062/1	0.02		87	1036	0.25
	33	1790	0.16		88	1040	0.21
	34	1789	0.14		89	1039/1	0.10
	35	1788	0.13		90	1038/1	0.05
	36	1796	0.15		91	813	1.09
	37	1797	0.19		92	1057	0.35
	38	1798	0.21		93	1056	1.15
	39	1811	0.06		94	1058	0.10
	40	1817	0.22		95	1621	1.08
	41	1818	0.36		96	1622	0.89
	42	1819	0.44		97	1624	0.28
	43	1820	0.14		98	1613	0.19
	44	1821	0.44		99	1814	0.39
	45	1843	0.12		100	1815	0.56
	46	1844	0.10		101	429	0.86
	47	1845	0.09		102	1922	0.36
	48	1846	0.12		103	1905	0.15
	49	427	0.61		104	1906	0.74
	50	428	0.19		105	1750	1.14
	51	425	2.56		106	1751	1.10
	52	426	0.98		107	1752	1.26
	53	457	0.36		108	1753	1.47
	54	969	0.33		109	1754	3.36
	55	972	0.23		110	1755	0.31
	56	444	0.49		111	1756	0.28
	57	449	0.50		112	1757	0.28
	58	445	0.37		113	1758	0.25
	59	448	0.50		114	271/1	0.15
	60	450	0.99		115	951	0.25
	61	451	0.68		116	454	0.90
	62	452	0.59		117	953	0.27
	63	453	0.32		118	944	0.21
	64	456	0.38		119	945	0.21
	65	457	0.31		120	3415	0.05
	66	458	0.98		121	3417	0.09
	67	942/1	2.20		122	3418	0.34
	68	956	0.12		123	3419	0.31
	69	1733	1.08		124	3420	0.53
	70	1736	1.02		125	3421	0.04
	71	955	0.15		126	3422	0.40
	72	1747	2.20		127	3424	0.21
	73	1746	2.08		128	2029	0.15
	74	1745	2.06		129	2030	0.16
	75	1744	0.56		130	2031	0.44
	76	1743	0.59		131	2032	0.12
	77	1742	0.69		132	2035	0.32
	78	2112/1	0.42		133	2037	0.62
	79	2124/1	0.02		134	2041	0.15
	80	1980	1.15		135	2027	0.58

1	2	3	4	1	2	3	4
136	3413		0.21		191	2121	0.28
137	1603		0.11		192	2122	0.09
138	1907		1.08		193	964	0.62
139	311/1		0.06		194	965	0.05
140	1806		0.36		195	966	0.27
141	1973		0.38		196	977	0.30
142	1049/1		0.03		197	878	0.34
143	1641		2.56		198	1990/1	0.63
144	960		0.60		199	1982	0.90
145	1008/1		0.65		200	377	1.43
146	1637		0.99		201	1096	0.30
147	985		0.50		202	1095	0.05
148	1983		0.77		203	1094/1	0.05
149	1984/1		0.18		204	446	1.00
150	1988/1		0.01		205	943	0.14
151	1044/1		0.11		206	1568/1	0.30
152	962		0.79		207	394/1	0.10
153	968		0.12		208	378	0.22
154	981		0.61		209	466/1	0.85
155	1672		1.58		210	405/1	0.03
156	1673		0.07		211	1847	0.48
157	1741		0.56		212	1661/3635/1	1.12
158	1738		0.68		213	1660/1	1.10
159	1043		0.19		214	353	0.41
160	1841		0.15		215	1653	0.25
161	1824		0.15		216	423	0.35
162	1826		0.11		217	3402/1	0.04
163	1827		0.08		218	3407/1	0.05
164	1828		0.42		219	3408/1	0.23
165	1829		0.10		220	3409	0.12
166	1830		0.15		221	3410	0.08
167	1831		0.31		222	3411/1	0.32
168	1832		0.09		223	1730	0.66
169	1833		0.56		224	937	0.18
170	1834		0.41		225	936/1	0.05
171	1835		0.16		226	1774/1	1.80
172	1836		0.09		227	1777	0.15
173	1837		0.28		228	1966	0.70
174	1839		0.14		229	1967	0.29
175	1840		0.21		230	1969	1.03
176	1851		0.18		231	1955	0.13
177	1852		0.10		232	1807	0.06
178	1853		0.05		233	1721	0.84
179	1854		0.12		234	1046/1	0.01
180	1855		0.19		235	2021	0.06
181	1856		0.20		236	2023	0.06
182	1857		0.32		237	2049	0.13
183	2107		0.12		238	2036	0.02
184	2113		0.21		239	1943	0.10
185	2114		0.11		240	1933	0.07
186	2115		0.10		241	1934	0.48
187	2116		0.12		242	1935	0.09
188	2118		0.12		243	1936	0.32
189	2119		0.14		244	1932	0.06
190	2120		0.32		245	1937	0.07

1	2	3	4	1	2	3	4
	246	1938	0.13		300	1848	0.07
	247	1886	0.36		301	1873/1	0.80
	248	1887	0.12		302	1734	1.16
	249	1888	0.13		303	1813	0.62
	250	1889	0.08		304	1980	0.13
	251	1890	0.20		305	1099/1	0.06
	252	1891	0.22		306	1098/1	0.15
	253	1892	0.40		307	239	1.52
	254	1930	0.04		308	258	0.33
	255	1931	0.05		309	1030/3806	0.05
	256	1923	0.56		310	151	0.80
	257	1920	0.60		311	1585	0.15
	258	1919	0.10		312	1699	0.62
	259	2013	0.10		313	150/1	0.43
	260	2014	0.08		314	1704	0.65
	261	2015	0.09		315	1700	0.34
	262	2025	0.06		316	1696	0.29
	263	2016	0.09		317	149/1	0.41
	264	2017	0.11		318	1701	0.33
	265	2018	0.45		319	1705	0.09
	266	2019	0.07		320	463	0.71
	267	2020	0.10		321	463/3607	0.27
	268	2022	0.10		322	1976	0.53
	269	2043	0.13		323	1981	0.76
	270	2044	0.16		324	1976/3620	0.53
	271	2046	0.12		325	1977	0.51
	272	2047	0.04		326	1996/1	1.78
	273	2049	0.11		327	1978	0.56
	274	2050	0.08		328	1979	0.97
	275	2051	0.09		329	1992	0.83
	276	2052	0.12		330	1991/1	0.72
	277	2054	0.08		331	1989/1	0.26
	278	2055	0.21		332	1994	0.46
	279	2056	0.02		333	1997	1.63
	280	2057	0.16		334	1658	1.12
	281	2058	0.06		335	379	0.19
	282	2059	0.08		336	2007	0.19
	283	2061	0.14		337	2011	0.67
	284	2062	0.21		338	2007/3841	0.22
	285	2063	0.20		339	1712	0.59
	286	2064	0.46		340	1643	0.20
	287	1921	0.54		341	1647	0.52
	288	1874	0.10		342	1648	0.07
	289	1748	3.58		343	1655	0.10
	290	475	0.19		344	421	0.21
	291	1614	1.18		345	420	0.24
	292	595	1.26		346	970	0.31
	293	437	0.63		347	971	0.06
	294	1625	0.43		348	1602	0.10
	295	1596/1	0.83		349	1716	1.21
	296	1816	0.64		350	1646	0.31
	297	1872	2.00		351	1645	0.30
	298	1850	0.29		352	1644	0.29
	299	1849	0.81		353	1869	0.12
					354	1870	0.46

1	2	3	4	1	2	3	4
					408	1803	1.06
	355	1871	0.23		409	1804	0.10
	356	1779	0.19		410	1737	0.56
	357	1773	1.03		411	1634	0.43
	358	1961	0.24		412	1597	0.50
	359	1970	0.32		413	1723	1.19
	360	1971	0.15		414	1673/3709	1.45
	361	1773/3618	0.98		415	439	0.19
	362	1957/3619	0.39		416	440	0.33
	363	1950	0.20		417	974	0.13
	364	1951	0.16		418	973	0.13
	365	260	1.06		419	975	0.15
	366	1033	0.33		420	976	0.22
	367	371	0.11		421	980	0.67
	368	372	0.08		422	1592/1	0.02
	369	373	0.48		423	1593/1	0.11
	370	414	0.50		424	1763	1.05
	371	433	0.90		425	1765	1.43
	372	415	0.17		426	1639	0.30
	373	416	0.22		427	1640	0.24
	374	1725/1	0.25		428	1636	0.57
	375	1761	0.25		429	1638	0.39
	376	1759	1.75		430	1642	0.67
	377	432	0.32		431	1999/1	0.05
	378	364	0.38		432	1032	0.28
	379	365	1.71		433	1732	0.84
	380	152/1	1.26		434	370	0.17
	381	- 1697	0.19		435	1724	3.61
	382	2123	0.24		436	358	0.25
	383	1698/3617	1.15		437	575/1	0.20
	384	1690	1.22		438	360	1.19
	385	263	0.56		439	469	0.71
	386	472	0.39		440	594/1	1.67
	387	1626	0.50		441	461	1.08
	388	1628	0.77		442	359	0.19
	389	1635	0.42		443	367	0.60
	390	265	0.99		444	368	0.23
	391	947	2.37		445	369	0.24
	392	948	0.07		446	1718	1.52
	393	447	0.69		447	573/1	0.08
	394	952	0.27		448	597/1	0.13
	395	954	0.18		449	600/1	0.18
	396	1805	0.38		450	1703	0.18
	397	1810	0.10		451	1679	0.48
	398	1875/1	2.38		452	417	0.10
	399	2108/1	0.08		453	1715	0.84
	400	1861	0.29		454	1649	0.26
	401	1862	0.10		455	1650	0.06
	402	1671	3.06		456	1651	0.12
	403	357/3671	0.72		457	251	0.54
	404	264	0.28		458	253	0.72
	405	471	0.35		459	257	1.40
	406	362	0.22		460	476	0.18
	407	1627	0.54		461	252/1	1.31
					462	249/1	0.20

1	2	3	4	1	2	3	4
	463	1059/1	1.06		517	2009/1	1.20
	464	1060	0.39		518	398/1	1.00
	465	154	0.35		519	1612	0.44
	466	155/1	0.16		520	1615	0.46
	467	411	0.87		521	1617	0.24
	468	1680	0.27		522	1608	0.44
	469	355/3719	0.55		523	1610	0.39
	470	1771	2.07		524	1616	0.29
	471	1962	0.30		525	396	0.71
	472	1968	0.30		526	1657	1.15
	473	1969	0.31		527	250/1	0.91
	474	1958	0.94		528	361	0.17
	475	1956	0.26		529	366	0.42
	476	1778	0.20		530	383	0.17
	477	1690	0.19		531	397	0.50
	478	1675	0.20		532	407	0.84
	479	419	0.42		533	409	0.68
	480	1600	0.23		534	949	0.99
	481	418	0.54		535	438	0.32
	482	1713	0.58		536	376	0.65
	483	1749	1.85		537	958	0.31
	484	430	0.85		538	957	0.25
	485	431	0.24		539	963	0.12
	486	1681	0.35		540	950	0.16
	487	1686	0.15		541	455	1.20
	488	1677	0.45		542	940/1	0.20
	489	1684	0.25		543	1735	0.76
	490	1678	0.45		544	1881	2.04
	491	1688	0.32		545	1882	0.81
	492	381	0.21		546	424	0.44
	493	1659	0.37		547	1000	0.44
	494	1772	1.48		548	1007	0.31
	495	1960	0.79		549	1015	0.72
	496	1965	0.56		550	1792	0.58
	497	1954	0.30		551	1027	0.47
	498	1944	0.13		552	1028	0.89
	499	1719	1.67		553	1031	0.12
	500	1776	1.53		554	1034	0.85
	501	468	0.59		555	1794	0.60
	502	473	0.12		556	1787	0.51
	503	474	0.10		557	986	0.43
	504	462	2.60		558	983	0.19
	505	459	2.07		559	982	0.18
	506	1711	1.19		560	984	0.44
	507	1808	0.70		561	987	0.33
	508	2008	0.45		562	988	0.13
	509	2010/1	0.70		563	989	0.11
	510	938/1	1.08		564	990	0.12
	511	1692	0.65		565	992	0.20
	512	1693	0.89		566	993	0.20
	513	1702	0.71		567	994	0.21
	514	1949	0.28		568	995	0.16
	515	1775	2.23		569	996	0.18
	516	2012	0.66				

1	2	3	4	1	2	3	4
	570	998	0.06		624	375	0.52
	571	1041	0.21		625	460	2.40
	572	1054	0.17		626	467	0.45
	573	1053	0.20		627	441	0.06
	574	1052	0.11		628	442	0.14
	575	1050	0.19		629	435	0.21
	576	1633	0.20		630	436	0.17
	577	1631	0.21		631	443	0.12
	578	1929	0.01		632	1739	0.62
	577	1908	0.07		633	1740	0.56
	580	1940	0.06		634	352	0.04
	581	1914	0.29		635	386/1	0.15
	582	1927	0.04		636	410	3.99
	583	1942	0.10		637	266	0.84
	584	1947	0.06		638	267/1	0.41
	585	1595	0.48		639	1009	0.33
	586	3406/1	0.05		640	1785	1.35
	587	566/1	0.02		641	1012	1.16
	588	1924	0.57		642	1014	0.24
	589	1926	0.04		643	1005	0.60
	590	1875/1	0.26		644	1016	0.59
	591	1876	0.11		645	1035	0.25
	592	1877/1	0.32		646	1594	0.69
	593	1878/1	0.45		647	1793	0.58
	594	1910	0.20		648	350/1	0.03
	595	1911	0.43		649	1010	0.52
	596	1928	0.02		650	1011	0.41
	597	1948	0.20		651	1017	0.03
	598	1912	0.20		652	574/1	0.08
	599	1915	0.18		653	592/1	0.17
	600	1917	0.23		654	596/1	0.05
	601	1901	0.15		655	598/1	0.02
	602	1902	0.70		656	601/1	0.01
	603	2070/1	0.02		657	1913	0.10
	604	1654	0.13		658	1916	0.22
	605	422	0.06		659	1939	0.04
	606	1599	0.34		660	1925	0.07
	607	382	0.14		661	1904	0.41
	608	1799	1.63		662	1945	0.05
	609	1762	1.89		663	1946	0.07
	610	1800	1.77		664	1941	0.07
	611	477	0.51		665	2045	0.07
	612	2005	0.79		666	2060	0.10
	613	1781	5.56		667	2024	0.05
	614	1782	0.13		668	355	0.14
	615	1783	0.46		669	1726/1	3.00
	616	1766	1.21		670	1884	0.17
	617	1598	0.28		671	1885	0.15
	618	380	0.14		672	1883	0.29
	619	395/1	0.08		673	354	3.67
	620	385	0.15		674	1895	0.02
	621	384	0.28		675	1896	0.06
	622	408	0.92		676	1897	0.08
	623	374	0.96		677	1898	0.08

1	2	3	4	1	2	3	4
	678	1793/3718	0.40		732	478/1	0.48
	679	357	0.47		733	307/1	0.41
	680	2011/3712	0.34		734	1689	0.20
	681	582/1	0.13		735	1811/3739	0.20
	682	583/1	0.10		736	1676	0.18
	683	261	0.85		737	1683	0.28
	684	470	1.38		738	1685	2.33
	685	1998/1	0.27		739	1691	1.09
	686	355/3720	0.89		740	1706	0.23
	687	356	0.10		741	1748/3743	3.72
	688	310/3722	0.24		742	1963	1.17
	689	1619	0.36		743	1993	0.78
	690	1618	0.10		744	310	0.79
	691	1604	0.13		745	1957	0.94
	692	1601	0.16		746	1723/3757	3.00
	693	581/1	0.25		747	1893	0.15
	694	1859	0.14		748	1894	0.13
	695	1102	0.28		749	999	0.19
	696	1103/1	0.11		750	1042	0.19
	697	2117/3688	0.04		751	2117/1	0.03
	698	1607/3802	0.18		752	1687	0.44
	699	1820/3758	0.16		753	1729/1	0.05
	700	434	0.51		754	1051	0.13
	701	1748/3843	2.06		755	32/11	0.05
	702	1780	0.25		756	1606/3774	0.40
	703	355/3721	0.77		757	1731	0.79
	704	1818/3759	0.05		758	1723/3814	2.00
	705	3414	0.25		759	3346/3777	0.08
	706	3416	0.19		760	1809	0.12
	707	3423	0.59		761	152/3702	1.00
	708	3415/3732	0.06		762	967	0.11
	709	2040	0.14		763	1766/3787	0.58
	710	2038	0.75		764	1598/3781	0.24
	711	2036	0.05		765	1721/3803	1.20
	712	2034	0.48		766	2007/3815	0.10
	713	2028	0.46		767	1807/3817	0.12
	714	2033	0.14		768	412	0.82
	715	1996/3710/1	0.13		769	1723/3819	1.50
	716	1605	0.29		770	412/3822	0.11
	717	1822	1.08		771	2067	0.46
	718	1607/3842	0.08		772	1899	0.40
	719	1606	0.12		773	1918	0.50
	720	1607	1.26		774	1900	0.37
	721	1100	0.29		775	424/3857	0.36
	722	1097	0.17		776	352/3747	0.12
	723	148/1	4.32		777	1670/1	0.70
	724	269/1	1.73		778	1014/3700	0.18
	725	262	4.82		779	3415/3732	0.06
	726	268	0.94		780	3363/3726	0.13
	727	363	1.42		781	441/4606	0.07
	728	941	1.64		782	2004	0.10
	729	961	0.74		783	1972	1.84
	730	991	5.16		784	1974	0.55
	731	308/1	1.30		785	1858	0.13
					786	1714	0.56

1	2	3	4	1	2	3	4	
	787	997	0.09		36	5095	0.07	
	788	593	0.18		37	5096	0.17	
		Gochar Land			38	4826	0.10	
	789	287	22.98		39	4827	0.03	
	790	1710	27.35		40	4828	0.05	
		Total	450.81		41	4829	0.06	
					42	4830	0.06	
					43	4831	0.20	
					44	4835	0.19	
		Categories of public premises and local limits of jurisdiction.			45	4837	0.18	
					46	4838	0.26	
					47	4839	0.22	
		Serial No.	Plot No.	Area (acres)		48	5104	1.04
(1)	(2)		(3)	(4)		49	8462	0.50
		Village : Kandasara, Tahsil : Angul, Dist : Dhenkanal				50	4863	0.10
	1	4845		0.97		51	4864/1	0.13
	2	5073		0.22		52	4884/1	0.16
	3	5072		0.92		53	4886	0.51
	4	5101		1.24		54	4887	0.99
	5	4841		1.08		55	4848	1.56
	6	4888		0.27		56	4818	0.62
	7	4889		0.48		57	4833	0.41
	8	4904		0.45		58	4890	0.04
	9	4905		0.15		59	4891	0.12
	10	4907		0.40		60	4892	0.15
	11	4814		0.21		61	4893	0.04
	12	4815		0.30		62	4902	0.05
	13	4816		0.20		63	4903	0.03
	14	4824		0.25		64	5123	0.75 /
	15	4825		0.25		65	4851	0.36
	16	4840		0.25		66	4852	0.32
	17	4822		0.08		67	4854	0.20
	18	4820		0.34		68	4855	0.33
	19	4823		0.12		69	4856	0.28
	20	4807		0.13		70	5159/1	0.80
	21	4808		0.13		71	5118	0.30
	22	4809		0.13		72	5121	0.07
	23	4810		0.43		73	5119	0.28
	24	4857		2.14		74	5120	0.29
	25	4861/1		0.30		75	4847	1.62
	26	4900		0.23		76	5078	0.06
	27	5089		0.08		77	5080	0.24
	28	5094		0.26		78	5081	0.13
	29	5098		0.47		79	5082	0.56
	30	4899/1		0.03		80	5083	0.57
	31	4832		0.59		81	5084	0.18
	32	4909/1		0.85		82	5086	0.13
	33	4885		0.15		83	5087	1.00
	34	4895/6867		0.12		84	5088	0.69
	35	4894/1		0.22		85	5074	0.24
						86	5090	0.52
						87	5091	0.10
						88	5092	0.19
						89	5093	0.52

1	2	3	4	1	2	3	4
	90	4817	0.77		9	257	2.14
	91	5099	0.42		10	258	0.10
	92	5100	0.29		11	230	0.78
	93	5019/6607	0.20		12	231	0.22
	94	4895	0.09		13	232	0.64
	95	4853	0.29		14	233	1.16
	96	5117	0.22		15	234	0.90
	97	5122/1	0.52		16	129	0.20
	98	4813/1	0.75		17	130	0.08½
	99	4813/2	2.28		18	131	0.09½
	100	4844	0.57		19	132	0.10
	101	4850	4.21		20	123/2997	0.01
	102	4812/1	0.41		21	224	2.11
	103	4858	2.25		22	255	0.22
	104	5077/1	0.15		23	226	0.15
	105	5079	0.10		24	276	1.07
	106	4834	0.51		25	169	1.06
*	107	7156/7157	4.80		26	157	1.09
	108	5111/7156/7180	5.00		27	3	1.22
	109	4819	0.71		28	300	0.04
	110	4819/6525	0.45		29	79	0.35
	111	4811	0.78		30	290	0.39
	112	1524/1	0.50		31	293	0.32
	113	5125	0.26		32	298	0.04
	114	5112/6721	0.28		33	105	0.21½
	115	5112/1	0.53		34	105/2991	0.03
	116	5109	0.54		35	261	0.06
	117	5110	0.58		36	4	0.25
	118	5126/1	0.39		37	5	0.23
	119	5115	0.37		38	27	0.58
	120	5116	0.20		39	28	0.56
	121	5116/6666	0.25		40	29	0.32
	122	4898/1	0.02		41	30	0.07
	Total		62.98½		42	31	0.11
	Categories of public premises and local limits of jurisdiction.				43	53	0.81
*	Serial No.	Plot No.	Area (Acres)		44	52	0.64
	(1)	(2)	(3)	(4)	45	51	0.15
					46	50	0.13
					47	48	0.13
					48	49	0.15
					49	47	0.12
					50	46	0.13
					51	45	0.10
					52	44	0.75
					53	44/2639	0.18
					54	72	0.34
					55	73	0.32
					56	74	0.08
					57	76	0.08
					58	78	0.16
					59	90	0.68
					60	93	0.81
					61	94	1.20

Village : Giranga, Taluk : Angul, District : Dhenkanal

1	286/2671	0.40
2	116	0.82
3	143	0.29
4	252	0.03
5	143/3003	0.09
6	170	1.35
7	170/2912	1.12
8	273	1.05

1	2	3	4	1	2	3	4
62	95		1.47	117	303		2.05
63	103		0.28	118	211		0.08
64	103/2990		0.08	119	213		0.17
65	43		0.21	120	281		0.19
66	154		0.62	121	282		0.24
67	143		1.83	122	218		0.04
68	242		1.46	123	32		0.10
69	235		0.49	124	33		0.13
70	256		0.83	125	125		0.12
71	128		0.65	126	125/3013		0.13
72	128/2970		0.48	127	125/3012		0.16
73	128/2998		0.20	128	144		0.21
74	269		0.26	129	146		0.23
75	236		0.16	130	313		0.15
76	237		0.22	131	122		0.41
77	140		0.54	132	121		0.38
78	141/3001		0.02	133	248		0.06
79	740/2002		0.03	134	145		0.44
80	141		0.10	135	145/3004		0.01
81	139		0.17	136	246		0.05
82	115		0.60	137	245		0.23
83	114		1.25	138	268		0.18
84	98		0.74	139	272		0.27
85	221		0.19	140	291		0.28
86	222		0.47	141	292		0.40
87	274		0.23	142	104		0.45
88	275		2.19	143	250		0.14
89	278		0.38	144	102		0.54
90	283		0.32	145	102/2989		0.05
91	284		0.31	146	120		0.45
92	285		0.44	147	239		1.25
93	70/1		0.85	148	120/2995		0.23
94	304		1.73	149	107		0.19
95	187		0.45	150	251		0.10
96	203		0.22	151	107/2992		0.18
97	280		0.42	152	110		0.25
78	113		1.38	153	110/2994		1.21
99	244		6.30	154	35		0.45
100	137		0.09	155	206		0.50
101	137/2999		0.24	156	92		1.00
102	264		0.29	157	82		0.41
103	266		0.24	158	83		1.93
104	96		1.12	159	84		1.04
105	229		0.80	160	85		1.40
106	147		0.29	161	86		2.35
107	148		0.29	162	87		1.42
108	148/3006		0.10	163	88		2.45
109	147/3005		0.17	164	89		1.35
110	178		0.40	165	297		0.41
111	179		0.44	166	69		0.81
112	180		0.70	167	171		0.24
113	181		0.70	168	173		0.44
114	207		0.90	169	674		0.38
115	209		0.39	170	175		0.13
116	210		0.22	171	176		0.25

1	2	3	4	1	2	2	4
	172	177	0.35		227	123	0.38
	173	279	0.21		228	6	0.36
	174	262	1.11		229	136	1.00
	175	204	0.32		230	235/2763	0.42
	176	205	0.56		231	113/2785	0.32
	177	208	0.11		232	154/2719	0.23
	178	214	0.30		233	156	0.68
	179	216	0.08		234	155	0.55
	180	227	0.15		235	108	0.18
	181	213/2670	0.10		236	108/2923	0.20
	182	219	0.12		237	185/2748	0.44
	183	220	0.27		238	185	0.52
	184	289	1.08		239	109	0.12
	185	100	0.12		240	111	0.42
	186	101	0.11		241	105/2817	0.05
	187	101/2988	0.01		242	106/2764	0.21
	188	77	0.35		243	142/2765	0.24
	189	270	0.06		244	134	1.28
	190	294	0.07		245	109/2780	0.14
	191	296	0.60		246	182	1.13
	192	277	0.81		247	183	0.44
	193	295	0.15		248	184	0.39
	194	267	0.22		249	154/2720	0.12
	195	36	0.38		250	109/2781	0.18
	196	37	0.26		251	313/2786	0.12
	197	38	0.26		252	68	0.38
	198	41	0.59		253	126	1.26
	199	39	0.63		254	182/2850	0.50
	200	106	0.43		256	183/2851	0.24
	201	127	0.34		256	184/2852	0.14
	202	71	0.19		257	137/2885	0.24
	203	35	0.60		258	137/2886/3010	0.05
	204	188	0.32		259	137/2886	0.17
	205	190	0.05		260	137/2888	0.60
	206	191	0.08		261	124	0.21
	207	192	0.35		262	170/2911	0.26
	208	195	0.49		263	170/2910	0.28
	209	196	0.12		264	133	0.17
	210	197	1.38		265	128/2987	0.56
	211	199	0.58		266	271	0.19
	212	200	0.71		267	100/2986	0.36
	213	201	0.61		268	158	0.86
	214	99	0.88½		269	186/3030	4.44
	215	112	1.35		270	161	0.56
	216	193	0.36		271	163	0.18
	217	198	0.60		272	164	0.17
	218	119	0.34		273	166	0.25
	219	42	1.28		274	168	0.83
	220	35/2659	1.41		275	159	0.10
	221	312	0.02		276	80	0.86
	222	92/2789	0.64		277	149	0.10
	223	66	0.22		278	145/3007	0.23
	224	67	0.39		279	172	0.83
	225	103/2718	0.25		280	97	0.49
	226	66/2745	0.17				

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
281	75		0.95		4	63	0.12
282	248		0.09		5	136	1.06
283	212		0.10		6	150	1.49
284	215		0.06		7	90	0.17
285	217		0.41		8	152	0.50
286	138/3008		0.25		9	119	0.53
287	138		0.12		10	60	0.63
288	142		0.78		11	145	1.43
289	240		0.65		12	144	4.43
290	253		0.29		13	158	0.80
291	151		0.40½		14	47	0.43
292	150/2879		0.57½		15	17	0.59
293	2879/3009		0.11		16	107	2.51
294	167		0.24		17	113	6.66
295	2		0.94		18	112	1.08
296	160		0.33		19	112/159	0.25
297	149/2769		0.36		20	59	0.42
298	104/2757		0.20		21	14	0.30
299	299		0.05		22	92	1.78
300	150		0.10		23	56	0.32
301	150/3008		0.06		24	33	0.10
302	162		0.02		25	32	0.35
303	165		0.26		26	114	0.36
					27	77	0.50
	Total		148.81		28	125	0.51
					29	54	0.32
	Gochar land				30	29	0.05
304	228		5.00		31	30	2.20
305	241		0.93		32	57	0.66
306	265		0.20		33	37	0.30
307	302		5.68		34	21	0.16
	Total		11.81		35	80	0.24
					36	133	1.80
					37	126	1.27
	Grand Total		160.62		38	67	1.04
					39	27	0.32
	Categories of public premises and local limits of jurisdiction				40	88	0.28
					41	115	0.40
	Serial No.	Plot No.	Area (acres)		42	52	0.60
1	2	3	4		43	66	0.59
Village: Kulada Jungle.	Taluk: Angul District : Dhenkanal				44	8	0.24
1	104		1.11		45	95	5.93
2	138		4.00		46	121	0.74
3	19		0.29		47	122	7.08
					48	121/160	0.08
					49	43	0.23
					50	42	0.35
					51	82	1.75
					52	40	0.32
					53	26	0.32
					54	65	2.15
					55	135	0.97
					56	135/163	0.67
					57	142	3.33

1	2	3	4	1	2	3	4
58	139		0.16	113	5		0.44
59	140		1.05	114	46		0.28
60	141		0.41	115	117		0.21
61	11		0.66	116	35		0.30
62	10		0.39	117	109		0.49
63	45		0.26	118	73		0.21
64	157		1.00	119	49		0.14
65	12		0.18	120	83		0.49
66	38		0.35	121	48/158		0.08
67	148		3.26	122	100/162		0.22
68	3		2.14	123	89		0.26
69	149		3.91	124	18		0.33
70	62		0.12	125	50		1.13
71	6		0.45	126	84		0.67
72	94		0.42	127	93		0.12
73	147		0.61	128	16		0.32
74	87		3.69	129	151		1.54
75	102		0.05	130	76		2.84
76	1		1.04	131	25		0.30
77	4		0.76	132	98		0.45
78	22		0.61	133	97		0.54
79	24		0.04	134 (Tree) 15			0.28
80	69		2.54	135	51		0.28
81	132		1.58	136	34		0.29
82	155		5.78	137	124		0.78
83	79		0.50	138	74		1.70
84	48		0.26	139	153		1.42
85	55		0.32	140	110		2.06
86	61		0.30				
87	154		1.00		Total		149.35
88	70		1.45				
89	86		1.05				
90	116		0.18				
91	78		1.55				
92	156		2.41				
93	36		0.33				
94	53		0.34				
95	20		0.46				
96	75		0.41				
97	39		0.32				
98	123		0.45				
99	68		0.89				
100	130		1.92				
101	133		1.90				
102	85		0.87				
103	146		3.88				
104	(Tree) 9		1.02				
105	91		0.22				
106	118		0.35				
107	127		2.46				
108	118/161		0.10				
109	41		0.28				
110	103		2.98				
111	72		0.78				
112	137		3.44				
					Total		9.91

[Vill. : Kanyabeda Distt. : Dhenkanal, (Tchsil: Angul)				(1)	(2)	(3)	(4)
(1)	(2)	(3)	(4)	कैटिव पावर		3002	0.32
1	2123		1.16		4	1426	1.64
2	2080		0.39	प्लाट	5	1428	0.53
3	2069		0.39		6	1519	0.55
4	2112		1.22	तेजनल एल्यूमिनियम	7	1520	0.27
5	2079/1		0.10		8	1521	0.08
6	2074/1		0.05	कंपनी लिमिटेड	9	1522	0.08
7	2111		0.09	अगृष्ण, जिला			
8	2075/1		0.05	धनकानल,	10	1523	0.71
9	2110/1		0.04	उडोसा	11	3064/1	0.76
10	2078/1		0.04		12	3639/1	2.38
11	2119		0.64		13	3640	1.29
12	2118		0.62		14	1200	0.57
13	2120		0.58		15	1198	0.47
14	2068/1		0.25		16	1199	1.74
15	2121		3.67		17	2977	0.23
16	2081/1		0.06		18	2978	0.20
17	2108/1		0.10		19	2979	0.25
18	2115		0.64		20	2980	0.24
19	2116		0.42		21	2981	0.08
20	2107		0.58		22	2982	0.07
21	2114		0.93		23	3268	0.08
22	2109/1		0.10		24	3269	0.36
					25	3264	0.54
	Total		12.12		26	3241	0.42
					27	3342	0.24
	Gochai land				28	3160	0.13
1	2070/1		18.50		29	3362	0.71
	Grand Total		30.62		30	1338	0.65

[F. No. 8(37)/81-Met. IV]

का०खा० 2581—केन्द्रीय सरकार, भरकारी स्थान (अधिकृत अधिभागियों का बेदब्लास) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत् शक्तियों का प्रयोग करने हुए, नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के समतुल्य रैक का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए समाज अधिकारी के रूप में नियुक्त करता है, जो उक्त भागों के स्तम्भ (3) से (4) में विनिर्दिष्ट भरकारी स्थानों के संबंध में अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन समाज अधिकारी का प्रवत् शक्तियों का प्रयोग करेगा और उस पर अधिरपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदभिधान	क्रम सं०	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएँ	प्लाट सं०	भौकल (एकड़ में)
(1)	(2)	(3)	(4)	
		ग्राम . गोटमारा, तहसील : अगूल, जिला धनकानल		

सहायक प्रणाली

प्रबन्धक,	1	1421	0.16
	2	1422	1.32

कैटिव पावर	3	3002	0.32
	4	1426	1.64
प्लाट	5	1428	0.53
	6	1519	0.55
तेजनल एल्यूमिनियम	7	1520	0.27
	8	1521	0.08
कंपनी लिमिटेड	9	1522	0.08
अगृष्ण, जिला			
धनकानल,	10	1523	0.71
उडोसा	11	3064/1	0.76
	12	3639/1	2.38
	13	3640	1.29
	14	1200	0.57
	15	1198	0.47
	16	1199	1.74
	17	2977	0.23
	18	2978	0.20
	19	2979	0.25
	20	2980	0.24
	21	2981	0.08
	22	2982	0.07
	23	3268	0.08
	24	3269	0.36
	25	3264	0.54
	26	3241	0.42
	27	3342	0.24
	28	3160	0.13
	29	3362	0.71
	30	1338	0.65
	31	3337	0.16
	32	3447/1	0.27
	33	3455/1	0.27
	34	3463	2.00
	35	3628	0.76
	36	3629	0.21
	37	3630/1	0.25
	38	3633/1	0.68
	39	1527	0.12
	40	1448/5652	0.08
	41	2875/1	0.50
	42	1477	0.27
	43	2997	0.58
	44	1524	0.41
	45	1467	0.12
	46	1468	0.22
	47	1469	0.11
	48	1470	0.41
	49	3597	1.52
	50	3601	0.15
	51	3617	0.16
	52	3618	0.21
	53	3619	0.30
	54	3620	0.33
	55	3622	0.32
	56	3623	0.14

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
57	3624	0 15	113	3150/1	0.32		
58	3626	0 15	114	3434	0.45		
59	3627	0 25	115	3501	0.88		
60	3631	0.32	116	3175	0.18		
61	3634	0 37	117	3174	0.24		
62	3641	0 25	118	173/1	0.05		
63	3642	0 31	119	3183	0.29		
64	3643	0.30	120	1387/5731	0.14		
65	3645	0 20	121	1387	0.28		
66	3646	0 27	122	3467	0.31		
67	3647	0.27	123	3468	0.09		
68	3648	0 36	124	3169	0.07		
69	3649	0 38	125	3170	0.09		
70	3631/5873	0 67	126	3471	0.06		
71	1213	0 32	127	3172	0.11		
72	3523	0.22	128	3473	0.12		
73	3448/1	0 18	129	3474	0.10		
74	1197	0 15	130	3475	0.23		
75	1197/5577	0 38	131	3476	0 13		
76	1197/5578	0 62	132	3477	0.13		
77	3376	0 29	133	3178	0 14		
78	3100/1	0.27	134	3479	0.33		
79	3085/1	0.11	135	3480	0.13		
80	3091/1	0 14	136	3481	0.16		
81	3112/1	0.28	137	3182	0.26		
82	3113	0 12	138	3483	0 10		
83	3114	0 30	139	3484	0 07		
84	2983	0 31	140	3485	0.33		
85	2934	0.25	141	3486	0.33		
86	2985/1	0 13	142	3487	0 33		
87	1364	0 30	143	3189	0.32		
88	1386	1.34	144	3490	0 27		
89	3278	0 46	145	3491	0 27		
90	3381	0 07	146	3614	0 57		
91	3413	0 39	147	3616	0 18		
92	3437/1	0 18	148	3636	0 14		
93	3291	0 47	149	3650	0 37		
94	1292	1.83	150	3292	0 57		
95	3498	0 13	151	3424/1	0 57		
96	3500	0 24	152	3436/1	0 26		
97	3348	1.09	153	3417	0 43		
98	3349	0 10	154	3496	0 66		
99	3350	0 11	155	3487	0 23		
100	3351	0 30	156	3507	0 89		
101	3352	0 41	157	3508	0 31		
102	3353	0 40	158	3510	0 35		
103	3354	0 07	159	1303	2 50		
104	3355	0 09	160	1383	0 70		
105	3367	1.55	161	1384	0 77		
106	3368	0 28	162	3458/1	0 23		
107	3369	0 06	163	3589	0 58		
108	3341	1.13	164	1495	0 22		
109	3418	0 13	165	1197	0 08		
110	3423/1	0 63	166	3613	1 22		
111	1370	1 50	167	1205/5648	0 14		
112	3433	1.88	168	1289	4 25		

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
169	1289	0 41	225	1417	0 12		
170	1290	0 40	226	1418	0 08		
171	1291	0 21	227	3552	0 24		
172	1300	1 41	228	3553	0 36		
173	1323	1 08	229	3554	0 5		
174	1324	1 22	230	3555	0 35		
175	1332	0 22	231	3556	0 17		
176	1326	0 9	232	3557	0 58		
177	3358	0 53	233	3562	0 24		
178	1366	0 96	234	3561	0 13		
179	3422/1	0 67	235	3563	0 14		
180	3186	0 30	236	3666	1 80		
181	3457/1	0 10	237	1433	0 22		
182	3404	0 30	238	1434	0 41		
183	3427/1	0 60	239	1435	1 04		
184	3428/1	0 29	240	3377	0 20		
185	3184	0 20	241	3378	0 41		
186	3431	1 16	242	3161/1	0 18		
187	1112	0 34	243	3587	0 61		
188	1413	0 32	244	3356	0 16		
189	1407	0 13	245	1449	1 22		
190	1408	0 09	246	3189	0 08		
191	1409	0 11	247	3394	0 22		
192	1410	0 15	248	3407	0 36		
193	1111	0 79	249	3439	0 53		
194	1111	0 25	250	3440	0 22		
195	1115	0 26	251	3441	0 19		
196	1116	0 26	252	3438	0 11		
197	1436	0 20	253	3412	0 80		
198	1437	0 29	254	3443	0 40		
199	1440	0 56	255	3412	0 12		
200	1441	0 23	256	3403	1 10		
201	1442	0 26	257	3219	0 17		
202	1444	0 11	258	3254	0 35		
203	1171/1	0 40	259	3255	0 21		
204	1172	0 68	260	3256	0 81		
205	1174	0 75	261	1189	1 19		
206	1175	0 76	262	1190	0 43		
207	1388	0 16	263	1191	0 48		
208	1389	0 18	264	1192	0 76		
209	1390	0 37	265	3119	0 11		
210	1391	0 15	266	2130	0 11		
211	1392	0 14	267	3121	0 13		
212	1393	0 88	268	3151	0 04		
213	1394	0 22	269	3152	0 06		
214	1395	0 06	270	3153	0 04		
215	1396	0 07	271	3157	0 19		
216	1397	0 03	272	3216	0 67		
217	1398	0 03	273	3217	0 43		
218	1399	0 10	274	3218	0 15		
219	1400	0 11	275	3252	0 38		
220	1401	0 14	276	3309	0 14		
221	1402	0 27	277	3110	0 11		
222	1403	0 08	278	3311	0 42		
223	1404	0 07	279	3315	0 11		
224	3543	0 56					

[भाग II—संख्या ३(ii)]

भारत का नामपत्र जून १९६३/ज्योति २४ १९०५

2539

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
290	3316	0 19	336	3154	0 30		
291	3317	0 20	337	3155	0 18		
292	3318	0 15	338	3212	0 08		
293	3319	0 04	339	1208	1 13		
294	3320	0 05	340	3084/1	0 08		
295	3321	0 05	341	3592	0 51		
296	3322	0 07	342	3593/1	0 35		
297	3323	0 06	343	3594/1	1 58		
298	3324	0 08	344	1327	2 87		
299	3325	0 19	345	1473	0 20		
300	3326	0 27	346	3524	0 11		
301	3327	0 30	347	3525	0 19		
302	3328	0 32	348	3526	0 11		
303	3329	0 16	349	3527	0 11		
304	3330	0 15	350	3528	0 20		
305	3331	0 15	351	3529	0 04		
306	3334	0 13	352	3540	0 14		
307	3335	0 13	353	3541	0 07		
308	3336	0 13	354	3542	0 05		
309	3236	0 11	355	3543	0 27		
310	3237	0 31	356	3544	0 18		
311	3271/1	0 84	357	3545	0 09		
312	3270/1	0 80	358	3546	0 09		
313	3261/1	2 10	359	1638/1	2 44		
314	3580	0 65	360	1278/1	0 40		
315	3263/1	2 71	361	1279/1	0 30		
316	3281	0 35	362	1459	1 33		
317	3437	0 06	363	3172/1	0 08		
318	1431	0 53	364	1341	0 30		
319	3410	0 39	365	1315	17 96		
320	3265/1	0 58	366	1316	0 84		
321	3284	0 31	367	1347	0 30		
322	3385	0 12	368	1351	1 01		
323	3421/1	0 60	369	1336	0 20		
324	3408	0 21	370	1448	3 05		
325	3277	0 20	371	2905	0 31		
326	3279	0 28	372	2906	0 30		
327	3280	0 33	373	3581	0 96		
328	3281	0 28	374	3446/1	0 22		
329	3282	0 16	375	1476	0 17		
330	3283	0 39	376	1488	0 05		
331	3290	0 45	377	1489	0 15		
332	2928/1	0 02	378	1490	0 08		
333	2987	0 96	379	1491	0 23		
334	2988	0 86	380	1493	0 08		
335	2991	0 34	381	1498	0 14		
336	2982	0 15	382	1499	0 14		
337	2993	0 33	383	1487	0 06		
338	2994	0 09	384	1504	1 31		
339	1526	0 10	385	3003/1	0 17		
340	1528	0 14	386	3494	0 45		
341	1450	0 12	387	3312	0 17		
342	1451	0 27	388	3313	0 19		
343	1453	0 58	389	3314	0 70		
344	1454	0 70					
345	1178	0 07					

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
390	1 285	1 10	0 23	414	3115	0 23	
391	1 286	0 52		445	4116	0 23	
392	1 287	0 45		446	3117	0 21	
393	1 317	0 18		447	3118	0 18	
394	1 318	0 24		448	4974	0 17	
395	1 419	1 66		449	1510	0 64	
396	1 420	1 42		450	1525	0 41	
397	1 460	3 06		451	3918	0 75	
398	1 458	1 74		452	3544	0 37	
399	2903/1	0 04		453	3571	1 98	
400	1 532/1	1 85		454	3572	0 79	
401	1 452	6 02		455	3573	0 38	
402	1 328	10 54		456	3180	0 13	
403	1 334	0 69		457	3181	0 19	
404	1 376	0 43		458	3182	0 13	
405	1 339	0 53		459	3183	0 13	
406	1 340	0 17		460	3190	0 20	
407	1 445	0 33		461	3193	0 10	
408	1 446	0 21		462	3195	0 24	
409	1 417	1 98		463	3198	0 37	
410	1 478	0 20		464	3199	0 21	
411	1 479	0 24		465	3090/5970	0 08	
412	1 480	0 20		466	3387	0 18	
413	1 481	0 09		467	3388	0 21	
414	1 471	0 10		468	3389	0 27	
415	3177	0 52		469	3390	0 27	
416	1 329	0 13		470	3391	1 08	
417	1 330	1 20		471	3392	0 27	
418	1 331	6 38		472	3393	1 03	
419	1 342	0 63		473	3395	0 90	
420	1 348	0 96		474	3296	0 74	
421	1 349	5 40		475	3397	0 21	
422	1 350	0 61		476	3398	0 30	
423	1 353	0 37		477	3399	0 33	
424	1 311	0 03		478	3400	0 68	
425	1 312	0 03		479	3401	0 71	
426	1 313	5 64		480	2907	0 19	
427	3464	0 48		481	2908	0 21	
428	3465	0 90		482	2911	0 08	
429	3166	1 87		483	2913	0 31	
430	1213/5894/1	0 24		484	2914	0 19	
431	1 205	0 52		485	2915	0 11	
432	1 206	0 27		486	2916	0 12	
433	1 207	0 21		487	2917	0 17	
434	1 209	0 11		488	2918	0 20	
435	1 210	0 11		489	2921/1	0 06	
436	1 211	0 37		490	2926	0 03	
437	3092	0 15		491	2927	0 08	
438	3093	0 08		492	1439	0 61	
439	3094/1	0 04		493	3156	2 33	
440	3098/1	0 08		494	3250	0 24	
441	3099	0 10		495	3251	0 84	
442	3110/1	0 16		496	3219	0 37	
443	3111	0 24		497	3215	0 73	

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
498	3202		0 23	553	1509		0 51
499	1194/5973		0 28	554	1511		0 14
500	1193		1 15	555	1506		0 30
501	1194		0 08	556	3545		0 70
502	3456/1		0 20	557	3546		0 48
503	3578		0 20	558	3547		0 62
504	1380		0 82	559	3558		0 46
505	1381		0 51	560	3559		0 29
506	1382		0 78	561	3560		0 36
507	1511		0 96	562	1567		0 10
508	3512		0 38	563	3568		0 08
509	3514		0 49	564	3569		0 09
510	3515		0 71	565	3570		0 28
511	3517		0 18	566	3575		0 37
512	3518		0 23	567	3576		0 15
513	3519		0 11	568	3577		0 13
514	3520		0 14	569	3585/1		0 16
515	3521		0 14	570	3593/5624		0 14
516	3522		0 25	571	3593/5625		0 21
517	3537		0 12	572	3593/5626/1		0 24
518	1518		0 06	573	3593/5672/1		0 32
519	3539		0 28	574	3159/1		0 16
520	3540		0 07	575	3587/1		0 20
521	3549		0 47	576	3590		0 56
522	3550		0 61	577	3194		0 72
523	3551		0 26	578	3197		0 21
524	1402		0 55	579	3289		0 45
525	3495		0 72	580	3419/1		0 53
526	1212		0 84	581	3414		0 36
527	1173/1		1 90	582	1368		2 17
528	3065/1		0 62	583	1369		0 92
529	3542		1 11	584	1375		0 52
530	3493		2 90	585	1376		0 53
531	3543		1 58	586	1377/1		1 53
532	3541		0 23	587	3605		1 04
533	3574		0 66	588	1284		0 34
534	3637/1		0 68	589	1282		0 19
535	3614/1		0 92	590	1308		0 39
536	1423		0 48	591	1335		1 46
537	1482		0 48	592	1333		0 26
538	3178		0 99	593	1379/5603		0 39
539	1371		1 92	594	1283/1		2 43
540	1372		1 83	595	1321		1 04
541	1373		0 32	596	1322		1 70
542	1483		0 15	597	1361		4 52
543	3366		0 33	598	1362		8 30
544	1464		0 31	599	1363		3 84
545	3000/1		0 16	600	1367		3 16
546	1420		1 34	601	1379		3 12
547	3153/1		0 09	602	1385		1 05
548	1355		0 56	603	1419		2 02
549	1351		0 51	604	1424		0 09
550	1184		1 54	605	1432		3 98
551	1485		0 46	606	1500		1 18
552	1486		0 20	607	1501		1 04

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
608	1518	0 28		662	1298	0 20	
609	1529	0 32		663	1304	1 40	
610	1530	0 92		664	1196	0 94	
611	2876/1	0 60		665	3233	0 23	
612	2904/1	0 35		666	3234	0 75	
613	3513	0 56		667	1203	1 94	
614	2919	0 15		668	3158	0 13	
615	3109	0 23		669	3159	0 14	
616	3411	0 54		670	3200	0 09	
617	3120/1	0 59		671	3201	0 12	
618	3169	0 25		672	3203	0 36	
619	3364	0 54		673	3204	0 21	
620	3965	0 93		674	3205	0 08	
621	3372	0 43		675	3206	0 18	
622	3373	0 40		676	3207	0 20	
623	1452	0 37		677	3208	0 04	
624	1457	0 14		678	3210	0 04	
625	1458	0 11		679	3211	0 16	
626	1459	0 20		680	3221	0 21	
627	1460	0 16		681	3223	0 13	
628	1461	0 48		682	3225	0 16	
629	1462	0 08		683	3226	0 15	
630	1463	0 08		684	3227	0 10	
631	1465	0 40		685	3228	0 11	
632	1466	0 08		686	3230	0 10	
633	3374	0 23		687	3231	0 09	
634	3375	0 12		688	3232	0 21	
635	3384	0 10		689	1512	0 19	
636	3385	0 55		690	1513	0 13	
637	1454/1	0 26		691	1514	0 11	
638	3294	0 44		692	1515	0 12	
639	3129/1	0 23		693	1516	0 23	
640	3425/1	0 67		694	1517	0 21	
641	3371	0 57		695	3211/3827	0 07	
642	3406	0 16		696	3187	0 24	
643	3492	1 04		697	3338	0 33	
644	3460	2 26		698	3349	0 17	
645	3461	1 00		699	3340	0 18	
646	3462	0 48		700	3344	0 61	
647	3615/1	0 22		701	3345	1 53	
648	3449/1	0 17		702	405	0 19	
649	3357	0 84		703	1406	0 23	
650	1503	0 17		704	1448	0 46	
651	1504	1 02		705	1443	0 18	
652	1505	0 21		706	3404/5842	0 40	
653	1507	0 69		707	3380	0 06	
654	1508	0 73		708	3405	0 54	
655	3179	0 11		709	3435/1	0 25	
656	1291	0 26		710	1475	0 22	
657	3150/1	0 46		711	3324	0 13	
658	3214	3 28		712	3229	0 30	
659	3191	0 30		713	3188	0 10	
660	3192	0 21		714	3276	0 32	
661	1243	0 10		715	3599	0 62	

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(4)	(4)
716	1169/1	0.06		771	3657/1	0.15	
717	3293	0.14		772	3658/3	0.37	
718	3229/5825	0.15		773	3659/1	0.31	
719	3332	0.43		774	3660/1	0.80	
720	3176/1	0.80		775	3647/5734	0.30	
721	3286	0.40		776	3596	0.57	
722	3287	0.41		777	3554/5893	0.15	
723	3288	0.40		778	3246	0.15	
724	3307	0.27		779	3534/5834	0.70	
725	1425	1.18		780	3381/5845	0.17	
726	1427	0.78		781	2990/1	0.42	
727	1429	0.59		782	1344/5859	0.09	
728	3499	0.16		783	1343	0.35	
729	3242	0.41		784	1295	1.97	
730	3260	0.18		785	1455	0.72	
731	1180	0.64		786	1456	0.17	
732	1187	0.54		787	2995	0.91	
733	3302	0.53		788	3999/1	0.32	
734	3247	0.13		789	1277/1	0.25	
735	3267	0.31		790	1296	0.57	
736	1183	0.56		791	1297	1.20	
737	1185	0.32		792	3579	3.02	
738	1186	0.25		793	1325	1.48	
739	3295	0.15		794	1299	0.44	
740	3296	0.14		795	3001	0.17	
741	3297	0.15		796	1301	0.48	
742	3300	0.08		797	1345/1	0.34	
743	3301	0.08		798	1346	0.24	
744	3243	0.13		799	2996	2.15	
745	3257	0.24		800	3541/5662	0.08	
746	3258	0.25		801	3652	1.65	
747	3265	0.33		802	3653	1.13	
748	3266	0.27		803	3383	0.40	
749	3238	0.09		804	3185	0.29	
750	3239	0.27		805	3196	0.09	
751	3259	0.20		806	3304/5739	0.52	
752	3248	0.12		807	3315/5832	0.12	
753	3298	0.16		808	1472	0.21	
754	3299	0.06		809	1178/5844	0.38	
755	1181	0.56		810	3213	0.10	
756	1188	0.52		811	1194/5863	0.80	
757	1184	0.67		812	1492	0.09	
758	1182	0.64		813	1494	0.12	
759	3306	0.52		814	1496	0.11	
760	3240	0.25		815	3304	1.41	
761	3244	0.20		816	1193/5797	0.68	
762	3245	0.19		817	1303	0.63	
763	3333	0.44		818	3382	0.22	
764	3343	0.22		819	3220	0.13	
765	3627/5792	0.42		820	3211/5824	0.14	
766	3635	1.17		821	3209	0.24	
767	3651	1.65		822	3527/5623	0.33	
768	3654	0.29		823	3386	0.11	
769	3655	0.18		824	1176	0.60	
770	3656/1	0.41		825	1177	0.53	

1	2	3	4	1	2	3	4
826	3210/5828	0 14		880	3200/5988	0 05	
827	3211/5826	0 50		881	1365	0 25	
828	3621	0 31					
829	3625	0 15			जोड़	472 99	
830	1306/5884	1 96					
831	1306/5849	0 24			गोचर गमि		
832	3582/5886	0 60		882	1306	4 40	
833	3544/5897	0 28		883	1309	0 59	
834	3998	0 19		884	1378	4 85	
835	3444/1	0 51		885	1367/5597	0 55	
836	3589	0 51		886	3502	0 08	
837	3536/1	0 78		887	3564	0 32	
838	3601/5892	0 48		888	3565	3 09	
839	1595	0 41		889	3604	0 58	
840	3598	0 41		890	3612	0 20	
841	3594	0 57		891	1309/5673	0 34	
842	3308	0 77					
843	3632	0 85			जोड़	15 00	
844	3432	1 63					
845	3357	0 19			कुल जोड़	487 99	
846	3452/1	0 18					
847	3453/5979/1	0 14		1			
848	3516	0 20		2			
849	3390/5969	0 08		3			
850	3614/5976	0 12		4			
851	3359	0 80		प्राम बलगम प्रमात्र, नहसील अग्ला जिवा धेतकानल	7069	4 38	
852	3360	1 15		5	6936	0 04	
853	3361	1 40		6	6935	0 56	
854	1474	0 51		7	6937	0 63	
855	3360/5919	0 55		8	6936/7477	0 09	
856	3360/5919	0 21		9	7 45	0 08	
857	3361/1	0 12		10	7046	2 23	
858	3634/5915	0 33		11	6927	0 10	
859	3354/5912	0 24		12	6825	1 35	
860	3355/5913	0 25		13	6928	0 18	
861	3391/5971	0 41		14	6784	0 14	
862	2410/5953	0 18		15	6931	2 19	
863	3441/5950	0 07		16	6932	0 56	
864	3442/5951	0 20		17	7018	0 06	
865	3443/5952	0 07		18	7020	0 72	
866	3439/5954	0 44		19	7021	0 84	
867	1192/5957	0 16		20	7022	0 76	
868	1282/5979	0 06		21	7023	0 50	
869	1368/5980	0 12		22	6916	0 08	
870	1368/5981	0 26		23	6765	0 43	
871	3222	0 14		24	6776	0 50	
872	3204/5989	0 04		25	6778	1 31	
873	3161/5920/1	0 02		26	6779	0 39	
874	1279/5965	0 22		27	6779	1 05	
875	1305	0 56		28	6780	0 72	
876	1179/6003/1	0 84		29	6781	0 54	
877	2975	0 34		30	6782	1 34	
878	3253	0 20			6783	1 35	
879	3466/1	0 51			6802/7178	0 09	
					7070	0 61	

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
31	6893	0.09		86	6786/8167	0.44	
32	7101	0.68		87	7025	1.40	
33	7102	2.45		88	6790	0.22	
34	7103	1.05		89	6793	0.07	
35	7106	0.60		90	6795	0.19	
36	6841	1.12		91	6827/अ. 17	0.52	
37	6788	0.15		92	6986	6.18	
38	6789	0.07		93	6993	0.32	
39	6791	0.27		94	6993	0.16	
40	6792	0.04		95	6997	0.37	
41	6794	0.22		96	6920	0.23	
42	6796	0.18		97	6980	1.61	
43	6694	0.74		98	6981	0.51	
44	6721	0.02		99	6982	0.55	
45	7113	1.12		100	6864	0.10	
46	6967	0.13		101	6866	0.36	
47	6968	0.34		102	6868	0.31	
48	6969	0.31		103	6879	0.31	
49	6970	0.62		104	7050	1.44	
50	6971	0.51		105	7047	0.67	
51	6972	0.23		106	7104	0.10	
52	6850	1.51		107	7105	0.80	
53	6851	0.68		108	7107	1.12	
54	6853	1.20		109	6883	0.94	
55	6861	0.31		110	6884	0.06	
56	6862	0.41		111	6942	0.23	
57	6865	0.29		112	6940	0.39	
58	6869	0.11		113	6756	0.38	
59	6870	0.36		114	6414	0.19	
60	6871	1.13		115	7007	0.74	
61	6872	1.39		116	6798	0.29	
62	6873	0.41		117	6803	0.10	
63	6856	0.10		118	6975	2.44	
64	6859	0.39		119	6913	1.60	
65	6785	0.60		120	6686	0.14	
66	6785/8165	0.60		121	6804	0.06	
67	6785/8166	0.55		122	6797	0.38	
68	6786	0.43		123	6733	0.67	
69	6787	0.40		124	6714	1.92	
70	6787/8168	0.40		125	6453	0.88	
71	6787/8169	0.40		126	6454	0.70	
72	6787/8170	0.40		127	6455	0.23	
73	6787/8171	0.40		128	6456	0.08	
74	6787/8172	0.40		129	6457	0.23	
75	6457	1.00		130	7015	2.20	
76	6881	0.21		131	6910	0.17	
77	6857/8173	1.00		132	6955	0.09	
78	6857/8174	1.13		133	6957	0.15	
79	6857/8175	1.00		134	6960	0.11	
80	6881/8199	0.21		135	6962	0.06	
81	6874	0.30		136	6965	0.21	
82	6875	1.15		137	6892	0.11	
83	6876	1.29		138	7123	0.54	
84	6880	0.98		139	7142	0.63	
85	6877	0.31					

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
140	6978	0 19		195	6753	0 03	
141	6979	0 27		196	6990/7322	0 40	
142	6889	0 11		197	6990/7324	0 40	
143	6890	0 06		198	6991/7325	0 23	
144	7033	1 60		199	6991/7327	0 24	
145	7039	0 09		200	6990/7329	0 60	
146	6963	0 07		201	6990	0 60	
147	6956	0 29		202	6991/7330	0 15	
148	6961	0 09		203	6907	0 13	
149	6964	0 14		204	7039/7465	0 11	
150	7002	0 21		205	6754	0 41	
151	6906	0 14		206	6976	0 63	
152	6842	1 16		207	6734	0 17	
153	6805	0 66		208	6735	0 03	
154	6716	0 27		209	6736	0 40	
155	7035	0 86		210	6807	0 -	
156	7037	0 07		211	6808	0 56	
157	6984	3 95		212	7089	0 11	
158	7068	0 06		213	7071	0 12	
159	6915	0 56		214	7075	0 10	
160	6425	0 15		215	7076	0 15	
161	6934	0 60		216	7077	0 13	
162	6933	0 10		217	7078	0 13	
163	7001	0 16		218	7079	0 62	
164	7009	0 14		219	7080	0 12	
165	7011	0 13		220	7081	0 25	
166	7012	0 10		221	7082	0 20	
167	7016	1 04		222	7083	0 30	
168	6887	0 86		223	7084	0 19	
169	6836	0 91		224	7085	0 19	
170	6827/7318	0 16		225	7086	0 10	
171	6838	0 31		226	7087	0 16	
172	6839	0 90		227	7088	0 09	
173	6688	0 23		228	7090	0 39	
174	6918	0 21		229	7091	0 30	
175	6459	0 40		230	6888	0 10	
176	6460	0 58		231	6692	0 57	
177	7019	1 21		232	6816	0 12	
178	6882	0 41		233	6755	0 34	
179	6885	0 22		234	6767	0 56	
180	7108	0 24		235	6909	0 08	
181	7125	0 14		236	6909/7188	0 10	
182	7137	0 16		237	6802	0 09	
183	7138	0 09		238	7112	1 59	
184	7140	0 22		239	6794	0 21	
185	7052	1 05		240	7061	0 10	
186	7053	1 68		241	6891	0 11	
187	7055	0 16		242	7118	0 66	
188	7057	0 14		243	7147	0 32	
189	6770	0 53		244	7151	0 13	
190	6713	0 01		245	7031	1 15	
191	6451	1 31		246	6732	0 54	
192	6425	0 06		247	6740	0 22	
193	7026	0 04		248	6759	0 48	
194	7029	2 44		249	6761	0 61	

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
250	6817	0 17		305	6996	3 42	
251	6819	0 23		306	6911	0 80	
252	7003	0 23		307	6689	0 72	
253	7004	0 20		308	6981	3 25	
254	7006	0 19		309	6691	0 72	
255	6844	0 15		310	6985	0 85	
256	6846	0 15		311	6760	0 54	
257	6817	0 14		312	6821	0 45	
258	6818	0 15		313	6464	0 28	
259	6819	0 82		314	6465	0 12	
260	6845	0 15		315	6466/7522	0 21	
261	7040	0 75		316	7100	0 66	
262	6417	0 53		317	7041	0 54	
263	6446	1 30		318	7048	0 06	
264	6445	1 80		319	7036	0 39	
265	6441	0 20		320	6818	0 13	
266	6858	0 26		321	7027	0 51	
267	7047/7355	0 62		322	7028	0 26	
268	6983	0 27		323	7030	0 78	
269	6952	0 57		324	7149	0 08	
270	6917	0 12		325	7154	0 10	
271	6921	0 53		326	7155	0 04	
272	6922	0 09		327	7116	0 90	
273	6923	0 17		328	6959	0 11	
274	6927	0 18		329	6954	0 08	
275	6928	0 13		330	6958	0 63	
276	6929	0 08		331	6963	0 05	
277	6930	0 20		332	6966	0 32	
278	6944	0 17		333	6815	0 08	
279	6945	0 07		334	6707	0 01	
280	6946	0 11		335	6708	0 01	
281	6947	0 16		336	6711	0 06	
282	6948	0 10		337	6712	0 41	
283	6949	0 07		338	6730	0 15	
284	6950	0 17		339	6763	0 76	
285	6762	0 70		340	6771	0 51	
286	6768	0 28		341	7072	1 33	
287	6715	2 16		342	7073	0 02	
288	6775/7393	0 96		343	6833	0 19	
289	6764	0 40		344	6832	0 08	
290	6476	0 46		345	6830	0 25	
291	7071	1 04		346	6829	0 16	
292	6997/7463	0 30		347	6810	0 26	
293	7009	0 32		348	6811	0 02	
294	6997/7366	0 24		349	6812	0 04	
295	7024	1 20		350	6813	0 08	
296	6990/7366	0 82		351	6814	0 07	
297	6991/7326	0 27		352	6834	0 23	
298	6990/7320	0 55		353	6989	1 53	
299	6991	0 77		354	6775	1 65	
300	6990/7321	0 21		355	7059	2 16	
301	6990/7323	0 22		356	7060	0 70	
302	6462	0 14		357	6741	0 10	
303	6463	0 76		358	6837	0 36	
304	6466	0 69					

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
359	6843	0 34		414	6920/7531	0 23	
360	6800	0 19		415	6938	0 18	
361	6801	0 10		416	7042	1 33	
362	7111	1 70		417	7666	0 43	
363	6941	0 33		418	7067	0 33	
364	6943	0 12		419	7008	0 37	
365	6769	0 24		420	6766	0 16	
366	6895	0 15		421	6777	1 22	
367	7122	0 67		422	6896	1 16	
368	7143	0 46		423	7148	0 31	
369	6919	1 04		424	7117	0 95	
370	7119	0 34		425	6772	0 60	
371	7120	0 46		426	6773	0 25	
372	7032	1 98		427	6731	0 28	
373	7034	0 75		428	6806	0 48	
374	6855	0 31		429	6912	0 16	
375	6852	0 27		430	6986	0 45	
376	6854	1 24		431	6758	0 39	
377	6860	0 19		432	7048	0 57	
378	6863	0 36		433	7097	0 18	
379	6951	0 22		434	7099	0 96	
380	7044	0 19		435	6978/7371	0 20	
381	6939	0 26		436	6979/7323	0 06	
382	7043	0 23		437	6458	1 18	
383	7010	0 17		438	7152	0 19	
384	7013	0 17		439	7153	0 22	
385	7014	0 16		440	6911	0 17	
386	6468	1 47		441	6757	0 37	
387	6469	0 24		442	6450	1 18	
388	6997	1 08		443	7005	0 21	
389	7124	0 71		444	6737	0 48	
390	7141	0 44		445	6774	0 36	
391	7121	0 86		446	7146	0 46	
392	7144	0 30		447	6738	0 23	
393	7145	0 31		448	6988	1 11	
394	6973	3 67		449	6820	0 27	
395	6974	0 54		450	6461	0 09	
396	6846	0 41		451	6739	0 25	
397	6822	0 31		452	6477	0 27	
398	6824	0 42		453	6448	0 13	
399	6693	0 49		454	6449	0 34	
400	6823	0 43		455	6463/7213	0 12	
401	7017	1 78		456	6470	0 91	
402	7092	1 40		457	6471	0 19	
403	7093	0 11		458	6472	1 04	
404	7098	0 98		459	6473	1 45	
405	7109	1 46		460	6474	0 62	
406	7051	1 03		461	6475	0 19	
407	7110	1 85		462	6706	0 10	
408	7065	0 17		463	6878/7372	0 48	
409	7064	0 18		464	6978/7373	0 68	
410	7063	0 12		465	7068/7411	0 80	
411	7056	0 06		466	7047/7432	0 67	
412	6964/7529	0 21		467	6999	1 37	
413	6878/7530	0 22		468	6998	0 26	

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
469	7058		0.08	Manager,			
470	7107/7392		0.60	Captive Power	1	1421	0.16
471	6936/7476		0.28	Plant National			
472	6764/7502		0.40	Aluminium	2	1422	1.32
473	6788/7492		0.11	Company	3	3002	0.32
474	6792/7493		0.03	Limited, Angul.			
475	6794/7494		0.06	District:	4	1426	1.64
576	6946/7501		0.28	Dhenkanal,	5	1428	0.53
477	6918/7436		0.20	ORISSA.	6	1519	0.55
478	6689/7523		0.18		7	1520	0.27
479	7125/7538		0.12		8	1521	0.08
480	6878		0.11		9	1522	0.08
481	6926		0.17		10	1523	0.71
482	6831		0.08		11	3064/1	0.76
483	6809		0.35		12	3639/1	2.38
		जोड़	250.92		13	3640	1.29
		गोदर मुमि			14	1200	0.57
184	6467		0.59		15	1198	0.47
485	6867		0.11		16	1199	1.74
486	6905		0.65		17	2977	0.23
487	6659/2		4.60		18	2978	0.20
488	6659/1		0.73		19	2979	0.25
489	6850		1.50		20	2980	0.24
490	6687		0.10		21	2981	0.08
		जोड़	7.93		22	2982	0.07
		कुल जोड़	258.85		23	3268	0.08
					24	3269	0.36
					25	3264	0.54
					26	3241	0.42
		[का म ४(३७)/८१-धानु-४].			27	3342	0.24
		३०५० चौपाली, निवेशक			28	3160	0.13
					29	3362	0.71
					30	1338	0.65
					31	3337	0.16
					32	3447/1	0.27
					33	3455/1	0.27
					34	3463	2.00
					35	3628	0.76
					36	3629	0.24
					37	3630/1	0.25
					38	3633/1	0.68
					39	1527	0.12
					40	1448/5652	0.08
					41	2875/1	0.50
					42	1477	0.27
					43	2997	0.58
					44	1524	0.41
					45	1467	0.12
					46	1468	0.22
1	2	3	4				
Assistant Administrative	Village : Gotamara	Tahsil : Angul,	District : Dhenkanal		47	1469	0.11
					48	1470	0.41

TABLE

Designation of the officer	Serial No.	Categories of public premises and local limits of jurisdiction	Plot No.	Area (acres)
	1		2	3
Administrative		Village : Gotamara	Tahsil : Angul,	District : Dhenkanal

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
	49	3597	1.52		102	3353	0.40
	50	3601	0.15		103	3354	0.07
	51	3617	0.16		104	3355	0.09
	52	3618	0.21		105	3367	1.55
	53	3619	0.30		106	3368	0.28
	54	3620	0.33		107	3369	0.06
	55	3622	0.32		108	3341	1.13
	56	3623	0.14		109	3418	0.43
	57	3624	0.15		110	3423/1	0.63
	58	3626	0.15		111	1370	1.50
	59	3627	0.25		112	3433	1.88
	60	3631	0.32		113	3450/1	0.32
	61	3634	0.37		114	3434	0.45
	62	3641	0.2-		115	3501	0.88
	63	3642	0.31		116	3175	0.18
	64	3643	0.30		117	3174	0.24
	65	3645	0.20		118	173/1	0.05
	66	3646	0.27		119	3488	0.29
	67	3647	0.27		120	1387/5731	0.14
	68	3648	0.36		121	1387	0.28
	69	3649	0.38		122	3467	0.31
	70	3631/5873	0.67		123	3468	0.09
	71	1213	0.32		124	3469	0.07
	72	3523	0.22		125	3470	0.09
	73	3448/1	0.18		126	3471	0.06
	74	1197	0.15		127	3472	0.11
	75	1197/5577	0.38		128	3473	0.12
	76	1197/5578	0.62		129	3474	0.10
	77	3376	0.29		130	3475	0.23
	78	3100/1	0.27		131	3476	0.13
	79	3085/1	0.11		132	3477	0.13
	80	3901/1	0.14		133	3478	0.14
	81	3112/1	0.28		134	3479	0.33
	82	3113	0.12		135	3480	0.13
	83	3114	0.30		136	3481	0.16
	84	2983	0.31		137	3482	0.26
	85	2934	0.25		138	3483	0.10
	86	2985/1	0.13		139	3484	0.07
	87	1364	0.30		140	3485	0.33
	88	1386	1.34		141	3486	0.33
	89	3278	0.46		142	3487	0.33
	90	3381	0.07		143	3489	0.32
	91	3413	0.39		144	3490	0.27
	92	3437/1	0.18		145	3491	0.27
	93	3291	0.47		146	3644	0.57
	94	1292	1.83		147	3616	0.18
	95	3498	0.13		148	3636	0.14
	96	3500	0.24		149	3650	0.37
	97	3348	1.09		150	3292	0.57
	98	3349	0.10		151	3424/1	0.57
	99	3350	0.11		152	3436/1	0.26
	100	3351	0.30		153	3417	0.43
	101	3352	0.41		154	3496	0.66

1	2	3	4	1	2	3	4
	155	3487	0.23		207	1388	0.16
	156	3507	0.89		208	1389	0.18
	157	3508	0.31		209	1390	0.37
	158	3510	0.35		210	1391	0.15
	159	1303	2.50		211	1392	0.14
	160	1383	0.70		212	1393	0.88
	161	1384	0.77		213	1394	0.22
	162	3458/1	0.23		214	1395	0.06
	163	3589	0.58		215	1396	0.07
	164	1495	0.22		216	1397	0.03
	165	1497	0.08		217	1398	0.03
	166	3613	1.22		218	1399	0.10
	167	1295/5648	0.14		219	1400	0.11
	168	1288	4.25		220	1401	0.14
	169	1289	0.41		221	1402	0.27
	170	1290	0.40		222	1403	0.08
	171	1294	0.21		223	1404	0.07
	172	1300	1.41		224	3548	0.56
	173	1323	1.08		225	1417	0.12
	174	1324	1.22		226	1418	0.08
	175	1332	0.22		227	3552	0.24
	176	1326	0.92		228	3553	0.36
	177	3358	0.53		229	3554	0.28
	178	1366	0.96		230	3555	0.35
	179	3422/1	0.67		231	3556	0.17
	180	3186	0.30		232	3557	0.58
	181	3457/1	0.19		233	3562	0.23
	182	3404	0.30		234	3561	0.13
	183	3427/1	0.60		235	3563	0.14
	184	3428/1	0.29		236	3566	1.80
	185	3184	0.20		237	1433	0.22
	186	3431	1.16		238	1434	0.44
	187	1412	0.34		239	1435	1.04
	188	1413	0.32		240	3377	0.20
	189	1407	0.13		241	3378	0.41
	190	1408	0.09		242	3451/1	0.18
	191	1409	0.14		243	3587	0.61
	192	1410	0.15		244	3356	0.16
	193	1411	0.79		245	1449	1.32
	194	1414	0.25		246	3189	0.08
	195	1415	0.26		247	3394	0.22
	196	1416	0.26		248	3407	0.36
	197	1436	0.20		249	3439	0.53
	198	1437	0.29		250	3440	0.22
	199	1440	0.56		251	3441	0.19
	200	1441	0.23		252	3438	0.11
	201	1442	0.26		253	3442	0.80
	202	1444	0.11		254	3443	0.04
	203	1171/1	0.40		255	3412	0.42
	204	1172	0.68		256	3403	1.10
	205	1174	0.75		257	3249	0.17
	206	1175	0.76		258	3254	0.35
					259	3255	0.21
					260	3256	0.81

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
	261	1189	1.19		315	3277	0.30
	262	1190	0.43		316	3279	0.28
	263	1191	0.48		317	3280	0.33
	264	1192	0.76		318	3281	0.28
	265	3119	0.11		319	3282	0.16
	266	3120	0.11		320	3283	0.39
	267	3121	0.13		321	3290	0.45
	268	3151	0.04		322	2928/1	0.02
	269	3152	0.06		323	2987	0.96
	270	3153	0.04		324	2988	0.86
	271	3157	0.19		325	2991	0.34
	272	3216	0.67		326	2992	0.15
	273	3217	0.43		327	2993	0.33
	274	3218	0.15		328	2994	0.09
	275	3252	0.38		329	1526	0.10
	276	3309	0.14		330	1528	0.14
	277	3310	0.14		331	1450	0.12
	278	3311	0.42		332	1451	0.27
	279	3315	0.11		333	1453	0.58
	280	3316	0.19		334	1454	0.70
	281	3317	0.20		335	1178	0.07
	282	3318	0.15		336	3154	0.30
	283	3319	0.04		337	3155	0.18
	284	3320	0.05		338	3212	0.08
	285	3321	0.05		339	1208	1.13
	286	3322	0.07		340	3084/1	0.08
	287	3323	0.06		341	3592	0.54
	288	3324	0.08		342	3593/1	0.35
	289	3325	0.19		343	3594/1	1.58
	290	3326	0.27		344	1327	2.87
	291	3327	0.30		345	1473	0.20
	292	3328	0.32		346	3524	0.11
	293	3329	0.16		347	3525	0.19
	294	3330	0.15		348	3526	0.11
	295	3331	0.15		349	3527	0.14
	296	3334	0.13		350	3528	0.20
	297	3335	0.13		351	3529	0.04
	298	3336	0.13		352	3530	0.14
	299	3336	0.11		353	3531	0.07
	300	3237	0.31		354	3532	0.05
	301	3271/1	0.84		355	3533	0.27
	302	3270/1	0.80		356	3534	0.18
	303	3261/1	2.10		357	3535	0.09
	304	3580	0.65		358	3536	0.09
	305	3263/1	2.71		359	1533/1	2.44
	306	1281	0.35		360	1278/1	0.40
	307	1337	0.06		361	1279/1	0.30
	308	1431	0.53		362	1359	1.33
	309	3410	0.39		363	3172/1	0.08
	310	3265/1	0.58		364	1341	0.30
	311	3284	0.31		365	1315	17.96
	312	3285	0.12		366	1316	0.84
	313	3421/1	0.60		367	1347	0.30
	314	3408	0.21		368	1351	1.04

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
369	1356		0.30	424	1311		0.03
370	1448		3.05	425	1312		0.03
371	2905		0.31	426	1313		5.64
372	2906		0.30	427	3464		0.48
373	3581		0.96	428	3465		0.90
374	3446/1		0.22	429	3466		1.87
375	1476		0.17	430	1213/5494/1		0.34
376	1488		0.05	431	1205		0.52
377	1489		0.15	432	1206		0.27
378	1490		0.08	433	1207		0.21
379	1491		0.23	434	1209		0.31
380	1493		0.08	435	1210		0.31
381	1498		0.14	436	1211		0.37
382	1499		0.14	437	3092		0.15
383	1487		0.06	438	3093		0.08
384	1502		1.31	439	3094/1		0.04
385	3003/1		0.17	440	3098/1		0.08
386	3494		0.45	441	3099		0.10
387	3312		0.17	442	3110/1		0.16
388	3313		0.19	443	3111		0.24
389	3314		0.70	444	3115		0.23
390	1285		1.16	445	3116		0.23
391	1286		0.52	446	3117		0.21
392	1287		0.45	447	3118		0.18
393	1317		0.18	448	2974		0.07
394	1318		0.54	449	1510		0.64
395	1319		1.66	450	1525		0.41
396	1320		1.42	451	2918		0.75
397	1360		3.06	452	3544		0.32
398	1358		1.28	453	3571		1.98
399	2903/1		0.04	454	3572		0.79
400	1532/1		1.85	455	3573		0.38
401	1352		6.02	456	3180		0.13
402	1328		10.54	457	3181		0.19
403	1334		0.69	458	3182		0.13
404	1336		0.43	459	3183		0.13
405	1339		0.63	460	3190		0.20
406	1340		0.17	461	3193		0.10
407	1445		0.33	462	3195		0.24
408	1446		0.21	463	3198		0.27
409	1447		1.98	464	3199		0.21
410	1478		0.20	465	3090/5970		0.08
411	1479		0.24	466	3387		0.18
412	1480		0.20	467	3388		0.21
413	1481		0.09	468	3389		0.22
414	1471		0.10	469	3390		0.27
415	3177		0.52	470	3391		1.08
416	1329		0.13	471	3392		0.27
417	1330		1.20	472	3393		1.08
418	1331		6.38	473	3395		0.30
419	1342		0.63	474	3396		0.34
420	1348		0.96	475	3397		0.21
421	1349		5.40	476	3398		0.30
422	1350		0.61	477	3399		0.33
423	1358		0.37	478	3400		0.68
				479	3401		0.71

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
	480	2907	0.19		535	3614/1	0.92
	481	2908	0.21		536	1423	0.48
	482	2911	0.08		537	1482	0.48
	483	2913	0.31		538	3178	0.99
	484	2914	0.19		539	1371	1.92
	485	2915	0.11		540	1372	1.82
	486	2916	0.12		541	1373	0.32
	487	2917	0.17		542	1483	0.15
	488	2920	0.20		543	3366	0.33
	489	2921/1	0.06		544	1464	0.31
	490	2926	0.03		545	3000/1	0.16
	491	2927	0.08		546	1420	1.34
	492	1439	0.61		547	3453/1	0.09
	493	3156	2.33		548	1355	0.56
	494	3250	0.22		549	1354	0.51
	495	3251	0.84		550	1484	1.54
	496	3219	0.37		551	1485	0.46
	497	3215	0.73		552	1486	0.20
	498	3202	0.23		553	1509	0.51
	499	1194/5973	0.28		554	1511	0.14
	500	1193	1.15		555	1506	0.30
	501	1194	0.08		556	3545	0.70
	502	3456/1	0.20		557	3546	0.48
	503	3578	0.20		558	3547	0.62
	504	1380	0.82		559	3558	0.46
	505	1381	0.54		560	3559	0.29
	506	1382	0.78		561	3560	0.86
	507	3511	0.96		562	3567	0.10
	508	3512	0.36		563	3568	0.08
	509	3514	0.49		564	3569	0.09
	510	3515	0.73		565	3570	0.28
	511	3517	0.18		566	3575	0.27
	512	3518	0.23		567	3576	0.15
	513	3519	0.11		568	3577	0.15
	514	3520	0.14		569	3585/1	0.16
	515	3521	0.14		570	3592/5624	0.44
	516	3522	0.25		571	3592/5625	0.51
	517	3537	0.12		572	3593/5626/1	0.24
	518	3538	0.08		573	3593/5672/1	0.22
	519	3539	0.28		574	3459/1	0.16
	520	3540	0.07		575	3583/1	0.20
	521	3549	0.47		576	3590	0.56
	522	3550	0.61		577	3194	0.72
	523	3551	0.26		578	3197	0.21
	524	3402	0.55		579	3289	0.45
	525	3495	0.72		580	3419/1	0.53
	526	1212	0.84		581	3414	0.36
	527	1173/1	1.90		582	1368	2.17
	528	3065/1	0.62		583	1369	0.92
	529	3542	1.11		584	1375	0.52
	530	3493	2.90		585	1376	0.53
	531	3543	1.58		586	1377/1	1.53
	532	3541	0.23		587	3605	1.04
	533	3574	0.66		588	1284	0.34
	534	3637/1	0.68				

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
589	1282		0.19	644	3460		2.26
590	1308		0.39	645	3461		1.00
591	1335		1.46	646	3462		0.48
592	1333		0.26	647	3615/1		0.22
593	1379/3603		0.39	648	3449/1		0.17
594	1283/1		2.43	649	3357		0.84
595	1321		1.04	650	1503		0.17
596	1322		1.70	651	1504		1.02
597	1361		4.52	652	1505		0.21
598	1362		8.30	653	1507		0.69
599	1363		3.84	654	1508		0.73
600	1367		3.16	655	3179		0.11
601	1379		3.12	656	1291		0.26
602	1385		1.05	657	3150/1		0.46
603	1419		2.02	658	3214		3.28
604	1424		0.09	659	3191		0.30
605	1432		3.98	660	3192		0.24
606	1500		1.18	661	1293		0.10
607	1501		1.04	662	1298		0.20
608	1518		0.28	663	1304		1.40
609	1529		0.32	664	1196		0.94
610	1530		0.92	665	3233		0.23
611	2876/1		0.60	666	3234		0.75
612	2904/1		0.35	667	1203		1.94
613	3513		0.56	668	3158		0.13
614	2919		0.15	669	3159		0.14
615	3409		0.23	670	3200		0.09
616	3411		0.54	671	3201		0.12
617	3420/1		0.59	672	3203		0.36
618	3363		0.25	673	3204		0.21
619	3364		0.54	674	3205		0.08
620	3365		0.93	675	3206		0.18
621	3372		0.43	676	3207		0.20
622	3373		0.40	677	3208		0.04
623	1452		0.37	678	3210		0.04
624	1457		0.14	679	3211		0.16
625	1458		0.11	680	3221		0.21
626	1459		0.20	681	3223		0.13
627	1460		0.16	682	3225		0.16
628	1461		0.38	683	3226		0.15
629	1462		0.08	684	3227		0.10
630	1463		0.08	685	3228		0.11
631	1465		0.40	686	3230		0.10
632	1466		0.08	687	3231		0.09
633	3374		0.23	688	3232		0.21
634	3375		0.12	689	1512		0.19
635	3384		0.10	690	1513		0.13
636	3385		0.55	691	1514		0.11
637	3454/1		0.26	692	1515		0.12
638	3294		0.44	693	1516		0.23
639	3429/1		0.23	694	1517		0.21
640	3425/1		0.67	695	3211/5827		0.07
641	3371		0.57	696	3187		0.24
642	3406		0.16	697	3338		0.33
643	3492		1.04				

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
698	3339	0.17		752	3248	0.12	
699	3340	0.18		753	3298	0.16	
700	3344	0.61		754	3299	0.06	
701	3345	3.53		755	1181	0.56	
702	1405	0.19		756	1188	0.52	
703	1406	0.23		757	1184	0.67	
704	1438	0.46		758	1182	0.64	
705	1443	0.18		759	3306	0.52	
706	3404/5842	0.40		760	3240	0.25	
707	3380	0.06		761	3244	0.20	
708	3405	0.54		762	3245	0.19	
709	3435/1	0.25		763	3333	0.44	
710	1475	0.22		764	3343	0.22	
711	3224	0.13		765	3627/5972	0.42	
712	3229	0.30		766	3635	1.17	
713	3188	0.10		767	3651	1.65	
714	3276	0.32		768	3654	0.29	
715	3599	0.62		769	3655	0.18	
716	1169/1	0.06		770	3656/1	0.41	
717	3293	0.14		771	3657/1	0.15	
718	3229/5825	0.15		772	3658/1	0.37	
719	3332	0.43		773	3659/1	0.31	
720	3176/1	0.80		774	3660/1	0.80	
721	3286	0.40		775	3647/5734	0.30	
722	3287	0.41		776	3596	0.57	
723	3288	0.40		777	3554/5893	0.15	
724	3307	0.27		778	3246	0.15	
725	1425	1.18		779	3534/5834	0.70	
726	1427	0.78		780	3381/5845	0.17	
727	1429	0.59		781	2990/1	0.42	
728	3499	0.16		782	1344/5859	0.09	
729	3242	0.41		783	1343	0.35	
730	3260	0.18		784	1295	1.97	
731	1180	0.64		785	1455	0.72	
732	1187	0.54		786	1456	0.17	
733	3302	0.53		787	2995	0.91	
734	3247	0.13		788	2999/1	0.32	
735	3267	0.31		789	1277/1	0.25	
736	1183	0.56		790	1296	0.57	
737	1185	0.32		791	1297	1.20	
738	1186	0.25		792	3579	3.02	
739	3295	0.15		793	1325	1.48	
740	3296	0.14		794	1299	0.44	
741	3297	0.15		795	3001	0.17	
742	3300	0.08		796	1301	0.68	
743	3301	0.08		797	1345/1	0.34	
744	3243	0.13		798	1346	0.24	
745	3257	0.24		799	2996	2.15	
746	3258	0.25		800	3541/5662	0.08	
747	3265	0.33		801	3652	1.65	
748	3266	0.27		802	3653	1.13	
749	3238	0.09		803	3383	0.40	
750	3239	0.27		804	3185	0.29	
751	3259	0.20		805	3196	0.09	

I	2	3	4	I	2	3	4
	806	3304/5739	0.52		860	3355/5933	0.25
	807	3315/5832	0.12		861	3391/5971	0.44
	808	1472	0.21		862	3440/5953	0.18
	809	1178/5844	0.38		863	3441/5950	0.07
	810	3213	0.10		864	3442/5951	0.20
	811	1194/5863	0.80		865	3443/5952	0.07
	812	1492	0.09		866	3439/5954	0.44
	813	1494	0.12		867	1192/5957	0.16
	814	1496	0.11		868	1282/5979	0.06
	815	3304	1.41		869	1368/5980	0.12
	816	1193/5797	0.68		870	1368/5981	0.26
	817	3303	0.63		871	3222	0.14
	818	3382	0.22		872	3208/5989	0.04
	819	3220	0.12		873	3161/5920/1	0.02
	820	3211/5824	0.14		874	1279/5865	0.22
	821	3209	0.24		875	1305	0.56
	822	3627/5623	0.33		876	1179/6003/1	0.84
	823	3386	0.11		877	2975	0.34
	824	1176	0.60		878	3253	0.20
	825	1177	0.53		879	3426/1	0.51
	826	3210/5828	0.14		880	3200/5988	0.05
	827	3211/5826	0.50		881	1365	0.25
	828	3621	0.31			Total	472.99
	829	3625	0.15				
	830	1306/5884	1.96				
	831	1306/5888	0.24			Gochar land	
	832	3582/5886	0.60				
	833	3584/5887	0.28		882	1306	4.40
	834	2998	0.12		883	1309	0.59
	835	3444/1	0.53		884	1378	4.85
	836	3588	0.51		885	1367/5597	0.55
	837	3586/1	0.78		886	3502	0.08
	838	3601/5892	0.48		887	3564	0.32
	839	3595	0.41		888	3565	3.09
	840	3598	0.41		889	3604	0.58
	841	3598	0.57		890	3612	0.20
	842	3308	0.77		891	1309/5673	0.34
	843	3632	0.85			Total	15.00
	844	3432	1.63				
	845	3357	0.15			Grand Total	487.99
	846	3452/1	0.18				
	847	3453/5978/1	0.14			Categories of public premises and local limits of jurisdiction	
	848	3516	0.20				
	849	3390/5969	0.08				
	850	3614/5976	0.12				
	851	3359	0.80				
	852	3360	1.15				
	853	3361	1.40				
	854	1474	0.51				
	855	3360/5918	0.58			Village: Balaramprasad, Tahsil : Angul, District: Dhenkanal	
	856	3360/5919	0.24				
	857	3361/1	0.12		1	7069	4.38
	858	3633/5925	0.33		2	6936	0.04
	859	3354/5932	0.24		3	6935	0.56

1	2	3	4	1	2	3	4
4	6937	0.63		59	6870	0.36	
5	6936/7477	0.09		60	6871	1.13	
6	7045	0.08		61	6872	1.39	
7	7046	2.23		62	6873	0.41	
8	6924	0.19		63	6856	0.10	
9	6827	1.35		64	6859	0.39	
10	6825	0.48		65	6785	0.60	
11	6828	0.14		66	6785/8165	0.60	
12	6784	2.49		67	6785/8166	0.55	
13	6931	0.56		68	6786	0.43	
14	6932	0.06		69	6787	0.40	
15	7018	0.72		70	6787/8168	0.40	
16	7020	0.84		71	6787/8169	0.40	
17	7021	0.76		72	6787/8170	0.40	
18	7022	0.50		73	6787/8171	0.40	
19	7023	0.06		74	6787/8172	0.40	
20	6916	0.43		75	6857	1.00	
21	6765	0.50		76	6881	0.21	
22	6776	1.31		77	6857/8173	1.00	
23	6778	0.39		78	6857/8174	1.13	
24	6779	1.05		79	6857/8175	1.00	
25	6780	0.72		80	6881/8199	0.21	
26	6781	0.54		81	6874	0.30	
27	6782	1.34		82	6875	1.15	
28	6783	1.35		83	6876	1.29	
29	6802/7178	0.09		84	6880	0.98	
30	7070	0.61		85	6877	0.31	
31	6893	0.09		86	6786/8167	0.44	
32	7101	0.68		87	7025	1.40	
33	7102	2.45		88	6790	0.22	
34	7103	1.05		89	6793	0.07	
35	7106	0.60		90	6795	0.19	
36	6841	1.12		91	6827/7317	0.52	
37	6788	0.15		92	6986	6.18	
38	6789	0.07		93	6992	0.32	
39	6791	0.27		94	6993	0.16	
40	6792	0.04		95	6994	0.37	
41	6794	0.22		96	6920	0.23	
42	6796	0.18		97	6980	1.61	
43	6694	0.74		98	6981	0.51	
44	6721	0.02		99	6982	0.55	
45	7113	1.12		100	6864	0.10	
46	6967	0.13		101	6866	0.36	
47	6968	0.34		102	6868	0.31	
48	6969	0.31		103	6879	0.31	
49	6970	0.62		104	7050	1.44	
50	6971	0.51		105	7047	0.67	
51	6972	0.23		106	7104	0.10	
52	6850	1.51		107	7105	0.80	
53	6851	0.66		108	7107	1.12	
54	6853	1.20		109	6883	0.94	
55	6861	0.31		110	6884	0.06	
56	6862	0.41		111	6942	0.23	
57	6865	0.29		112	6940	0.39	
58	6869	0.11					

1	2	3	4	1	2	3	4
113	6756	0.38		169	6836		0.91
114	6412	0.19		170	6827/7318		0.16
115	7007	0.74		171	6838		0.64
116	6798	0.29		172	6839		0.90
117	6803	0.10		173	6688		0.23
118	6975	2.44		174	6918		0.21
119	6913	1.60		175	6459		0.40
120	6686	0.14		176	6460		0.58
121	6804	0.06		177	7019		1.21
122	6797	0.28		178	6882		0.41
123	6733	0.67		179	6885		0.22
124	6714	1.92		180	7108		0.24
125	6453	0.88		181	7125		0.14
126	6454	0.70		182	7137		0.16
127	6455	0.23		183	7138		0.09
128	6456	0.08		184	7140		0.22
129	6457	0.23		185	7052		1.05
130	7015	2.20		186	7053		1.68
131	6910	0.17		187	7055		0.16
132	6955	0.09		188	7057		0.14
133	6957	0.15		189	6770		0.53
134	6960	0.11		190	6713		0.01
135	6962	0.06		191	6451		1.31
136	6965	0.21		192	6425		0.06
137	6892	0.13		193	7026		0.04
138	7123	0.54		194	7029		2.44
139	7142	0.63		195	6753		0.03
140	6978	0.19		196	6990/7322		0.40
141	6979	0.27		197	6990/7324		0.40
142	6889	0.11		198	6991/7325		0.23
143	6890	0.06		199	6991/7327		0.24
144	7033	1.60		200	6990/7329		0.60
145	7039	0.09		201	6990		0.60
146	6963	0.07		202	6991/7330		0.15
147	6956	0.29		203	6907		0.13
148	6961	0.09		204	7039/7465		0.14
149	6964	0.14		205	6764		0.41
150	7002	0.21		206	6976		0.63
151	6906	0.14		207	6734		0.17
152	6842	1.16		208	6735		0.08
153	6805	0.66		209	6736		0.30
154	6716	0.27		210	6807		0.78
155	7035	0.86		211	6808		0.56
156	7037	0.07		212	7089		0.11
157	6984	1.95		213	7074		0.12
158	7068	0.06		214	7075		0.10
159	6915	0.56		215	7076		0.15
160	6925	0.15		216	7077		0.13
161	6934	0.60		217	7078		0.13
162	6933	0.10		218	7079		0.62
163	7001	0.16		219	7080		0.12
164	7009	0.14		220	7081		0.25
165	7011	0.13		221	7082		0.20
166	7012	0.10		222	7083		0.30
167	7016	1.04		223	7084		0.19
168	6887	0.66					

1	2	3	4	1	2	3	4
	224	7085	0.19		279	6945	0.07
	225	7086	0.10		280	6946	0.11
	226	7087	0.16		281	6947	0.16
	227	7088	0.09		282	6948	0.10
	228	7090	0.39		283	6949	0.07
	229	7091	0.30		284	6950	0.17
	230	6888	0.10		285	6762	0.70
	231	6692	0.57		286	6768	0.28
	232	6816	0.12		287	6715	2.16
	223	6755	0.34		288	6775/7393	0.96
	234	6767	0.56		289	6764	0.40
	235	6909	0.08		290	6476	0.46
	236	6909/7188	0.10		291	7071	1.04
	237	6802	0.09		292	6997/7363	0.30
	238	7112	1.59		293	7000	0.32
	239	6799	0.21		294	6997/7366	0.28
	240	7061	0.10		295	7024	1.20
	241	6891	0.11		296	6990/7366	0.28
	242	7118	0.66		297	6991/7326	0.27
	243	7147	0.32		298	6890/7320	0.55
	244	7151	0.13		299	6991	0.77
	245	7031	1.15		300	6990/7321	0.21
	246	6732	0.54		301	6990/7323	0.22
	247	6740	0.22		302	6462	0.14
	248	6759	0.48		303	6463	0.76
	249	6761	0.61		304	6466	0.69
	250	6817	0.17		305	6996	3.42
	251	6919	0.23		306	6914	0.80
	252	7003	0.23		307	6689	0.72
	253	7004	0.20		308	6981	3.25
	254	7006	0.19		309	6691	0.72
	255	6844	0.15		310	6985	0.85
	256	6846	0.15		311	6760	0.54
	257	6847	0.14		312	6821	0.45
	258	6848	0.15		313	6464	0.28
	259	6849	0.82		314	6465	0.12
	260	6845	0.15		315	6466/7522	0.21
	261	7040	0.75		316	7100	0.66
	262	6447	0.53		317	7041	0.54
	263	6446	1.30		318	7038	0.06
	264	6445	1.80		319	7036	0.39
	265	6444	0.20		320	6818	0.13
	266	6858	0.26		321	7027	0.51
	267	7047/7355	0.62		322	7028	0.26
	268	6983	0.27		323	7030	0.78
	269	6952	0.57		324	7149	0.08
	270	6917	0.12		325	7154	0.10
	271	6921	0.53		326	7155	0.04
	272	6922	0.09		327	7116	0.90
	273	6923	0.17		328	6959	0.11
	274	6927	0.18		329	6954	0.08
	275	6928	0.13		330	6958	0.63
	276	6929	0.08		331	6963	0.05
	277	6930	0.20		332	6966	0.32
	278	6944	0.17		333	6815	0.08

1	2	3	4	1	2	3	4
334	6707	0.01		389	7124		0.71
335	6708	0.01		390	7141		0.44
336	6711	0.06		391	7121		0.86
337	6712	0.41		392	7144		1.30
338	6730	0.15		393	7145		0.31
339	6763	0.76		394	6973		3.67
340	6771	0.51		395	6974		0.54
341	7072	1.33		396	6826		0.41
342	7073	1.02		397	6822		0.31
343	6833	0.19		398	6824		0.42
344	6832	0.08		399	6693		0.29
345	7830	0.25		400	6823		0.43
346	6829	0.16		401	7017		1.78
347	6810	0.26		402	7092		1.49
348	6811	0.02		403	7093		0.11
349	6812	0.04		404	7098		0.98
350	6813	0.08		405	7109		1.46
351	6814	0.07		406	7051		1.03
352	6834	0.23		407	7110		1.85
353	6989	1.53		408	7065		0.17
354	6775	1.65		409	7062		0.18
355	7059	2.16		410	7063		0.12
356	7060	0.70		411	7056		0.06
357	6741	0.10		412	6864/7529		0.21
358	6837	0.36		413	6878/7530		0.22
359	6843	0.34		414	6920/7531		0.23
360	6800	0.19		415	6938		0.18
361	6801	0.10		416	7042		1.33
362	7111	1.70		417	7066		0.43
363	6941	0.33		418	7067		0.33
364	6943	0.12		419	7008		0.37
365	6769	0.24		420	6766		0.46
366	6895	0.15		421	6777		1.22
367	7122	0.67		422	6896		0.16
368	7143	0.46		423	7148		0.31
369	6919	1.04		424	7117		0.95
370	7119	0.34		425	6772		0.60
371	7120	0.46		426	6773		0.25
372	7032	1.96		427	6731		0.28
373	7034	0.75		428	6806		0.48
374	6855	0.31		429	6912		0.16
375	6852	0.27		430	6886		0.45
376	6854	1.34		431	6758		0.39
377	6860	0.19		432	7048		0.57
378	6863	0.36		433	7097		0.18
379	6951	0.22		434	7099		0.96
380	7044	0.19		435	6978/7371		0.20
381	6939	0.26		436	6979/7423		0.06
382	7043	0.22		437	6458		1.18
383	7010	0.17		438	7152		0.19
384	7013	0.17		439	7153		0.22
385	7014	0.16		440	6911		0.17
386	6468	1.47					
387	6469	0.24					
388	6997	1.08					

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
441	6757		3.37		489	6840	1.15
442	6450		0.18		490	6687	0.10
443	7005		0.21				
444	6737		0.48				
445	6774		0.56				
446	7146		0.46				
447	6738		0.25				
448	6988		1.11				
449	6820		0.27				
450	6461		0.09				
451	6739		0.25				
452	6477		0.27				
453	6448		0.13				
454	6449		0.34				
455	6463/7213		0.12				
456	6470		0.91				
457	6471		0.19				
458	6472		1.04				
459	6473		1.45				
460	6474		0.62				
461	6475		0.19				
462	6706		0.10				
463	6978/7372		0.48				
464	6978/7373		0.68				
465	7068/7411		0.80				
466	7047/7432		0.67				
467	6999		1.37				
468	6998		0.26				
469	7058		0.08				
470	7107/7392		0.60				
471	6936/7476		0.28				
472	6764/7502		0.40				
473	6788/7492		0.11				
474	6792/7493		0.03				
475	6794/7494		0.06				
476	6936/7501		0.28				
477	6918/7436		0.20				
478	6689/7523		0.18				
479	7125/7538		0.12				
480	6878		0.11				
481	6926		0.17				
482	6831		0.08				
483	6809		0.35				
	Total		250.92				
	Gochar Land						
484	6467		0.59				
485	6867		0.11				
486	6905		0.65				
487	6659/2		4.60				
488	6659/1		0.73				

निर्माण और आवास संप्रालय

नयी दिल्ली, 2 जून, 1983

का०आ० 2582.—यत् केन्द्रीय सरकार का दिल्ली की बृहद माजना/केन्द्रीय विकास योजना में यहाँ तीनों भूमि योजना के बारे में कठिपय संशोधन करने का प्रस्ताव है जिसे दिल्ली विकास अधिनियम 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के अन्तर्गत 14 अगस्त, 1982 के नोटिस मा०ए० 20(2)/82 एम०पी० द्वारा उक्त नोटिस तीस दिन के भीतर आपनिया/सुझाव मानने के लिये प्रकाशित किया गया था जैसे कि उक्त अधिनियम की धारा 11ए, की उपधारा (3) में अनेकत है।

और यत् केन्द्रीय सरकार ने प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार करने के बाद दिल्ली की बृहद योजना/केन्द्रीय विकास योजना में तथा कठिन संशोधन करने का निर्णय फिया है।

अन् अब उक्त अधिनियम की धारा 11ए की उपधारा (2) में प्रदत्त 1-नयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जिस तिथि से यह अधिनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जायगी, उस तिथि में दिल्ली की बृहद योजना/केन्द्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः

संशोधन :

क्षेत्र ई-5 (डॉ० आई० जेड० लैन) में पड़न वाली 1-17 हैक्टेयर (2.895 एकड़) भूमि जो कि 45.72 मीटर बृहद योजना सड़क (मार्किट रोड) परिवर्त्तन की ओर 26 मीटर चौड़ी भूमि पट्टी है और जो रिहायरी भू उपयोग (हैवलफ इक्वियर इम्प्रेरी आफिस) और 13.72 मीटर चौड़ी सड़क (नयी दिल्ली नगर पालिका के न्यार्टर्स जाने वाली) के बीच वो है, का भू उपयोग रिहायरी उपयोग (0.78 ए.) और ऐक्शनिक उपयोग (0.39) ग्रास्ट्वार्क उपयोग में बदला जाता है।

[सा०क० 13011/1/82८०८०-२(ए)]
क० क० म० स० स०, डैस्ट्रैक्टर अधिकारी

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 2nd June, 1983

S.O. 2582.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 20(2)/82-MP dated the 14th August, 1982 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objections and suggestions have been received with regard to the said modifications, the Central Government have decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11-A of the said Act, the Central

Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan with effect from the date of publication of this modification in Gazette of India, namely,

MODIFICATION.

The land use of an area measuring 1.17 hecs (2.895 acres) falling in Zone D 5 (DIZ area) in the form of 26 mtrs wide strip of land along the western side of 45.72 metres Master Plan road (Market Road) in between the residential land used (Havelock Square Iqbal Office) and 13.72 metres wide road (leading to New Delhi Municipal Committee quarters) is changed from residential use (0.78 hecs) and 'educational use' (0.39 hecs) to 'Industrial use'.

[No K-13011/1/82-DDII A]
K K SAXENA, Desk Officer

धर्म संथा पुनर्वास मंत्रालय

(क्रम विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 11 मई 1983

क्रा० आ० 2583 —गारा पारा० का धर्म और राजगार मन्त्रालय का अधिकृत नाम का ना० 459 दिनांक 5 परवरी 1961 द्वारा गठित धर्म त्यागालय जिस का मुख्यालय तगलीर मे० स्थित है के पीढ़ावीन संप्रिणार वा पाद रिक्त हो गया है।

अब जब आशांकित विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 8 के उपनिषद के अनुसार मे० केन्द्रीय सरकार श्री कौ० शै० बै० वै० का पूर्वानुष गठित धर्म त्यागालय मे० नियुक्त बरती है।

[गो प्रस० 11020(4)/81 डैम्प-1 (८)]
गो प्रस० 11020(4)/81 डैम्प-1 (८)]

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION (Department of Labour)

ORDER

New Delhi, the 11th May, 1983

S.O. 2583.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Labour Court with headquarters at Bangalore constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Employment No S.O. 459 dated the 5th February, 1963;

Now therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoint, Shri K B Vaidya, as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid

[No S-11020/9/81-D I(A)]
S H S IYER, Under Secy

पुनर्वास विभाग

नई दिल्ली 27 मई, 1983

क्रा० आ० 2584. विस्थापित व्यक्ति (प्रतिपूर्ति तथा पुनर्वास अधिनियम 1961 (1961 का 44) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयाग वरत हू० केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग मे० उप अधिकृत श्री कौ० शै० बै० वै० का उक्त अधिनियम के द्वारा अवश्य उसके अन्तर्गत मयूरन मन्त्र बन्दोबस्तु आयुक्त का सौप गये वार्ताएँ का निपादन करने के लिए सम्मुचित मात्र अन्वारण आवश्यक न हो मे० नियुक्त बरती है।

[गो १/८/९३-विशेष सेवा ३/गांव II (ख)]

(Department of Labour)

DGLT

ORDERS

New Delhi, the 4th June, 1983

S.O. 2586 — In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 8 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961), the Central Government, after consultation with the Central Apprenticeship Council, hereby determines that for the designated trades specified in column 1 of the Table below, the ratio of trade apprentices to workers, other than un-skilled workers, in that trade shall be as indicated in column 3 thereof :

TABLE

Designated Trade	Code number of National Classification of occupation (1968 pattern)	Ratio
		Apprentices Workers other than unskilled workers
Fitter Structural	874 65	1 7
		[No DGET-2/7/82 AP (II)2]

का० आ० 2587.—केन्द्रीय सरकार, जिला अधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा ५ का उपचारण (1) के अनुमति में और केन्द्रीय गिरजा परिषद् में पायगाम वर्तने के पश्चात् यह अवधारण करती है कि तोचे श्री गौरु माणा दे नंबर १ में जिन्हिंदि अधिनियम अवधारण के लिए अवृश्यक वर्तकारों ते जिस भिन्न वर्तकारों का जिला यथवगाम अनुपात यह इस गों मार्गी के गोंबं ३ में उपलिखित किया गया है।

अधिनियम वर्तवाप	काट म (एम) उप-	प्रत्यापात
जीविका वा गार्डर		
वर्गनियन (1968 पैटन)	जिला अवृश्यक वर्तकारों में विश्व कर्माता	

1	2	3
१ रमेशपा (शाकाहारी)	५२०.२०	१ ५
२ स्ट्रॉड ५१.४०, ५३९.२०/३०		१ ५
३ नानवाई या हस्ताई	७७०.१०	१ ५
४ गुरु प्रबधक	५१०.१०	१ ५
५ इटल लिपिक या स्वापनकर्ता या ज्येष्ठ कार्यालय महायक	३२५.१०	१ ५

[संख्या डीर्जीईटी ४/५/८२-पी.पी.(II)]
एस० गुरु, अवृश्यक वर्तवाप

S.O. 2587.—In pursuance of sub-section (1) of section 8 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961), the Central Government after consultation with the Central Apprenticeship Council, hereby determines that for the designated trades specified in column I of the Table below, the ratio of trade apprentices to workers, other than unskilled workers in that trade shall be as indicated in column 3 thereof:—

Designated Trades	Code No. (s)	Ratio	National Classification of Occupations (1968 pattern)	
			Apprentices	Workers other than unskilled workers.
1	2	3		
१. Cook (Vegetarian)	५२०.२०	१	:	५
२. Steward	५२१.४०, ५३९.२०/३०	१	:	५
३. Baker or confectioner	७७०.१०	१	:	५
४. House Keeper	५१०.१०	१	:	५
५. Hotel Clerk or Receptionist or Front Office Assistant	३५२.१०	१	:	५

[N. DGET-2(5)/82-AP(H)]
S. GARUPPA, Under Secy

lation to the establishment known as Messrs Kanchan Chegipal Works (P) Ltd., Gharpur, P.O. Tribeni, Distt. Hooghly (WB) including its Head Office at 7, Rabindra Sarani (4th Floor) Calcutta-700001, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(40)/83-P.F. II]

का० आ० 2589.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जे० डी० जॉन्स एण्ड कम्पनी लिमिटेड ३४ केनल सॉल्ड रोड कलकत्ता-१० नामक स्थापन से सम्बद्ध, नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०- 35017/40/83-पी० एफ० २]

New Delhi, the 2nd June, 1983

S.O. 2588.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in re-

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35017/34/83-पी० एफ० २]

S.O. 2589.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs J. D. Jones and Company Limited, 34, Canal South Road, Calcutta-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(34)/83-PF II]

का० आ० 2590—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मिनको ऊवैलरी पैलेस 118 राम बिहारी एवं न्यू कलकत्ता-700029 नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. प्रा० -35017/41/83-पी० एफ० 2]

S.O. 2590.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Senco Jewellery Palace, 118, Rash Behari Avenue, Calcutta-700029, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(41)/83-PF. III]

का० आ० 2591—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लखनी कार्मसिथर कारपोरेशन 2 कार्तिक चन्द दत्त रोड हावड़ा नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. प्रा० -35017/42/83-पी० एफ० 2]

S.O. 2591.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lakhani Commercial Corporation, 2, Kartik Chand Dutt Road, Howrah-711101, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35017(42)/83-PF. III]

का० आ० 2592—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इर्जिनियरिंग कॉन्सलटेंट्स 6/3 न्यू रोड, आलीपुर कलकत्ता-700027 (ईंडिया) नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं. प्रा० -35017/43/83-पी० एफ० 2]

S.O. 2592.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Engineering Consultants 6/1, New Road, Alipore, Calcutta-700027, India, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35017(43)/83-PF.II]

का० आ० 2593—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कैबल एम्सोरीज फाल्टी रोड दत्ता-पुकौर बारासत 24 परगाना बैस्ट बंगल 43 एफ औरिन्टरौ, कलकत्ता-17 स्थित उसके मुख्य कार्यालय सहित नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और उसके कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. प्रा० -35017/44/83-पी० एफ० 2]

S.O. 2593.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cable Accessories, Falti Road, Duttapukur, Barasat, 24, Parganas, West Bengal including its head office at 43F, Orient Raw, Calcutta-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35017(44)/83-PF.II]

का० आ० 2594—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पुलमैन क्रेनश प्राइवेट लिमिटेड 32, गणेश चन्द एवेन्यू, कलकत्ता-700013 नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण

उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. प्रम. 35017/45/83-पी. एफ. 2]

S.O. 2594.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pullman Cranes Private Limited, 32, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-700013, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(45)/83-PF.II]

का० आ० 2595.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जॉ. कॉ. ट्रेडिंग कम्पनी 196/198, मध्यून स्ट्रीट, भगवान भूवन, पहली मंजिल, बम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. प्रम. 35018/24/83-पी. एफ. 2]

S.O. 2595.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs J. K. Trading Company, 196/198, Samuel Street Bhagwan Bhavan, 1st Floor, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(24)/83-P.F. II]

का० आ० 2596.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बी. न्यू ग्रेट गिरणी कामगार सहकारी पतपेडी मर्यादी, 25-29, आ० बाबा साहिब आबेडकर रोड, वाईकुला गुड्स डिपो के मामने बम्बई-400027 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. प्रम. 35018/25/83-पी. एफ. 2]

S.O. 2596.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The New Great Girni Kamagar Sahakari Pat-Pedhi Maryadit, 25-29, Dr. Ambedkar Road, Opp. Byculla Goods Depot, Byculla, Bombay-27, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S 35018(25)/83-PF.II]

का० आ० 2597.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हवेली नालुका लिफ्ट इरिगेशन फैक्ट्रीशन मार्केट हाउकडी गैराज, 408/1, क्वलटकडी, स्वार्गट, पुणे-4111009 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. प्रम. 35018/26/83-पी. एफ. 2]

S.O. 2597.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Haveli Taluka Lift Irrigation Federation, C/o Hunderkari Gurage, 408/1, Gultekdi, Swargate, Pune-411009, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(26)/83-PF.II]

का० आ० 2598.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बांड बाक्स बांडिंग्स एण्ड स्टेनर्स, सकिया मंजिल, नवरोजी, हिल रोड न० 11-बी, बम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[सं. प्रम. 35018/27/83-पी. एफ. 2]

S.O. 2598.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bind Box Book Binders and Stationers, Safia Manzil, Navroji Hill Road No. 11-B, Bombay-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(27)/83-PF. II]

का० आ० 2599.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वैन्स यूलर्स प्राइवेट लिमिटेड, 5, रेसिडेंसी रोड, सदर, नागपुर अपने रेलवे असिंग, छिन्दवाडा रोड, नागपुर स्थित कार्यालय एवं फैक्ट्री महिन नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/28/83-पी०एफ०-2]

S.O. 2599.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Wox Coolers Private Limited, 5, Residency Road, Sadar, Nagpur including Registered Office and factory at Railway Crossing, Chhindwara Road Nagpur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018-(28)/83-PF. II]

का० आ० 2600.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कम्पेक्स इन्जिनियरिंग, 228/229, मंगलवार, पुना-411011 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/29/83-पी०एफ०-2]

S.O. 2600.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Compax Engineering, 228/229, Mangalwar, Poona-411011, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952, (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(29)/83-PF.II]

का० आ० 2601.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शीतल क्रेट एंड ब्राक्स मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी डी-204/ए, घाटकोपर इंडस्ट्रियल स्टेट, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत ही गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[सं० एस०-35018/30/83-पी०एफ०-2]

S.O. 2601.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shital Crate and Box Manufacturing Company D-204-A, Ghat-Kopar Industrial Estate, L.B. Shashtri Marg, Ghat-Kopar (W) Bombay-86, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(30)/83-PF. II]

का० आ० 2602.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेशनल इन्�श्यूरेन्स अकादमी, बोम्बे लाइफ बिल्डिंग, द्वार्सी मजिस्ट्रेट, 45-47, वीर नारीमन रोड, फोर्ट, बम्बई-400001 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[सं० एस०-35018/31/83-पी०एफ०-2]

S.O. 2602.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs National Insurance Academy, Bombay Life Building, 2nd Floor, 45-47, Veer Nariman Road, Fort, Bombay-400001, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(31)/83-PF.II]

का० आ० 2603.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स उमरखाडी कन्जयुमर्स को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, 7वा नावराजी हिल रोड, डोंगारी

बम्बई-9, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[सं. एस०-३५०१८/३२/८३-पी०एफ०-२]

S.O. 2603.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Umarkhadi Consumers' Cooperative Society Limited, 7th Nowroji Hill Road, Dongari, Bombay-400009, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/(32)/83-P.F. II]

का० आ० 2604.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लिबर्टी इन्वेस्टमेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, 83, जैल रोड (साउथ) बम्बई-9 तथा उसकी शाखा, 302, दालामल हाउस, 206, नारीमन पाइट, बम्बई-21 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस०-३५०१८/३३/८३-पी०एफ०-२]

S.O. 2604.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Liberty Investments Private Limited, 83, Jail Road, (South) Bombay-9 including its branch at 302, Dalamal House, 206, Nariman Point, Bombay-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(33)/83-P.F.II]

का० आ० 2605.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ओरसन विडिओ, (प्राइवेट) लि०, 46/47, घूसी एस डी एफ विलिंग, सीपज, अन्धेरी, मुम्बई-96 जिसके अन्तर्गत 209/210, "अर्काडिया" बैकबे रिक्सेमेशन नरिमन पाइट, मुम्बई-2 स्थित इसका रजिस्ट्रीकूट कार्यालय भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की

बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए—

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[सं. एस०-३५०१८/५३/८२-पी०एफ०-२]

S.O. 2605.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Orson Video (Private) Limited, 46/47, 2nd SDP Building, Seepz, Andheri, Bombay-96 including its Registered Office at 209/210, "Arcada" Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-24 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(53)/82-PF.II]

का० आ० 2606.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स उमा शंकर इंजीनियरिंग बर्स, 689, उद्यमबाग, बेलगांव, कर्नाटक राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, (1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस०-३५०१९/११९/८३-पी०एफ०-२]

S.O. 2606.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Uma Shankar Engineering Works, 689, Udyambag, Belgaum, Karnataka State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(119)/83-PF.II]

का० आ० 2607.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जेमिनी आर्ट प्रिट्स 196, भारथीयार रोड कोयम्बटूर-18 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/(121)/83-पी०एफ०-2]

S.O. 2607.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gemini Art Printers, 196, Bharathiyar Road, Coimbatore-18, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(121)/83-PF.II]

का० आ० 2608.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बी० एस० सुमित्रा, एजेंट्स, इण्डियन एक्सप्रेस एण्ड दिनमानी (एक्सप्रेस प्रूप आफ पेपर्स), डा० नानजप्पा रोड, कोयम्बटूर-18 नमिल नाडू राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के पबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(122) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2608.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs B.S. Sumitra, Agents, Indian Express & Dinamani (Express Group of Papers), Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18, Tamil Nadu State have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(122)/83-PF.II]

का० आ० 2609.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ऐरो मिट्रो इंडस्ट्रीज, प्राइवेट लिमिटेड, मुपर प-7, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गुइन्डी, मद्रास-600032 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(132) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2609.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Aero Marine Industries (Private) Limited, Super A-7, Industrial Estate, Guindy, Madras-600032, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(132)/83-PF. II]

का० आ० 2610.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ए० बी० एस० प्रोजेक्शन मर्किम, नं० 38, आरकोट रोड, मद्रास-26 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(133) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2610.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs A.V.M. Projection Service, No. 38, Arcot Road, Madras-26, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(133)/83-PF. III]

का० आ० 2611.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्लास्टोग्राफ एक्टर्स, 43-23-3, डोन्डापार्थी जंक्शन, विशाखापटनम-530016 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(146) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2611.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Blastogrit Contractors, 43-23-3, Dondaparthy Junction, Visakhapatnam-530016, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(146)/83-PF.III]

का० आ० 2612.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्माल फारमर्स एवं लोपमेन्ट एजेंसी, नागरकोइल, कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट, नमिल नाडु राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(150)/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2612.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Small Farmers Development Agency, Nagercoil, Kanyakumari District, Tamil Nadu State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment,

[No. S-35019(150)/83-PF.II]

का० आ० 2613.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मुदर्शन फीड्स, जगदीश बाग, रायपुर, हुबली धारवाड़ रोड, हुबली-580025 तथा इसके प्रशासनिक कार्यालय, 9150, शादमजी बिल्डिंग, नालीगिन रोड, हुबली-580013 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(151)/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2613.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sudarshan Feeds, "Jagdish Baug", Rayapur, Hubli Dharwad Road, Hubli-580025 including its Admin. Office at 9150; Shadamji Building, Neeluin Road, Hubli-580029, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(151)/83-PF.II]

का० आ० 2614.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुरज डेविल कारपोरेशन, 677, भागीरथपुरा, मालवा, बनासपति रोड, इंदौर-452003 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर

सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(153)/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2614.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suraj Trading Corporation, 677, Bhagirathpura, Malwa, Vanaspatti Road, Indore-452003, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Act, 1952 (19 of 1952), should be applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No.S-35019(153)/83-PF.II]

का० आ० 2615.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गांधीनगर बोटलिंग प्राइवेट लिमिटेड, जी० आई० डी० सी०, इंडस्ट्रियल स्टेट, गांधीनगर, गुजरात नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-3/5019(155)/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2615.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gandhinagar Bottling Private Limited, G.I.D.C. Industrial Estate, Gandhinagar, Gujarat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(155)/83-P.F. III]

का० आ० 2616.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जैम इल्कट्रो मैकेनीकल्ट, ई-155, रोड नं० 12 एच, विष्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर (राजस्थान) नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस/35019(156)/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2616.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gem Electro Mechanicals, E-155, Road No. 12-H, Vishwa-Karma Industrial Area Jaipur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(156)/83-P.F. III]

कांग्रेस 2617.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मंडेलिया केमिकल्स, बिरलाग्राम, नगदा, उज्जैन, मध्य प्रदेश और इसका मुख्य कार्यालय सेचूरी भवन, डा० अश्वी बम्बन्त रोड, वरली, बम्बई-400025, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(157) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2617.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs B.L.K. Printers, Near I.C.C. Buildings, Guntur-1, Andhra Pradesh, including its Head office at Century Bhawan, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400025, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(157)/83-P.F.II]

कांग्रेस 2618.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जिला सहकारी भूमि विकास बैंक निमिटेड, मण्डला, मध्य प्रदेश तथा इसकी शाखाएँ (1) नैनपुर, मण्डला और (2) डीन्डोरी मण्डला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[नं०एस०-35019(158) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2618.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs District Co-operative Land Development Bank Ltd, Mandla, Madhya Pradesh including its branches at (1) Nainpur, Mandla and (2) Dindori, Mandla, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(158)/83-P.F. II]

कांग्रेस 2619.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बी०एल० के० प्रिन्टर्स, समीप आई० सी०सी० ब्रिलिंगम्स, गुट०-१ आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(159) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2619.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs B.L.K. Printers, Near I.C.C. Buildings, Guntur-1, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies as the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(159)/83-P.F. II]

कांग्रेस 2620.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एन०एस०एम० ट्रांसपोर्ट्स, डी-२ ई, बालासुब्रायालू नाइडू स्ट्रीट, ईरोड-२, तमिलनाडु राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं०एस०-35019(160) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2620.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs N.S.M. Transports, D-2, E-Balasubrayalu Naidu Street, Erode-2, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(160)/83-P.F.II]

कांग्रेस 2621.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रबर प्रोडक्ट्स, 203 लिंघी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(161) 83-पी०एफ० 2]

S.O. 2621.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rubber Products, 203, Linghi Chetty Street, Madras-600001, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(161)/83-P.F. II]

का०आ० 2622.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शंकर ट्रेडिंग कम्पनी, 198, लिंघीचेटी स्ट्रीट, मद्रास-600001 नथा उमकी (1) 14, जयमाल स्ट्रीट, मद्रास-18 और (2) 20, अबरडस बाजार, पोर्ट ब्लेर, अंडमान स्थित शाखाएँ नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं०एस-35019/162/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2622.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shankar Trading Company, 198, Linghi Chetty Street, Madras-600001, including its branches at (1) 14, Jayamal Street, Madras-18 and (2) 20, Aberdes Bazaar, Port Blair, Andaman, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(162)/83-P.F.II]

का०आ० 2623.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साउदर्न सिवचबेअर एम्प्लाईज कन्जुमर्स कोअपेरेटिव स्टोर्स लिमिटेड, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, मद्रास-600058 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं०एस-35019/164/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2623.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in

relation to the establishment known as Messrs Southern Switchgear Employees' Consumers Cooperative Stores Limited, Industrial Estate, Madras-600058, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(164)/83-PF.II]

का०आ० 2624.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डाइलैक्ट्रो मैनेटिक्स लिमिटेड, कुट्टीपुरम-679571, थावानूर गांव, तालुक पेन्नानी, जिला मालापुरम, केरल राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/165/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2624.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Diclectro Magnetics Limited, Kuttipura-679571, Thavanur village, Pennani Taluk Malapuram District, Kerala State have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(165)/83-PF. II]

का०आ० 2625.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कन्सोलीडेटिव सिस्टम्स, अप्सरा आरकोडे, वालटेअर मेन रोड, विशाखापटनम-530002 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/167/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2625.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Consolidated System, Apsara Arcade, Waltair Main Road, Visakhapatnam-530002, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. 35019(167)/83-PF.II]

का०आ० 2626.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राधाराम रोड़ सहाकार मंच नियमित, शिरगुप्पा रोड़, बेल्लारी-583101, कर्नाटक राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं० एम-35019/169/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2626.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ragharam Sahakara Sangha Niyamita, Siruguppa Road, Bellary-583101, Karnataka State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(169)/83-PF.II]

का०आ० 2627.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनिवर्सल बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, 5, अंसारी रोड (दरया-गंज) पोस्ट बाक्स नं० 7015, नई दिल्ली-110002 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं० एम-35019/170/83-पी०एफ० 2]

S.O. 2627.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Universal Book Distributors, 5, Ansari Road, (Daryaganj) Post Box No. 7015, New Delhi-110002, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(170)/83-PF. II]

का० आ० 2628.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स छाउतन एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, 4838/24, अंसारी रोड, दरया-गंज, नई दिल्ली-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/172/83-पी० एफ० 2]

S.O. 2628.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Crown Exports Private Limited, 4838/24, Ansari Road Daryaganj, New Delhi-110002, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(172)/83-PF.II]

का० आ० 2629.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंटरमैटल प्राइवेट लिमिटेड, 20-ए, वसंत लोक कम्पलैक्स, वसंत बिहार, नई दिल्ली-110057 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं० एम-35019/173/83-पी० एफ० 2]

S.O. 2629.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Intermetal Private Limited, 20-A, Vasant Lok Complex, Vasant Vihar, New Delhi-110057, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(173)/83-PF. III]

का० आ० 2630.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुभाष ब्रार्ड्स, 9/1651, बाला जी रोड, सूरत (गुजरात) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म

चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य भिधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019/174/83-पी०एफ०II]

S.O. 2630.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Subhash Brothers, 9/1651, Balaji Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(174)/83-PF.II]

का० आ० 2631.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जनरल ओवरसीज मार्किटिंग प्राइवेट लिमिटेड, मी-2, कोमयूनिट सेटर, नारायण विहार, नई दिल्ली-28 (इंडिया) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019/175/83-पी०एफ०II]

S.O. 2631.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs General Overseas Marketing Private Limited, C-2, Community Centre, Naraina Vihar, New Delhi-28 (India), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(175)/83-PF.II]

का० आ० 2632.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वंसन ट्रेडिंग कम्पनी, 6692/1, खारी बावली दिल्ली-6 समेत इस की शाखा माजीथ मन्डी, अमृतसर (पंजाब) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की

उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019/176/83-पी०एफ०II]

S.O. 2632.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bansal Trading Company, 6692/1, Khariboli, Delhi-6 including its branch at Majith Mandi, Amritsar (Punjab), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(176)/83-PF. II]

का० आ० 2633.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विभूतनदास गोवनभाई जरी बाला, 9/1797, बाला जी रोड, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019/177/83-पी०एफ०III]

S.O. 2633.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tribhovandas Govanbhai Jariwala, 9/1797, Balaji Road Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(177)/83-PF. II]

का० आ० 2634.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आन्ध्र प्रदेश स्कूर्ट्स लिमिटेड, पट्टनचेरू, भेड़क डिस्ट्रिक्ट, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(178)/83-पी०एफ०II]

S.O. 2634.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Andhra Pradesh Scooters Limited, Pattancheru, Medak District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(178)/83-PF. II]

का० शा० 2635 .—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स न्यू बैंगलौर इंजीनियरिंग कम्पनी, (प्रा०) लिमिटेड महाबालेश्वर, काण्डी रोड, बैंगलौर, कर्नाटक राज्य नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मंद्या एस-35019(180)/83-पी०एफ०-II]

S.O. 2635.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs New Mangalore Engineering Company (Private) Limited, Mahabaleshwara Kadri Road, Mangalore, Karnataka State, have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(180)/83-PF. II]

का० शा० 2636 .—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिव शंकर राष्ट्रस एन्ड ग्राउन्ट आइल मिल, पेट्टामंथीरेटा, डाक्टर-भाईरी पुरम, जिला विजयनगरम, अन्ध्र प्रदेश राज्य नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मंद्या एस-35019(181)/83-पी०एफ०-II]

S.O. 2636.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Siva Sankara Rice & Groundnut Oil Mill, Pedamathripeta, Bhyripuram P.O., Vizayanagaram District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident

Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(181)/83-PF. II]

का० शा० 2637 .—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री निवासापेस्मल चिट फॉडस, 94-ए डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, टाटाबाद, कोयम्बटूर-12, तमिलनाडू राज्य नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019(182) 83-पी०एफ०-II]

S.O. 2637.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Srinivasaperumal Chit Funds, 94-A, Dr. Rajendra Prasad Road, Tatabad, Coimbatore-12, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(182)/83-P.F. II]

का० शा० 2638 .—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्लू नील बार एन्ड रेस्टोरेंट कांग्रेस ऑफिस रोड, विजयवाड़ा-520002, अन्ध्र प्रदेश राज्य नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019(183) 83-पी०एफ०-II]

S.O. 2638.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Blue Nile Bar & Restaurant, Congress Office Road, Vijayawada-520002, Andhra Pradesh States, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(183)/83-PF. II]

का० आ० 2639.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पाम्पा एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, 36/435, मुल्लासरी कैनल रोड, अरनाकुलम, कोचीन-682011 (कानायापुर तालुक, गांव तथा जिला-अरनाकुलम), केरल राज्य नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वह संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019(184)/83-पी० एफ०-II]

S.O. 2639.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pampa Exports (Pvt.) Ltd., 36/435, Mullassery Canal Road, Ernakulam, Cochin, 682011 (Kanayunur Taluk, Ernakulam Village and District) Kerala State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(184)/83-PF. II]

का० आ० 2640.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पाम्पा ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, XXXVI /435, मुल्लासरी कैनल रोड, अरनाकुलम, कोचीन 682011, केरल राज्य तथा शाखाएं (1) ए०पी०II/498, इंडस्ट्रीयल एरिया अरुर (2) ए०पी० II/852, ई०ए० अरुर [3] XXVIII/647-ए, पालारीवट्टम, कोचीन-25 सहित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत को गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019(185)/83-पी० एफ०-II]

S.O. 2640.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pampa Trade & Commerce Private Limited, XXXVI/435, Mullassery Canal Road, Ernakulam, Cochin-682011, Kerala State including its branches at (1) A.P. II/498, Industrial Estate, Aroor, (2) A.P. II/852, Industrial Estate, Aroor and (3) XXVIII/647-A, Paravattam, Cochin-25, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S.35019(185)/83-PF.II]

का० आ० 2641.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मुकेश कुमार ए०ए० ग्राहस, तालोड, डिस्ट्रिक्ट सोबरकान्था नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019(186)/83-पी० एफ०-II]

S.O. 2641.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mukesh Kumar and Brothers, Talod, Distt. Sabarkantha, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S.35019(186)/83-PF. II]

का० आ० 2642.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जीर्गेर फाइंडरी ए-1-गणेश इंडस्ट्रियल इस्टेट नागरवाल हनुमान रोड, अपो : कोमट हाउस, गांधीयल अहमदाबाद नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019(187)/83-पी० एफ०-II]
ए० के० भट्टराई, अवर सचिव

S.O. 2642.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jigar Foundry, A-1, Ganesh Industrial Estate, Nagarvel Hanuman Road, Opp. Comet House, Rakhiyal Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S.35019(187)/83-PF. II]
A. K. BHATTARAI. Under Secy.

New Delhi, the 31st May, 1983

S.O. 2643.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery Ranipur sub-Area of Eastern Coalfields Ltd. P.O. Dishergarh, Distt. Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 28-5-83.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 100/80

PARTIES:

Employers in relation to the management of Ranipur Colliery, Ranipur Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Dishergarh (Burdwan).

AND

Their workmen

APPEARANCES:

For the Employers—Shri T. P. Chowdhury, Advocate.
For the Workmen—Smt. Susmita Chakravorty, Advocate
for the C.M.E.U.

INDUSTRY : Coal

STATE : West Bengal

Dated, the 20th May, 1983

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 referred the dispute to the Central Govt. Industrial Tribunal, Calcutta under Order No. L-19012(57)/77-D. IV. B, dated the 6th October, 1979. Subsequently the dispute has been transferred to this Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ranipur Sub-Area of Western Coalfields Ltd., P.O. Dishergarh (Burdwan) in terminating the services of Smt. Mejhan and 34 others workmen (names given in the Annexure) with effect from 1-1-1975 was justified. If not to what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURE

Names of the workmen of Ranipur Colliery of Eastern Coalfields Ltd., whose services were terminated in January, 1975.

1. Smt. Srimoti Mejhan
2. Smt. Bandani Mejhan
3. Smt. Mongli Mejhan
4. Smt. Lakhi Mejhan
5. Smt. Sohagi Mejhan
6. Smt. Kamal Bouri
7. Smt. Fulmoni Mejhan
8. Sh. Bandi Manjhi
9. Smt. Sonamoni Mejhan
10. Sh. Tuka Manjhi
11. Smt. Badani Mejhan
12. Sh. Santi Bouri
13. Smt. Parvati Mejhan
14. Sh. Mahadev Bouri
15. Smt. Dulali Bouri
16. Sh. Sukurmuni Mejhan
17. Smt. Madhu Manjhi
18. Sh. Sadhu Manjhi
19. Smt. Hopni Mejhan
20. Sh. Guhiram Bouri

21. Smt. Sagar Bauri
22. Sh. Mangli Mejhan
23. Smt. Chota Mangli Mejhan
24. Sonamoni Mejhan
25. Smt. Sadhmoni Mejhan
26. Sh. Thakran Mejhan
27. Smt. Parvati Majhan
28. Sh. Sham Manjhi
29. Smt. Kandoni Mejhan
30. Sh. Basoni Bouri
31. Smt. Netai Bouri
32. Sh. Pano Mejhan
33. Smt. Kausalya Mudi
34. Sh. Paresh Mudi
35. Smt. Ramswarup Bhuiin.

2. It may be stated that the dispute was originally raised before the management as also before the A.L.C. by the Coal Mines Employees Union in the year 1971 and conciliation was accordingly held which ended in failure on 3-10-77. Subsequently the matter was referred to this Tribunal by the Ministry of Labour vide their Order dated 6-10-79. Originally therefore, only the Coal Mines Employees Union was a party to the Reference. It, however, appears that subsequently the management filed a petition praying to make Colliery Mazdoor Congress also a party to the dispute besides another union known as Colliery Mazdoor Sabha. The Colliery Mazdoor Sabha however did not file any written statement and supported the case of the Coal Mines Employees Union. The Colliery Mazdoor Congress subsequently on being made party filed written statement in this case and has contested it.

3. From the terms of Reference, however, it will appear that as many as 35 workmen are involved and all of them were working as loaders under the Ranipur Colliery. According to the Coal Mines Employees union these 35 persons are the persons whose case has been sponsored by them. But according to the Colliery Mazdoor Congress they are not the genuine persons and they have submitted a separate list of 27 persons who according to them are the genuine workers concerned in this case. Thus the very identity of the workmen is in dispute in the present reference.

4. The case of the Coal Mines Employees Union is that the concerned workmen were employed in the Ranipur Colliery of erstwhile Equitable Coal Co. Ltd., since prior to the nationalisation of the mines in 1973 and were doing loading work and other jobs. The loading, unloading, stacking and picking of coal are the permanent nature of jobs in the colliery but the management kept these workmen as casual workmen. Prior to nationalisation Ranipur Colliery employed 412 persons at Ranipur Colliery Depot, out of them the management made 250 workmen permanent and 162 workmen were left out though the workmen who were left were senior to those who were made permanent. The workmen concerned are among those who are left out. It is submitted that though the concerned workmen worked even after nationalisation under the present management and also received bonus for the year 1973 but they were stopped from work with effect from 1-1-1975. It is also stated that the names of these 35 workmen were in the pay sheet maintained in the colliery and those pay sheets were called for before the A.L.C. Asansol in which their names appeared.

5. After stoppage of work the concerned workmen authorised this union to take up the dispute with the management and the union submitted a demand to the Sub-Area Manager endorsing a copy of the same to the Manager, Ranipur Colliery on 3-5-1977 and thereafter the dispute was raised before the A.L.C. and after conciliation it ended in failure on 5-10-1977 as stated above.

6. It is further stated that when the matter was pending before the Government the management of Ranipur Colliery issued a notice dated 14-2-1979 informing the Secretaries of all the unions that the workmen involved in the dispute can get work as approved by the Managing Director and the claimants were directed to bring with them attested copy of photograph from the respective B.D.O/P.S. along with full particulars.

7. It is submitted that after failure of the conciliation proceedings or higher authorities considered the demand of the workmen as just and legal for which the Managing Director gave approval for reinstatement of the workmen in the year 1978 and the Sub-Area Manager also asked the Manager, Ranipur Colliery to give employment to them. But the management of Ranipur Colliery did not execute the order and issued a notice as mentioned above on 14-2-1979 to all the unions in order to make the matter complicated though he knew that the case was sponsored by the Coal Mines Employees Union only. As a result of this a few unions tried to create trouble and wanted to give employment to fictitious persons. It is submitted that the names as submitted by this union are the genuine names and they are the genuine workers of the colliery and hence they should be reinstated from 1-1-1975 with full back wages and be declared permanent workmen of the colliery.

8. The Colliery Mazdoor Congress (H.M.S.) now known as Janta Colliery Mazdoor Congress in their written statement have stated that this union was previously known as Colliery Mazdoors Congress which has all along been functioning in the Ranipur Colliery. Subsequently, however, this union was divided into 2 groups, one known as Kulkarni group and the other known as Vashist group and accordingly the Colliery Mazdoor Congress split up into 2 groups. This union remained under the Kulkarni group and entire workmen of Ranipur colliery were under them and under the same Office Bearer with Sri Sahdeo Singh as President and the union is now as Janta Colliery Mazdoor Congress (H.M.S.).

9. It is also stated that the concerned workmen are members of this union and much before the order of Reference this union raised the instant dispute with the employer's and the employers by their letter dated 14-2-1979 requested all the unions to identify the concerned workmen so that they may be offered employment and accordingly this union produced the photographs of the concerned workmen before the management for necessary action. It is however stated that while the matter was pending before the management the Coal Mines Employees Union took up the case before the A.L.C. and got reference made. According to them the 27 workmen whose case has been propounded by them are the genuine persons and they may be given employment.

10. The case of the management, however, is that the present reference is not maintainable as there is no dispute between the employer and employee. They have also challenged the locus standi of the Coal Mines Employees Union to raise the dispute. On merits it is stated that on the relevant date i.e. on 1-5-1973 when the mine was nationalised the 35 casual workmen whose list was given by the union to the A.L.C. were not employed at the Colliery. Further even if it may be assumed that the said 35 workmen had worked at the colliery prior to nationalisation, their work was of a casual nature and hence they had no right to continue in employment. It is submitted that the work of wagon loader was done at this colliery under contract upto April, 1974 after which the contract system was abolished pursuant to the Govt. order and the management engaged the casual workmen previously working under the contractors according to the number as required by them. But the 35 workmen as per list of the union never reported for work even after 1974.

11. It is, however, submitted that for the first time in the year 1977 the union alleged that the names of the said 35 workmen have been deleted by the management from the rolls with effect from January, 1975 and after the dispute was raised by the union on 3-8-1977 and before the reference was made to the Tribunal on 5-10-79 the present management issued a notice on 14-2-79 to all the unions for giving work to these workmen and directed to produce attested copy of photograph from respective B.D.O./P.S. In proof of their identity and after the issue of this notice the Colliery Mazdoor Congress which was functioning in the colliery and another union raised claim and counter-claim with regard to the identity of the workmen concerned and each of them submitted photographs and other particulars which were diverse and different. In the circumstances the matter of identification of the concerned workmen became very complicated with the result that the management could not take any decision over the matter.

12. During the course of hearing it was urged on behalf of the management that they are ready to take 35 workmen as their employees but this may be done only after their identity is fully established. It is also submitted by them that this Court cannot decide the identity of the genuine workmen and the proper course for both the unions will be to move the Civil Court and get the matter of identification decided and then approach the management for their employment.

13. On the above grounds it is prayed that the Reference be decided in favour of the management.

14. The point for consideration is as to whether the action of the management of Ranipur Sub-Area of Western Coalfields Ltd., in terminating the services of the concerned workmen with effect from 1-1-1975 is justified. If not, to what relief are the concerned workmen entitled.

15. One of the main contention of the management is that the Coal Mines Employees Union has got no locus standi to sponsor this dispute and it is not functioning in Ranipur Colliery. The management, however, has not adduced any evidence in support of this fact. The other union viz. the Janta Colliery Mazdoor Congress has examined WW-35 Shri Mahendra Singh, General Secretary who has stated that the Coal Mines Employees Union never functioned in this colliery but it is not supported by any document. The only document filed on behalf of the management, however, is Ext. M-1 which is copy of an exparte award in Reference Case No. 51/78 passed by the Calcutta a Tribunal on 2-11-1982 in which it was held that this union had no appreciable number of workmen in this colliery and that appreciable number of workmen never authorised the union to spouse the cause of the workmen and so the said union had no authority or locus standi to raise the dispute. This award, however, is an exparte one as the union could not appear in that Reference during the time of its hearing.

16. Before this Court the union, however, has filed its membership register for the year 1977 marked Ext. W-2 and the counter-foils Ext. W-16 series. Ext. W-7 is an application dated 20-4-77 signed by these workmen and addressed to the President of this union requesting him to take up this case. On the basis of this authorisation the union raised the dispute before the Sub-Area Manager by their letter dated 3-5-1977 Ext. W-8. Ext. W-10 is the letter to the A.L.C. dated 3-8-1977 raising the dispute of these workmen by this union. Ext. W-9 is a letter by the A.L.C. dated 5-8-1978 to the Sub-Area Manager directing him to discuss the matter. The union has also filed copy of the minutes of the meeting dated 18-3-1979 (Ext. W-12) showing that the union was sponsoring the cause of these workmen. Besides these documents the workmen who have been examined on behalf of this union as also WW 33 Sri Gour Hari Roy who was then member of the Executive Committee of this union has been examined and has stated that this union was and is functioning in this colliery. The union has also filed Exts. W-18 & W-19 which are two awards of this Court in which it has been held that this union has got locus standi to raise such dispute.

17. Considering the above evidence, I hold that the Coal Mines Employees has got locus standi to raise the dispute and it was authorised by the workmen to spouse their case. The Reference, therefore, cannot be said to be bad on this score.

18. It was next urged on behalf of the management that there is no dispute between the management and the workmen in the present case and the management is ready to take 35 persons but their identity should be established first. It is submitted that as the management never refused to give them employment and so the question of termination of their services with effect from the date as alleged does not arise at all.

19. This contention of the management also is not tenable. It will appear that the dispute was for the first time raised by the Coal Mines Employees Union on 3-5-77 when the matter was taken up before the management vide letter Ext. W-8. By a letter Ext. W-10 dated 3-8-77 this very union raised the dispute before the A.L.C. who issued notice Ext. W-9 to the management. The other union viz. Janta Colliery Mazdoor Congress was then not in the

picture at all nor the said union ever took part in the conciliation proceeding before the A.L.C. The contention of the management that there is no dispute between the employer and employee is belied from the failure report Ext. W-15 dated 16th/17th October, 1977. In this failure report the A.L.C. has stated the case of both the parties that is of the management and the union was put up before him. From this failure report it will appear that the management took up the plea that the workmen in the dispute were casual wagon loaders which had been submitted by the union also and as casual wagon loaders they had no right to claim permanency in the colliery and hence the management has rightly terminated their services. Thus the management admitted before the A.L.C. that being casual wagon loaders the services of the concerned workmen had been rightly terminated.

20. On the above document, therefore, it cannot be held that there was no dispute between the workmen and the management. The management, however, while the matter was pending before the Govt. issued a letter on 14-2-79 to all the unions intimating that they were ready to give the 35 workmen employment but their identity should be proved. In the circumstances as the management had admitted the termination of services of 35 workmen, apparently there was an industrial dispute between the management and the workmen and therefore the Reference in question must be deemed to be legal and valid as the present one is an industrial dispute.

21. From the pleadings as also submission of the parties it is clear that the management is ready to give employment to 35 workmen and the question now is regarding their identity only. The Coal Mines Employees Union claim that the list of 35 workmen which they submitted before the management as also before the A.L.C. are the genuine workmen and they should be given employment. As against this Janta Colliery Mazdoor Congress submitted a list of 27 workmen and their submission is that they are the genuine workmen. It may, however, be mentioned at this stage that though this union claim that they have given 29 names but from the evidence it will appear that the number is 27 only and the names submitted by this union is in haphazard manner.

22. It may also be stated that in the terms of Reference the parentage or other details of the workmen are not mentioned at all. The two lists given by the two unions show that the parentage and residence of the workmen differ though the name is common. It was however urged on behalf of the management that this Tribunal cannot decide the identity of the workmen concerned and the proper course should have been for the unions to get the matter decided by Civil Court. But in my opinion if there is sufficient evidence before this Tribunal and the matter is decided here there is no legal bar to give finding on the identity of the workmen concerned and the award cannot be said to be illegal on that score.

23. It is, therefore, to be seen as to which of the list of concerned workmen is genuine and who are the workmen entitled to get employment under the management.

24. It has already been mentioned that the Janta Colliery Mazdoor Congress never raised any dispute regarding the employment of the concerned workmen before the A.L.C. nor they took part in the conciliation proceeding. Though WW-35 Sri Mahendra Singh, claiming to be the General Secretary of Janta Colliery Mazdoor Congress has stated that he had raised the dispute before the management but there is no document in this regard. The only document filed on behalf of his union is a letter dated 19-2-79 (Ext. W-17) written on his behalf to the Chairman-cum-Managing Director, Eastern Coalfields in which he claimed that the General Secretary had written to the Managing Director in May '76 regarding enrolment of some of the workmen but no step was taken by the management. Thus there is no document on the record to show that this union ever raised any industrial dispute regarding the employment of the workmen as named in the terms of reference. As against this the Coal Mines Employees Union raised this dispute with the management vide their letter dated 3-5-77 Ext. W-8 and a subsequent letter dated 3-8-77 was written to the A.L.C. raising the dispute. After conciliation as stated

earlier failure report was submitted to the Government by a letter dated 16-10-77. No action was taken by the Govt. and long after the management issued a notice dated 13-2-79 (Ext. W-4) mentioning that the Managing Director has approved to take Smt. Mejhana and 34 others in casual list of wagon loaders of the colliery and to offer them work as and when available and this was as per letter dated 16-8-78. The names of 35 workmen are mentioned in this notice and it was directed that the claimant should bring along with them attested copy of photograph from the respective B.D.O./P.S. along with full particulars. This is under the signature of Superintendent/Manager and a copy of it was sent to all the Union Secretaries. The management knew that the question of 35 workmen had been raised by the Coal Mines Employees Union only and the proper course for them was to issue notice to that union only. But for reasons best known to the management such notice was issued to all the unions. Further the management had already decided to take these 35 workmen in their employment even by their earlier letter dated 16-8-78 and the question was only regarding the fixation of their identity. This identity could easily have been fixed by the management by employing their own sources or by examining the documents filed by either of the union even if such notice was issued to the other unions. It appears that as the Janta Colliery Mazdoor Congress was a recognised union of the management and hence only to complicate the matter such a notice was issued when that union had not raised any dispute before the A.L.C. Now even if this union filed any list of workmen on the basis of the notice Ext. W-4 then in that case also it was not very difficult for the management to decide the genuineness or identity of the workmen concerned, but it was kept vague and the management did not take any decision in the matter. As the management did not take any decision in the matter the Coal Mines Employees union wrote to the Ministry again and then the present reference was made.

25. The Coal Mines Employees Union on the basis of the letter dated 16-8-78 and the letter dated 14-2-79 (Ext. W-4) submitted 33 heads of photographs of 33 workmen with their parentage or husband's name and their photographs were duly attested by the Pradhan of the village as well as by the B.D.O. through Shri Gour Hari Roy, Secretary.

26. It may be stated at this very stage that Sri Gour Hari Roy has signed this letter as Secretary Hon. Colliery Mazdoor Sabha of India (CITU) and it was contended on behalf of the other union as also the management that the Coal Mines Employees Union never submitted any photograph. In this connection, however, the evidence of Sri Gour Hari Roy who has been examined as WW-33 on behalf of the Coal Mines Employees Union is relevant. He has stated that he was member of the Executive Body of the Coal Mines Employees Union and he had dealt with this case with the management on behalf of the said union and he also held negotiation with the management regarding these workers. He has further stated that Sri Samiran Chakravorty was the General Secretary at that time. He also attended the conciliation proceedings on some dates as executive member of the Coal Mines Employees Union. He has further stated that none from the Colliery Mazdoor Congress (H.M.S.) attended the conciliation proceeding. From his cross-examination it will appear that the Colliery Mazdoor Sabha of India (CITU) was formed in this colliery in the last part of 1978 and he became its Secretary. Thus according to this witness he was executive member of the Coal Mines Employees Union at the time the dispute was raised and as he had taken active interest in the matter he filed the photographs of 35 workmen giving their parentage and other details and the photographs were duly attested by the Pradhan and the B.D.O. It is no doubt true that at the time the photographs were filed before the management Shri Gour Hari Roy had become the Secretary of Colliery Mazdoor Sabha of India which was formed in that colliery in the year 1978. All the witnesses examined on behalf of the Coal Mines Employees Union have stated that their photographs were taken by Sri Gour Hari Roy who was their union man. Ext. W-13 is a letter dated 25-7-79 written by Sri Samiran Kumar Chakravorty General Secretary of Coal Mines Employees Union to the Sub-Area Manager stating that a list of 33 workmen along with passport size photographs duly attested by the B.D.O. have already been submitted to the Manager, Ranipur Colliery by his union representative Sri Gour Hari Roy about three weeks back

and along with this letter a list of the concerned workmen with their parentage was also attached. Thus from the above letter it is clear that the photographs in question were duly filed by the Coal Mines Employees Union through their representative Sri Gour Hari Roy. The union to which Sri Gour Hari Roy at present belongs that is, the Colliery Mazdoor Sabha of India, inspite of notice did not become a party to the dispute and supported the case of the Coal Mines Employees Union. It will also appear that the management by their letter dated 12th/13th April '79 wrote to Sri Chakravorty, General Secretary of the union to submit list of 33 casual wagon loaders with passport size photograph duly attested by the B.D.O. of the locality to avoid any irregularity in this regard. Thus a separate letter was also issued to Shri Chakravorty to which he gave a reply Ext. W-13 as stated earlier. Thus union also wrote a letter dated 9-2-79 to the Managing Director intimating that some vested persons are trying to induce fake persons in place of genuine persons who are involved in the dispute as sponsored by this union (Ext. W-5) and thus they cautioned the management about false claim by others. This union thus submitted photographs of 33 workmen before the management and photograph of one workman duly attested by the Pradhan and the B.D.O. viz. that of Pano Mejhan was submitted before this Court. This union during the course of hearing examined all the workmen excepting Sl. Nos. 10, 23, 30 & 32 and all these workmen have come to state that they are the genuine workers and they worked in the Ranipur Colliery and their services were terminated illegally. They have given details of the parentage and have also identified their photographs. The photographs of the remaining 4 have been attested by WW-32 Sri Rabi Shankar Bhula who is representative of Coal Mines Employees Union and look after the pairvi of the case and he has supported the case of the workmen. He is a member of the Executive Committee of the Coal Mines Employees Union.

27. It cannot be disputed that the Pradhan is the most competent authority regarding identification of his villagers. The photographs giving parentage have been attested by the Pradhan as also the B.D.O. This union thus filed sufficient proof to show that these workmen are the genuine workers. As against this the other union viz. Janta Colliery Mazdoor Congress has filed photographs of only 27 persons of the name as mentioned in the terms of reference giving different parentage and residence. They have not made claim so far as Sl. No. 12, 15, 18, 20, 21, 25, 31 & 33 are concerned which indicate that the above persons are the genuine persons as claimed by the Coal Mines Employees Union. Out of the 27 persons the Colliery Mazdoor Sabha of India has examined only 11 and they are Sl. No. 34, 8, 35, 22, 30 16, 26, 11, 19, 7 & 2. WW-3 claiming himself to be Ramswarup Bhulia is in Sl. No. 35 and he has stated that he did not raise any dispute before the A.L.C. WW-5 has got no knowledge about any dispute though she claims to have worked in the Ranipur Colliery. None on behalf of this union has come to say as to who got these photographs from these workmen. Further it will appear that they are all signed by somebody but they bear the seal of Neturia Police Station. It cannot be denied as stated earlier that a Pradhan is the best person to know about a person of the locality. The Officer Incharge is not expected to identify any villager unless somebody else identify him before the Officer Incharge. This signature and seal it appears have been put in a routine manner as will appear from the fact that there is photograph of one Lakhi Mejhan which has been marked Ext. W-2/25, but her parentage, village etc. is blank. How could the Officer Incharge identify her in the absence of her parentage and residence. It is clear that a fake person was bought before him or that at the instance of some interested persons the Officer Incharge put his signature and seal in a mechanical way on all these photographs. Under these circumstances the proof of identity as given by the Janta Colliery Mazdoor Congress is shaky and not believable in face of the proof of identity filed by the Coal Mines Employees Union who had taken up the case of these workmen from the very initial stage.

28. Considering the entire evidence and facts and circumstances of the case, I hold that the list of workmen as submitted by the Coal Mines Employees Union is the list of genuine workmen who worked in the Ranipur Colliery and

they alone are entitled to get employment by the management as their identity has been fully established.

29. On the above findings it must also be held that the action of the management in terminating their services is unjustified. The management also realised their mistake and agreed to take them in employment vide their letter Ext. W-4 dated 14-2-79.

30. The next question is as to from which date these concerned workmen whose identity has been proved by Coal Mines Employees Union i. to get employment. Though they were terminated from service with effect from 1-1-1975 but there was certain difficulties before the management also as the very identity of the workmen was in dispute. The workmen concerned are mostly Adibasis and they are earning livelihood by doing other work as stated by them. In my opinion, the ends of justice will be met if they are held to be entitled to get employment under the management with effect from the date of the award and the management should give them employment from the date of award with wages from that date.

31. The award is given accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer

[No. L-19012(57)/77-D. IV(B)]

S. S. PRASHANT, Desk Officer

नई दिल्ली, 2 जून, 1983

का. आ. 2644 :—चूना पत्थर और डोलोमाइट सान श्रम कल्याण निधि निगम, 1973 के नियत 3 के उप-नियत (2) के नाथ एठिन चूना पत्थर और डोलोमाइट सान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का 62) की भारा 6 द्वारा गदस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्रम मंत्री, गुजरात सरकार को गुजरात राज्य की मलाहकार योग्यता का बेयरमैन नियुक्त करती है और श्रम विभाग, भारत गरकार का. आ. नं. 3686, दिनांक 15 अक्टूबर, 1982 की अधिसूचना जो कि भारत के राजपथ के भाग 2, संग 3, उप-खण्ड (2) दिनांक 30 अक्टूबर, 1982 में 3891 पृष्ठ पर प्रकाशित हुई, में निम्न संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अंदेश में, श्रम संस्था एक के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

1. "श्रम मंत्री
गुजरात सरकार

"बेयरमैन"

[फा. सं. यू. -23018/17/80-एम.बी.डब्ल्यू. -2]

कंबर राजन्द्र सिंह, अगर गाँव
New Delhi, the 2nd June, 1983

S.O. 2644.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972) read with sub-rule (2) of rule 3 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules 1973, the Central Government hereby appoints Labour Minister, Government of Gujarat to be a Chairman of Advisory Committee for State of Gujarat and makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Department of Labour S.O. No. 3686 dated 15th October, 1982 published at page 3891 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 30th October 1982 namely :—

In the said notification for the entry against serial number 1, the following shall be substituted namely :—

"1. Labour Minister,
Government of Gujarat.....Chairman"

[F. No. U-23018/17/80-M.V./W-II]
KANWAR RAJINDER SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1983

का. आ. 2645 :—केन्द्रीय सरकार, खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 83 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश के पूर्वी तट के गाथ-साथ कूल्णा गोदावरी परियोजना में खोज सम्बन्धी फ़िलिंग संक्रियाओं पर तत्त्व और प्राकृतिक गेस आयोग द्वारा नियोजित व्यक्तियों को, उक्त अधिनियम के, उसकी धारा 36 और धारा 40 से 46 (जिसमें ये दोनों धाराएं रामिलिस हैं) और धारा 48 को छोड़ कर वधुआय 6 के उपलब्धों के प्रवर्तन से इन शर्त के अधीन रहते हुए, घूट देती है कि उक्त व्यक्ति :—

- (1) किसी भी दिन बारह घण्टे से अधिक के लिए नियोजित नहीं किए जाएंगे,
- (2) एक द्वीप में चौदह दिन से अधिक के लिए नियोजित नहीं किए जाएंगे, और
- (3) उन्हें एक दौर में चौदह दिन तक कार्य करने के पश्चात् कम से कम चौदह दिन की अवधि के लिए विश्राम मंजूर किया जाएगा।

[सं. एस.-29014/1/83-एम.-1]
जे. के. जैन, अवार सचिव

New Delhi, the 2nd June, 1983

S.O. 2645.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of section 83 of the Mines Act 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby exempts the persons employed by the Oil and Natural Gas Commission on exploration drilling operations in Krishna Godavari Project along the eastern coast of Andhra Pradesh from the operation of the provisions of Chapter VI of the said Act except section 36 and sections 40 to 46 (both inclusive) and section 48 thereof, subject to the conditions, that the said persons,

- (i) shall not be employed for more than twelve hours on any one day,
- (ii) shall not be employed for more than fourteen days at a stretch, and
- (iii) shall, after they have worked for fourteen days, at a stretch, be granted rest for a period of not less than fourteen days.

[No. S-29014/1/83-M-1]
I. K. JAIN, Under Secy.

New Delhi, the 30th May, 1983

S.O. 2646.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chasnalla Colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th May, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Reference No. 32 of 1980

In the Matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES .

Employers in relation to the management of Chasnalla colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited Post Office Chasnalla, District Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri J. D. Lal, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 19th May, 1983

AWARD

This is an industrial dispute under S. 10 of the I. D. Act, 1947. The Central Government by its order No. L-20012(29)/80-D.III(A) dated 16-10-80 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms.

THE SCHEDULE

“Whether the demand of the workmen of Chasnalla colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited, Post office Chasnalla, District Dhanbad (Bihar) that S/Shri G. B. Mondal, R. S. Lall, P. C. Ojha and R. N. Singh, Water Filter Plant Operators should be placed in Category V is justified ? If so, to what relief are the said workmen entitled ?”

2. There are 4 workmen in this case as will appear from the schedule of the reference quoted above. According to them they are Water Filter Plant Operators of Chasnalla colliery of M/s Indian Iron & Steel Company Ltd. for the past 12 to 16 years continuously. The Coal Wage Board recommendations of 1967 did not prescribe any pay scale for the workmen of Water Filter Plant Operators, and the management arbitrarily placed these concerned workmen in category III of wage board recommendation without any regard to the special nature of the job performed by them.

In effect the management has equated these Water Filter Plant operators with the Pump Khalasis of this colliery which is not justified. According to the workmen water filter plant operators supply drinking water to the colliery. The plants installed for this purpose are sophisticated machineries and therefore special skill is required for operating the same. The job also is exposed to occupational hazards. In the written statement paragraph 5 of the workmen it has been stated that the Food Corporation of India having similar plants has 2 grades for water filter plant operators. The first grade is from Rs. 425-640 and it is called grade I. The fixed dearness allowance is Rs. 198 in this grade. There is also a special grade starting from Rs. 640 and going upto Rs. 750, plus dearness allowance of Rs. 215. The Hindustan Steel Co. Ltd for such job has fixed Rs. 570 plus dearness allowance of Rs. 147. According to the workmen such scales indicate that the water filter plant operators are skilled workmen and as compared to the water filter plant operators of Chasnalla colliery they are paid much more. The total emoluments paid to the concerned workmen in category III comes to Rs. 440 inclusive of dearness allowance and V.D.A and this shows how poorly they are paid in comparison to the workmen of Food Corporation of India and Hindustan Steel Ltd. These workmen made representation to the management to place them in proper grade of wage board recommendation. Their demand was that they should be given grade A of the wage board recommendations carrying a pay scale of Rs. 592-32-648-36-992 for technical supervisory workers.

3 On failure of the management to comply with the demand of the workmen an industrial dispute was raised before the Assistant Labour Commissioner (C) Dhanbad. The management took the plea that grade A which is for technical and supervisory workers could on no account be given to these workers. There could be no conciliation settlement and therefore the Government of India referred this dispute for adjudication. It will appear from the schedule that the Government of India considered the position and though that the concerned workmen could be given category V wages and therefore the schedule says “as to whether the claim of the workmen for category V wages is justified”.

4. The management filed written statement and put forth a case that in an earlier conciliation proceeding in which Shri Chunka Das and others were involved, there was a conciliation settlement under which category IV was given to the pump operators. It has been conceded by the management that these 4 concerned workmen did not accept the conciliation settlement and therefore they were entitled to raise this dispute. Another point taken was that Shri J. D. Lal who is representing the workmen as Secretary of Bihar Colliery Kamgar Union had no locus-standi to raise this dispute because the union actually did not raise this dispute.

5. The hearing of this case commenced and the evidence on behalf of the workmen was concluded. Thereafter several dates were given for the management to produce the witnesses, but the management could not produce any witness. Ultimately, the case was heard ex-parte and an award was passed in which the demand of the workmen for being placed in category V was found to be justified. Accordingly they were found to be entitled to be placed in category V w.e.f. 30-11-78 which was the date of raising the dispute. They were further entitled to increments, back wages and other emoluments w.e.f. 30-11-78 including increments which fell due from that date. An award was accordingly passed and later published in the Gazette of India.

6. The management filed an application for setting aside the ex-parte award which was registered as Misc. Case No. 2/82. That application was heard and the ex-parte award was set-aside and the management was given an opportunity to contest the claim of the workmen. The matter has been since heard.

7. It was submitted on behalf of the management that the settlement of this case was being drafted and would be filed in this court on 2-5-83. On 2-5-83 Shri T. P. Choudhury, Advocate for the management submitted that although the settlement is ready the union is not agreeable to sign the settlement. The parties were asked to come ready for hearing the case on 17-5-83. Shri T. P. Choudhury Advocate for the employers and Shri J. D. Lal, Secretary of B. C. K. Union appeared before me and submitted that the point of difference between the parties have been very much narrowed down. They have both accepted that two of the concerned workmen viz. Shri P. C. Ojha and Shri G. B. Mondal are in E.M.E. scale as E. P. Fitters. This is excavation grade and both Shri T. P. Choudhury, Advocate and Shri J. D. Lal, representative of the workmen have accepted that they are in better scale than category V in respect of which the workmen had claimed and obtained the ex-parte award. So far as the other two workmen viz. Shri R. G. Lal and Shri R. N. Singh are concerned they have already been placed by the management in category V, but there is a slight difference as to whether they should be placed in category V w.e.f. the date of raising this dispute, i.e. 30-11-78 or from the date of reference which is 16-10-80. Both parties have left it to the discretion of the Tribunal.

8. It will appear that there is hardly any dispute left to be dissolved. It is an accepted fact that these concerned workmen should not have been placed in category III although they have been for a long time working as water filter plant operators in Chasnala colliery all the time doing the skilled job. They were in fact treated as pump khalsis for the purpose of their wages. It is clear that the management should have concerned to their demand at the time when they represented before the management for fixation of proper grade. It also appears that when the dispute was raised before the conciliation officer the management was not prepared to give them category V wages and only wanted to offer category IV wages. It is in fitness of things therefore that the concerned workmen should be placed in category V w.e.f. 30-11-78 when this dispute was raised.

9. This reference is now accordingly answered.

- (1) The demand of the workmen mentioned in the schedule of this reference for category V wages is justified.
- (2) They are entitled to back wages with all other emoluments including increment as they fell due in proper scale with effect from 30-11-78.

(3) Since two of the concerned workmen viz. Shri P. C. Ojha and Shri G. B. Mondal have been placed in E.M.E. scale as E.P. Fitters and are in higher grade, they need not be reverted to category V. So far as their back wages are concerned they are also entitled to wages with the due increment w.e.f. 30-11-78 if the management has not given by virtue of settlement some better advantages in respect of back wages, increments and other benefits to them.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20012(29)/80-D III(A)]

S.O. 2647.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the Jamadoba 6/7 Pits Colliery of Messrs Tata Iron & Steel Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th May, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 34 of 1980

PARTIES:

Employers in relation to the management of Jamadoba 6&7 Pits Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited. At and Post Office Jamadoba, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Employers—Shri B. Lall, Advocate.

For the Workman—Shri T. P. Choudhury, Advocate, with Shri B. N. Sharma.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, dated, the 17th May, 1983

AWARD

By Order No. L-20012/197/80-D.III(A) dated, the 20th November, 1980, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication—

“Whether the action of the management of Jamadoba 6 & 7 Pits Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, At and Post Office Jamadoba, District Dhanbad in dismissing Shri Fagoo Mistry, Magazine clerk, from service with effect from the 21st November, 1978 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?”

2. It is the case of the management that the concerned workman, Sri Fagoo Mistry, was working as magazine clerk at the relevant time, and, as magazine clerk, his duties were to issue explosives from the magazine and maintain registers for the same. Sri L. N. Chandra, clerk, was deputed by the Administrative Officer, Jamadoba Group, to do the periodical checking of the explosives stock in the magazine. On 8-5-78 Sri L. N. Chandra verified the physical stock of explosives with the book balances of explosives maintained by the concerned workman in his presence and in presence of Sri S. C. Sood, Safety Officer, 6 & 7 Pits Colliery. On checking and verification certain discrepancies were found which could not be accounted for by the concerned workman, Sri S. C. Sood, Safety Officer, circled and discrepancies found in the stock register in presence of the

concerned workman and Sri L. N. Chandra. It was, however, detected subsequently that the concerned workman had tampered with the record and made fresh entries surreptitiously in the stock register at the place where Sri Sood had encircled the discrepancies. For the above acts, which amounted to misconduct under clauses 19(2) and (6) of the Company's Standing Orders, the concerned workman was issued a chargesheet dated 22/25-7-1978 mentioned therein the details of the discrepancies in the explosives and also the surreptitious fresh entries in the management's records. The concerned workman submitted his reply denying the charge. Thereafter there was a domestic enquiry in which the concerned workman actively participated and he was given full chance and opportunity to cross-examine the management's witnesses and to produce his defence witnesses. In the said domestic enquiry the charges were satisfactory established and he was therefore, dismissed from service with effect from 21-11-78. The domestic enquiry was held after observing the principles of natural justice but if it be held that the domestic enquiry was not fair and proper the management may be given a chance to establish the charges by leading fresh evidence before the Tribunal. There is also a Group Joint Grievance Committee consisting of representatives of the management and workmen, and in case the members of the Group Joint Grievance Committee differ in their opinion, it is referred to the Central Joint Grievance Committee consisting of the representatives of the management and also of the workmen. After his dismissal with effect from 21-11-78 the concerned workman had made an application to the Group Joint Grievance Committee which in its meeting dated 14-4-79, discussed his case of dismissal and as the members of the Group Joint Grievance Committee were not unanimous in their opinion it was referred to the Central Joint Grievance Committee. The Central Joint Grievance Committee in its meeting dated 31-8-79 further discussed the case of the concerned workman and held with three of its members dissenting that his case did not merit consideration and his dismissal was justified. The management's contention therefore is that the dismissal of the concerned workman with effect from 21-11-1978 is justified and he is not entitled to any relief.

3. The case of the concerned workman regarding the charge relating to the alleged discrepancies found on 8-5-78 on physical verification of the stock of explosives with the book balances of explosives maintained by him is that the figures maintained by him were correct and in course of calculation of figures some errors might have crept in addition or subtraction but it was not a case of theft, fraud or dishonesty or habitual negligence or neglect of duty on his part to merit his dismission under clause 19(2) or (6) of the Standing Orders of the Company. As regards the charge relating to tampering with the record and making fresh entries in the stock register subsequently at the place where Sri Sood had encircled the discrepancies his case is that the said encircling was done after those entries had been made by him and he had made no entry after the encircling. According to him the findings of the Enquiry Officer were never so biased and lacking good faith and his dismissal on the basis of such findings is wholly unjustified and he is entitled to be reinstated with effect from 21-11-1978 with full back wages and all allowances.

4. From order dated 16-12-81 it would appear that the case was posted on that date for hearing on the question as to whether the domestic enquiry held by the management was fair and proper when Sri B. N. Sharma appearing for the concerned workman conceded that so far as the procedural formalities are concerned they were duly observed in course of the enquiry and hence he had no objection if the procedural part of the domestic enquiry is held to be duly complied with subject to the condition that he would be permitted to rely on the documents which he had called for from the management and which had been produced by the management provided the documents are held to be relevant at the time of hearing of the case on merit. Sri S. S. Mukherjee for the management thereupon also conceded that in case the documents called for by the concerned workman and produced by the management are held to be relevant the concerned workman will be entitled to rely upon those documents at the time of hearing of the case on merit. In view of these concessions by both sides it was held that the domestic enquiry was fair so far as the procedural part is concerned and if the documents called for by the concerned workman

and produced by the management are held to be relevant, the concerned workman will be entitled to rely upon them at the time of hearing of the case on merit. On that date the enquiry report, the evidence recorded in the enquiry, the documents relied upon by the management in the enquiry, the chargesheet served on the concerned workman and his explanation and the impugned order of dismissal were admitted as evidence in this case as agreed to by the parties and thereafter the case was posted for hearing on the question of relevancy of the documents called for by the concerned workman and filed by the management. From order dated 14-1-73 it would further appear that certain documents called for by the concerned workman and filed by the management, about which the management had raised no objection regarding their relevancy, were marked as exhibits on behalf of the concerned workman, but regarding the rest of the documents which were bulky in the form of registers filed in a box, before deciding their relevancy, Sri T. P. Choudhury and Sri B. N. Sharma appearing for the workman wanted to minutely inspect them and pin point the actual relevant entries in those registers to which Sri S. S. Mukherjee appearing for the management also agreed. But after inspecting them, Sri T. P. Choudhury appearing for the concerned workman conceded on 14-4-83 that they were not relevant for the purpose of this case and they need not be exhibited or marked in this case. He further submitted that he did not propose to lead any further documentary or oral evidence in this case. Thereafter arguments were heard on merit on the materials already on the record of the domestic enquiry and the award was reserved.

5. The chargesheet dated 22/25-7-78 (Ext. M-1) which was issued by Sri P. N. Keshari, Manager, 6 & 7 Pits Jamadoba and was served on the concerned workman Faeron Mistry is as follows :

"You are hereby asked to show cause why disciplinary action should not be taken against you under Clause 19(6) and 19(2) of the Standing Orders for the following misconduct.

It has been reported by our Administrative Officer, Sri K. C. Mukherjee that on 8-5-78 after the checking by Sri L. N. Chandra, Clerk of the Explosives Stock Register, maintained by you that certain discrepancies were existing. As a result of these discrepancies the following are the shortage of explosives and detonators.

	Book balance as on 8-5-78 after A shift consumption and B shift issue.	Actual stock as on 8-5-78 after A shift consumption and B shift issue.	Difference (-) Short/(+) Surplus.
Unsex :-	Kg.	Kg.	Kg.
Soligex :-	257.000	234.250	(-)22.750
Per	433.500	450.000	(+)16.500
madyne :-	69.250	50.000	(-)19.250
Elect.			
Detonators	12,423	10,274	(-)12,149
Delay			
Detonators :-	1,624	1,445	(-) 179

Further, subsequent to the above checking of the Registers, it has been reported by Sri L. N. Chandra, Clerk that on re-checking the stock register on 14-7-78, he found that you had made fresh entries without any permission. These entries, which are mentioned as 'distortion' are made within the circle made signed by Sri S. C. Sood Safety Officer, when the discrepancies were originally detected. By mentioning the discrepancies as 'distortion' you intended to cover up your negligence. This is falsification of Co.'s records and dishonesty on your part.

You are allowed 72 hours from the date of receipt hereof to give your explanation.

Any representation that you may make in this connection will be taken into Consideration before passing orders.
CC to P.O.

Dated 22/25-7-1978.

Sd/-
Manager

6&7 Pits. Jamadoba "

25-7-1978

6. Clauses 19(2) and (6) of the Standing Orders of the company (Pvt. W-1) which had been referred to in the chargesheet as misconduct on the part of the concerned

workman read as follows for which an employee may be suspended, fined or dismissed—

19(2) Theft, fraud or dishonesty in connection with the company's business or property.

(6) Habitual negligence or neglect of work.

7. It would appear from the aforesaid chargesheet that the concerned workman was charged under two counts. The first charge was that on 8-5-78 after checking by Shri L. N. Chandra, Clerk, of the explosives stock register maintained by the concerned workman certain discrepancies were found between the book balances and actual stock showing shortage of explosives and detonators as mentioned in the charge reproduced above. The relevant stock register in which entries concerning 8-5-78 are noted is Ext. M-10, but the opening book balances of the different explosives and detonators mentioned in the said register on 8-5-78, which are the same as the closing book balances of those explosives and detonators on 6-5-78 (there being no intermediate entries in between the two) do not tally with the book balances on 8-5-78 as mentioned in the chargesheet (Ext. M-1) and it is not clear from the evidence adduced at the domestic enquiry as to how the figures mentioned as book balances on 8-5-78 as mentioned in the chargesheet (Ext. M-1) were arrived at. When arguments were taken up on 4-5-83, Sri B. Lall, Advocate, appearing for the management, expressed difficulties in explaining the book balances on 8-5-78 as mentioned in the chargesheet (Ext. M-1) with reference to the stock register (Ext. M-10) the case was adjourned for two days to enable Sri B. Lall to call some employee of the management acquainted with the case to explain the same and the case was adjourned to 6-5-83 for further arguments. On 6-5-83 also, however, Sri B. Lall appearing for the management even with the help of the management's employee called by him for the purpose could not explain the book balances on 8-5-78 as mentioned in the chargesheet (Ext. M-1) as to how those figures were arrived at with reference to the stock register (Ext. M-10) in which quite different figures appear. In the oral evidence also adduced by the management in the domestic enquiry it has not been explained either by Sri L. N. Chandra, Clerk, who is said to have found the discrepancies on checking the stock register with the actual stock or by Shri S. C. Sood Safety Officer, in whose presence the said checking is said to have done by Shri L. N. Chandra, as to how the book balances of explosives and detonators on 8-5-78 as mentioned in the chargesheet were arrived at when no such book balances on 8-5-78 are to be found in the register of explosives (Ext. M-10). This was also not explained by the Enquiry Officer in this enquiry report (Ext. M-7). In that view of the matter the first charge concerning shortage of certain explosives and detonators on 8-5-78 with reference to book balances and actual stock as mentioned in the first charge must be held to have been not substantiated in the absence of any explanation coming from the side of the management in course of the evidence adduced at the domestic enquiry as to how the book balances on 8-5-78 as mentioned in the chargesheet were arrived at. I, therefore, hold that on the evidence adduced before the domestic enquiry the first charge concerning the shortage of certain explosives and detonators on 8-5-78 has not been established and proved. It may also be noted that even according to the said charge not only some shortage in explosives and detonators had been shown but some excess had also been shown in respect of certain item.

8. I shall next examine the second charge which says that subsequent to the above checking of the register on 8-5-78 it had been reported by Sri L. N. Chandra, Clerk, that on re-checking the stock register on 14-7-78, he found that the concerned workman had made fresh entries without permission and these entries which are mentioned as "distortion" were made within the circle made and signed by Shri S. C. Sood, Safety Officer, when the discrepancies were originally detected and by mentioning the discrepancies as "distortion" the concerned workman had intended to cover up his negligence which amounts to falsification of records and dishonesty on his part. In this connection it is relevant to mention that in the stock register of explosives (Ext. M-10) the closing balances of explosives and detonators on 6-5-78 are found to be encircled and within the circle there are found certain writings showing certain items of explosives and detonators as "distortion".

9. In this connection it is the evidence of Sri S. C. Sood that on 6-5-78 when he was in the magazine along with Sri L. N. Chandra the concerned workman was told that he should take the figures of Sri L. N. Chandra as opening balances but the concerned workman still maintained that his figures were correct, and thereafter he asked the concerned workman to sign in the register which he did and just above the signature of the concerned workman he too signed after encircling the figures and at that time except the opening balances figures nothing was written inside the circle, but subsequently on 14-7-78 it was found that the concerned workman had made fresh entries inside the circle showing the discrepancies as "distortions" during the whole year and in this way to cover up the discrepancies he intentionally falsified company's record which speaks of dishonesty on his part. The concerned workman had declined to cross-examine him though he was given opportunity to do so, Sri L. N. Chandra had also deposed that on 8-5-78 he and Sri Sood had checked the stock register and Sri Sood had signed after the signature of the concerned workman, and had encircled the closing balance on 6-5-78 written by the concerned workman but on 14-7-78 when Sri Sood asked him to bring the stock register he saw on opening the stock register that next to the discrepancies mentioned within the circle the concerned workman had made fresh entries under "distortions" and he had shown this to Sri Sood and, when Sri Sood had questioned him as to how those entries had been made after the above discrepancies had been encircled, he told him that about 15 days after 6-5-78 when he went to the magazine with keys at about 2 p.m. he saw that the concerned workman had taken out all the stock registers and other registers and was writing something although at that time the concerned workman was no deputed to work in the magazine but was deputed in the office, and when he asked the concerned workman as to how he opened the box in which registers etc. were kept as the keys were with him, the concerned workman replied that he had a duplicate key which shows that he had access to the register and could, therefore, make fresh entries which is dishonesty on his part. He was cross-examined by the concerned workman but there is nothing in his cross-examination to challenge him on the aforesaid point.

10. The concerned workman, Fagoo Mistry, had also examined himself and as regards the second charge all that he had said in his examination-in-chief was that how he could have made entries inside the circle later on and why was the circle made so big and this just shows that he had already written the 'distortions' and Sri Sood was shown this. In this way this much he has admitted that the writings appearing within the circle as 'distortions' are in his handwriting. In his cross-examination he had admitted that after he had handed over the charge of the magazine to Sri L. N. Chandra he was assigned duties in the office under the Head Clerk but even after the aforesaid encircling of the discrepancies he had gone to the magazine after handing over the charge to Sri L. N. Chandra and had taken out the records from the box which was locked as he had a duplicate key which he still as, and all this he did without taking permission of Sri L. N. Chandra and his explanation for doing so is that he had by then been issued an explanation letter and so he had gone there to check up the figures from the monthly return papers. When he was asked if there was any similar entry of 'distortion' made by him anywhere else in the register as had been made by him within the circle for the whole year he answered in the negative, and when he was further asked as to what made him mention it here only, he replied that he had no answer to this.

11. On the evidence as discussed above, I accept evidence of Sri L. N. Chandra and Sri S. C. Sood that there was no entry as 'distortion' when Sri Sood had encircled the closing balances of 6-5-78 in the stock register (Ext. M-10) on 8-5-78 and fresh entries of different item as 'distortion' were subsequently made by the concerned workman inside the circle.

12. After the concerned workman was dismissed with effect from 21-11-1978 by order dated 10-11-1978 of the Agent, Jamadoba Group (Ext. M-1) the concerned workman had by his petition dated 3-1-79 (Ext. W-1) appealed to the Group Grievance Committee consisting of management's representatives and the workman's representatives and from the minutes of the meeting of the Group Grievance Committee dated 14-4-1979 (Ext. W-2) it appears that when

his case was considered in the meeting Sri P. N. Kesri, the Manager of 6 & 7 Pits Jamadoba, who had issued the chargesheet dated 22/25-7-78 (Ext. M-1) against the concerned workman, had himself opined in the said meeting that the concerned workman had indulged only in negligence and not in dishonesty or fraud, but he should have taken permission for verification or correction of records. On the aforesaid basis it has been vehemently argued by Shri T. P. Choudhury appearing for the workman that since Sri P. N. Kesri, the Manager of 6 & 7 Pits Jamadoba, who had issued the chargesheet dated 22/25-7-78 (Ext. M-1) against the concerned workman, was himself of the opinion that the concerned workman had indulged only in negligence and not in dishonesty or fraud and since it was not the management's case or evidence that the concerned workman had committed any theft of any explosives or detonators or had made any unlawful gain, the misconduct mentioned under clause 19(2) of the Standing Orders of the company (Ext. M-5) which relates to "theft, fraud or dishonesty in connection with the company's business or property" is not at all made out. So far negligence on the part of the concerned workman is concerned, the argument of Sri T. P. Choudhury was that it is only "habitual negligence or habitual neglect of work" which is a misconduct under clause 19(6) of the Standing Orders of the company (Ext. M-5), and not an isolated negligence or neglect of work as alleged by the management against the concerned workman regarding he having once, without taking permission of Sri L. N. Chandra, made some entries regarding certain items of explosives and detonators as "distortion" subsequently at the place where Sri Sood had encircled the discrepancies. In this connection, Sri T. P. Choudhury placed reliance on a Supreme Court decision in the case between the Management of Mongir Factory of L.T.C. Ltd. and Presiding Officer, Labour Court, Patna (Bihar) and other—(1978-79-15 SCLJ. 54) in which the words 'habitual negligence or neglect of work, which also occur in clause 19(6) of the Standing Orders of the company (Ext. W-5) have been interpreted to mean "habitual negligence or habitual neglect of work." In that Supreme Court case it had been submitted on behalf of the management that even neglect of work simpliciter can be misconduct entailing dismissal of the workman as the word 'habitual' merely qualifies the word 'negligence' and not the expression 'neglect of work'. This was, however, rejected by the Supreme Court and it was held that if it is habitual i.e. if it is repeated several times then only it is misconduct. Sri T. P. Choudhury also relied on another decision of Andhra Pradesh High Court in the case between Hendricks & Sons and Industrial Tribunal and others (1959(I) LLJ. 235) in which it has been held that an employer cannot justify his action on any ground other than those contained in the chargesheet, otherwise it would amount to his being condemned unheard. In that case the dismissal for habitual negligence was held to be unjustified as the concerned workman was called upon to explain only one instance of negligence and charge of habitual negligence was not the subject matter of the domestic enquiry. It was further held therein that the normal rule is that if the Tribunal comes to the conclusion that the order of dismissal was not justified, reinstatement would be ordered.

13. For the aforesaid reasons advanced by Sri T. P. Choudhury in course of his arguments in which he is fully supported by the aforesaid Supreme Court decision and the decision of the Andhra Pradesh High Court, with which I fully agree, I hold that the management failed to prove the misconduct either under clause 19(2) or clause 19(6) of the Standing Orders of the company (Ext. W-5) in respect of the second charge, and hence that charge also fails.

14. In the result, the management must be held to have failed to prove the misconduct either under clause 19(2) and under clause 19(6) of the Standing Orders of the company (Ext. W-5) in respect of either of the two charges and that being so it seems to be a fit case in which the provisions of section 11-A of the Industrial Disputes Act, 1947, should be invoked and accordingly the action of the management in dismissing the concerned workman, Fagoo Mistry, Magazine Clerk, from service with effect from 21-11-1978 is held to be not justified and the order of his dismissal is set aside and he is directed to be reinstated with effect from that date with all back wages and allowances. In the circumstances of the case, however, there would be no order as to cost.

MANORANJAN PRASAD, Presiding Officer.
[No. L-20012(197)/80-D. III(A)]

New Delhi the 1st June, 1983

S.O. 2648.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Directorate of Commercial of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th May, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.1, DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 5 of 1981.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Directorate of Commercial of Messrs Bharat Coking Coal Limited, At and Post Office Jealgora, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R.S. Murty, Advocate.

For the Workman : Shri B. N. Sharma, Joint General Secy.
Janta Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 23rd May, 1983

AWARD

By Order No. L-20012(212)/80-D. III(A) dated, the 31st January, 1981, the Central Government in the Ministry of Labour has in exercise of the powers conferred by clause(d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Directorate Commercial of Messrs Bharat Coking Coal Limited, At and Post Office Jealgora, District Dhanbad in retiring Shri Sarju Barhi with effect from the 16th January, 1979, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The written statement on behalf of the concerned workman Sarju Barhi, has been filed by Sri B. N. Sharma, Joint General Secretary, Janta Mazdoor Sangh, which is the sponsoring union. The case of the concerned workman is that he was employed as carpenter with effect from 10-4-1951 in Jealgora Colliery by the East India Coal Company Ltd. which owned the colliery at that time. After nationalisation of the coal mines his services were transferred to the Directorate of Commercial and Material Division of Bharat Coking Coal Limited at Jealgora. The management of the Directorate by letter dated 19-12-78 terminated his services with effect from 16-1-79 on the ground that he had attained the age of 60 years which is the age of superannuation. The correctness of the date of his birth as alleged by the management was disputed and challenged by him as well as by the sponsoring union and by letter dated 21-11-79 the Joint General Secretary of the Union raised the dispute with the Personnel Manager, Commercial and Finance Directorate on the ground that by letter No. CPF/161-166/BT/C/23 dated 23/24-4-1979 the Provident Fund Commissioner of Coal Mines had already communicated to the management that the date of his birth was December, 1925 and thus he had about 6 years of service to his credit before retirement. The matter was discussed on several occasions but lastly in the meeting of the union and the management held on 4-12-1979 the discussion ended in failure, and, finding no other remedy available, the intervention of the Asstt. Labour Comptn.

sioner (Central), Dhanbad-III, was sought for conciliation but that too ended in submission of failure report leading to the present reference. The contention of the concerned workman, therefore, is that the termination of his service was wrongful and illegal and he should be reinstated with continuity of service and back wages and all legal and monetary benefits as if he is in service.

3. The case of the management, on the other hand, is that the concerned workman was working in Jealgora colliery as a carpenter when it was nationalised under the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 with effect from 1-5-1972 and came under the management of the B.C.C.L. He was later transferred with effect from 1-10-75 to the Commercial Directorate of B.C.C.L. As per the record of the management he attained the age of 60 years, the age of superannuation, on 1-7-78, but since the Jealgora colliery had not sent the records in time to the Commercial Directorate there was some delay in retiring him from service and he was actually retired with effect from 16-1-1979 by letter dated 19-12-1978 of the Administrative Officer, Commercial Directorate, and he received the letter and actually retired and made no protest or pointed out any discrepancy in regard to his age or date of birth before 16-1-1979, the date of his retirement, although almost a months clear notice was given to him by the aforesaid letter. It was only after retirement that he stated saying that according to records of Coal Mines Provident Fund his date of birth was 1-7-1924 and he could serve the management for some more years. The management, having had no suspicion of this, addressed a letter dated 4-4-1979 to the Commissioner, Coal Mines Provident Fund, Dhanbad, for ascertaining the actual position. In reply, the Assistant Finance Officer (C), Office of the Regional Commissioner (C), Coal Mines Provident Fund, Dhanbad, replied that the D.A. is respect of concerned workman having Account Number C/24423 was not available. It however, transpired that the concerned workman had managed to carry out some manipulation by contacting the Coal Mines Provident Fund Organisation, Dhanbad, and he managed to procure another letter No. CPP/16-1/166/BT/C/23 dated 23/24th April 1979 purported to have been issued by Sri S. D. Lal, Assistant Commissioner (C), Office of the Regional Commissioner Coal Mines Provident Fund (Region C) in reply to the same letter dated 4-4-1979 of the management stating that his date of birth, having Account Number C/24423, is December, 1925 as per declaration in Form A, and a copy of the said letter was produced by him before the management. That letter, however, does not have any despatch/serial number and its original supposed to have been addressed to the management was never received by the management nor its office copy is available in the office of the Coal Mines Provident Fund Commissioner, Dhanbad, nor the declaration in Form A is available. Two separate replies could not also have been independently sent to the same letter dated 4-4-1979 of the management containing contradictory information. These facts clearly point to the deliberate steps taken by the concerned workman to indulge in dishonesty and commit fraud against the management to secure an unfair advantage. The management had also offered to get the concerned workman examined by the Medical Board for assessment of his correct age but he avoided and declined to submit himself to the Medical Board. The management's contention, therefore, is that the concerned workman was rightly retired with effect from 16-1-1979 after he attained the age of 60 years on 1-7-1978 as per the records of the management, and the management cannot accept the contention of the concerned workman that he should be allowed to continue in service taking his date of birth as December, 1975.

4. When the case was taken up for hearing on 17-5-1983, Sri B. N. Sharma, Joint Secretary of the sponsoring union, the Janta Mazdoor Sangh, who had filed the written statement on behalf of the concerned workman and was representing him in this case before the Tribunal however, filed a petition stating that the concerned workman, Sarjoo Bahrji, is no longer interested in service any more, and, in the circumstance, a no dispute award may be passed in this case, and, after filing the aforesaid petition, Sri B. N. Sharma also withdrew from this case.

5. Thereafter, the case was taken up ex parte and Sri K. S. Muvi, Advocate, who was present on behalf of the management, examined Sri T. N. Srivastava (MW-1) and through him also got some documents exhibited. Sri T. N. Srivastava (MW-1) has deposed that initially he was appointed in B.C.C.L. in January, 1976 as Dy. Personnel Manager and he was posted in Commercial Directorate of B.C.C.L. as Personnel Manager from 1977 to 1979 and at present he is working as Dy. Chief Personnel Manager in the Personnel Directorate, B.C.C.L., Karmik Bhawan, Dhanbad. He has further deposed that he knows the concerned workman, Sarjoo Bahrji, who was initially working in Jealgora colliery as carpenter in the erstwhile East India Coal Co. Ltd. and when Jealgora colliery was nationalised in the year 1972 with effect from 1-5-1972 his services were taken over by the B.C.C.L. and he was transferred from Jealgora colliery to the Commercial Directorate, Jealgora. He has next deposed that the age of retirement of B.C.C.L. non-executive employees is 60 years. He has proved the relevant entry in Form B Register maintained by the East India Coal Co. Ltd. which was, on nationalisation of Jealgora colliery, transferred to B.C.C.L. and in which the date of birth of the concerned workman is recorded as 1-7-1918 and against which entry the concerned workman had also put his thumb impression in token of having admitted that date of his birth. The said entry in Form B Register appears at page 53 at Sl. No. 32459 and its photostat copy has been marked Ext. M-1. He has also proved the service record and the service record folder of the concerned workman which had been transferred by the East India Coal Co. Ltd. to the B.C.C.L. after nationalisation of Jealgora colliery and the same have been marked as Exts M-2 and M-3 respectively in both of which the date of birth of the concerned workman is noted as 1-7-1918 and the service record Ext. M-2 has also got his photograph pasted at the top. He has further proved the office copy of the registered letter dated 19-12-1978 issued to the concerned workman by Sri S. C. Sinha, Administrative Officer, Commercial Directorate, retiring him with effect from 16-1-1979 although he had attained the age of 60 years earlier on 1-7-1978 and the said office copy of the letter has been marked as Ext. M-4. He has explained that there was some delay in retiring the concerned workman after he had attained the age of superannuation as the relevant records were not sent to the Commercial Directorate in time from the Area Office where they were originally kept as in the beginning he was working in the mine. According to him, the concerned workman has been correctly retired.

6. The aforesaid ex parte oral and documentary evidence adduced by the management prove that the date of birth of the concerned workman is 1-7-1918 and that he attained the age of 60 years, the age of superannuation, on 1-7-1978. It is, therefore, held that the management was justified in retiring him thereafter with effect from 16-1-1979 and he is not entitled to any relief. In the circumstance of the case, however, there will be no order as to cost.

MANORANJAN PRASAD, Presiding Officer

[No. L-20012(212)/81-D. III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 28th May, 1983

S.O. 2649.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi in the Industrial dispute between the employers in relation to the Reserve Bank of India, New Delhi and their Workmen, which was received by the Central Government on the 21-5-83

(AWARD)

BEFORE SHRI U. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
NEW DELHI

I.D. A. No. 53 of 1980

In the matter of Disputes between:

Shri B. S. Panchal through Reserve Bank Employees Association, New Delhi.

AND

Reserve Bank of India, New Delhi.

APPEARANCES:

Shri N. B. Sudram for the Management along with Mr. N. K. Johni.

Shri Anant Ram, Advocate for the Workman.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, : on 18th June, 1980, vide Order No. L-12012/123/79-II.A made the reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

Whether the action of the management of Reserve Bank of India, New Delhi in dismissing from service Shri B. S. Panchal, Ex-Com/Note Examiner, Grade II who effect from 28-4-1977 is justified. If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. Mr. Bhopal Singh Panchal, the workman, joined the service of the Reserve Bank of India on 5-3-1963 as Com/Note Examiner, Grade II. He was involved in a Criminal Case, F.I.R. No. 901 dated 7-9-74 under Section 302 IPC, P. S. Sarai Rohilla, Delhi and was arrested. He was placed under suspension. The Court of Shri B. B. Gupta, Addl. Sessions Judge, Delhi convicted him on 13-9-76 for culpable homicide not amounting to murder punishable under Section 304, Part I, I.P.C. and sentenced him to 8 years rigorous imprisonment and committed him to Central Jail, Tihar.

3. From Central Jail, Tihar, he wrote on 31-12-76 to the Manager, Reserve Bank of India about his conviction and sentence, and also about his having been lodged in Central Jail, Tihar. He pointed out that he filed an appeal against the aforesaid judgement and order of Shri B. B. Gupta, Addl. Session Judge in the Hon'ble High Court at Delhi together with a bail application. But the Hon'ble Mr. Justice V. D. Misra of Delhi High Court on 23-12-76 issued notice to the State for 4th January, 1977 to show cause why the bail was not granted to him. The High Court had Winter-vacation from 25-12-76 to 2-1-77. He pleaded that, under instructions of Government of India, Ministry of Home Affairs, he should continue to remain under suspension till the decision of his appeal.

4. On 28th April, 1977, the Manager, Reserve Bank of India, New Delhi, despite admission of Bhopal Singh Panchal's appeal by the Delhi High Court for hearing, dismissed him from service under Regulation 46(3) of the Reserve Bank of India Staff Regulations, 1948 on the ground that the offence of culpable homicide not amounting to murder, for which Mr. B. S. Panchal had been sentenced by the Sessions Judge, was one involving 'moral turpitude' and the dismissal was to take effect forthwith.

5. Mr. Panchal was acquitted by Hon'ble Mr. Justice Yogeshwar Dayal in Criminal Appeal No. 439 of 1976 decided on 21-11-1977. It was observed by the learned Judge of the Delhi High Court that he was not satisfied about the presence of Smt. Shanti at the spot, who was the prosecution witness against him. He further remarked that material things in the evidence remained completely unexplained, and this supported the defence version of the appellant, Mr. Panchal, and he gave Mr. B. S. Panchal (and other appellants) benefit of doubt and acquitted them.

6. After his acquittal from the High Court, Mr. Panchal sought re-instatement in Bank-service, but the Manager of the Reserve Bank of India, New Delhi refused his request on 16-2-1978. He filed an appeal to the Governor of the Reserve Bank against the order of the Manager of New Delhi Branch, which was decided by the Deputy Governor on 3rd August, 1978. The Deputy Governor rejected the appeal holding that there was no 'honourable acquittal' and Regulation 46(4) required 'honourable acquittal before he could

be reinstated in service. He specifically pointed out that Mr. Panchal was not acquitted on merits, but was given benefit of doubt and the appeal of Mr. Panchal had, therefore, to be rejected on account of Regulation 46(4) of the Reserve Bank of India Staff Regulations, 1948, which is in the following terms:—

'46(4)—Where an employee has been dismissed in pursuance of sub-regulation (3) and the relative conviction is set aside by a higher court, and the employee is honourably acquitted, he will be reinstated in service.

Explanation: In this Regulation committal or conviction shall mean committal or conviction by the lowest court or any appellate court.

1. The workman, Mr. Panchal, raised an industrial dispute which has, ultimately, been referred to this Tribunal and it is for the Management to show that the dismissal of Mr. B. S. Panchal w.e.f. 28-4-77 is justified.

2. The management of Reserve Bank of India has raised a preliminary objection that the dispute referred to this Tribunal is not whether Mr. B. S. Panchal should have been reinstated in service or not and, at the time the dismissal was ordered, the dismissal was perfectly legal and justified under Regulation 46(3) on account of conviction of Mr. B. S. Panchal for the offence of culpable homicide not amounting to murder, which offence involved gross moral turpitude.

3. On merits, it was pleaded that the offence of which Mr. Panchal had been convicted involved gross moral turpitude and the opinion of the Manager of the Reserve Bank of India on the point was perfectly justified. Mr. Panchal had right of appeal to the Governor, Reserve Bank of India, but he did not file any appeal against the order of the Manager dismissing him from service, and the order of the Manager became final. It is only after his acquittal by the Delhi High Court that he approached the Manager, Reserve Bank of India, New Delhi again for reinstatement and, when he was refused, he filed an appeal to the Governor of the Reserve Bank of India, but his prayer for reinstatement, as well as his appeal, had to be rejected on account of the terms of Regulation 46(4) which permitted reinstatement only if Mr. B. S. Panchal had been 'honourably acquitted', which was not the case.

10. The evidence of the parties has been recorded and arguments of the representatives of the parties have been heard at length.

11. It is to be noted that the Management of the Reserve Bank of India dismissed Mr. B. S. Panchal, from service while his conviction by the learned Sessions Judge, Delhi was under scrutiny in appeal by the Delhi High Court.

12. The technical objection raised is that the dispute referred to this Tribunal is not about his reinstatement in service, but about the validity of his dismissal from service w.e.f. 28-4-1977. The argument advanced is that the dismissal was obviously justified on account of his conviction by the Court of Session of an offence involving moral turpitude by virtue of Rule 46(3) of the Reserve Bank of India Staff Regulation, 1948.

13. This way of understanding of the dispute referred to this Tribunal is pedantic and rather foolish. The Government of India made the reference in 1980, after Mr. B. S. Panchal had been acquitted by Delhi High Court. They referred the question to this Tribunal as to whether the dismissal of Mr. B. S. Panchal w.e.f. 28-4-77 on account of the Management Orders passed after conviction in the Sessions Court were justified or not, on the date when the reference was made in 1980. The question referred is not about the action taken in April, 1977, but about its justification and continuance in a valid manner in the year 1980, even after the conviction relied upon had been upset by the High Court of Delhi on 21-11-1977.

14. The Industrial Jurisprudence has developed in course of time. Earlier contractual relations governed the field of industrial employment and 'hire and fire' was the rule. It is in these situations, when industrial Jurisprudence was in its infancy and security of tenure of an employee was tenuous that a view was taken by the courts that a person committing offence involving moral turpitude could have his services terminated and need not be re-employed on that conviction being set aside by the appellate court. Such was the case in "Madras Southern Mahratta Railway Co. Ltd. Vs. P. Ranga-

rao" reported in A.I.R. 1940 Mad. 269. Later, when this view was cited before Patna High Court in F.A. 167 of 1956 decided on 31st January, 1962 entitled as "Oppé J. L. Vs. Tata Locomotive and Engineering Co., Ltd." reported as (1962) II LLJ 398 (Patna), the Division Bench of Patna High Court could not accept that position, and observed as under:—

"If the plaintiff had committed any offence involving moral turpitude, independent of and unconnected with his duties, and if on his conviction for that offence by the trial court, he was dismissed, and if thereafter his conviction was set aside by the appellate court, the dismissal may be said to be wrongful and unjustifiable. The reason is obvious. In such case, the defendant-company had not material before it to support the dismissal and the delinquent servant could not be said to have been afforded opportunities to explain his conduct."

15. In "R. S. Dass Vs. Divisional Supdt. Allahabad" reported in A.I.P. 1960 All. 538, the Allahabad High Court ruled that the words "led to conviction" mean not merely a conviction in the trial court, but mean a conviction that is maintained ultimately, and which, as a consequence of appeal, has not ended in his acquittal. It was held that the dismissal orders against certain Railway employees were passed when appeals against their convictions under the Penal Code by the trial court were already pending before the appellate court, which ultimately allowed them, the case of the employees was not covered by Article 311(2) proviso, Clause (a). This Single-Bench ruling was upheld by the Division Bench of the same High Court in the case reported as A.I.R. 1961 All. 336. The Madras High Court in "Union of India Vs. Albar Sheriff" (reported as A.I.R. 1961 Madras 486), observed that the immunity of a civil servant from dismissal etc. without compliance with the provisions of Article 311(2) is taken away under proviso (a) to Article 311(2) only in a case where the dismissal or removal from service was based upon the ground of conduct which resulted in the conviction on a criminal charge. Once the conviction was set aside or quashed, the dismissal order must fall to the ground. An acquittal of a person of a criminal charge by a higher court setting aside the conviction passed by a subordinate or an inferior court was tantamount to the person not having been convicted at all. The setting aside of a wrong order of a court results in the position as if such order was never in existence, though as a fact the order was passed and lasted till it was set aside.

16. It may be mentioned that the Government of India has issued revised instructions, in accordance with the Constitutional principles and judicial decisions in matters concerning departmental action based on the decision of a criminal court. The relevant circular is "Government of India, Ministry of Home Affairs, O. M. No. F. 43/57/64-AVD(III), dated 29th November, 1966 as amended by G.I. G.S. (Department of Personnel) O.M. No. 371/3/74-AVD III, dated the 19th September, 1975, which, inter alia, provides as under:—

"3. (a) If an appeal/revision in higher Court/higher than the first Court of Appeal, against conviction, succeeds and the Government servant is acquitted, the order imposing a penalty on him on the basis of conviction, which no longer stands, becomes liable to be set aside.

A copy of the judgement of the higher court should, therefore, be immediately procured and examined with a view to decide—

- (i) whether the acquittal should be challenged in a still higher court; or
- (ii) whether, despite the acquittal, the facts and circumstances of the case are such as to call for a departmental enquiry against the Government servant on the basis of the allegations on which he was previously convicted.
- (b) If it is decided to take the matter to a still higher court, action to institute proper proceedings should be taken with the least possible delay and the penalty imposed shall not be set aside during the pendency of such proceedings.
- (c) If, on the other hand, it is decided that a departmental inquiry may be held, a formal order should be made—

- (i) setting aside the order imposing the penalty on the basis of the conviction; and
- (ii) ordering such departmental enquiry."

17. It will be apparent that Government of India considers that, when a conviction is set aside by a higher court, no action can be taken or maintained on the basis of conviction by the lower court, but disciplinary action may or may not be taken independently, by means of a departmental inquiry depending upon the circumstances of the case.

18. The workman has challenged the vires and propriety of Regulation 46(4), which insists on 'honourable acquittal before reinstatement'. Mr. H. L. Kumar, Advocate and Industrial-Management-Consultant at Delhi, in his book "Labour Management, Misconducts, Charge-sheets and Enquiries," II Edition, at page 114, sets out the present legal position as under:—

"However, a distinction between the acts committed by the employee in connection with his employment and the acts not connected with his employment should necessarily be made. If a person commits any offence involving moral turpitude unconnected with his duties and on his conviction he is dismissed without holding any departmental enquiry and if his conviction is set aside in appeal then his dismissal would become wrongful. In case of conviction for an act of the employee connected with his employment, apart from co-conviction by criminal court, the employer may hold a domestic enquiry and punish the delinquent employee for the misconduct after finding him guilty. In such a case, dismissal can be maintained independently of the result of the criminal proceedings, if any, and the eventual conviction or acquittal of the employee by the court would not affect the order of dismissal. However, if a person commits any offence involving moral turpitude unconnected with his duties and on his conviction he is dismissed without holding any departmental enquiry then in case his conviction is set aside in appeal, he shall be entitled to reinstatement and back wages. The reason is that the correctness or otherwise of conviction cannot be gone into either in the domestic enquiry or in the industrial adjudication. (Doomur Dullung Tea Estate Vs. The Workmen, C.A. No. 516 of 1966, decided by Supreme Court on 26-10-1967)."

19. In view of the foregoing reasons, Regulation 46(4) aforesaid is clearly invalid and improper, and militates against industrial jurisprudence developed and applied by the courts of this country since independence. That Regulation is ignored.

20. In fact, the Deputy Governor of Reserve Bank of India ought to have taken steps for getting Regulation 46(4) deleted, and not tried to rely upon the literal meaning of that sub-regulation. His attitude was hard-hearted and was uninformed by the developments in industrial and service-jurisprudence in this country. The attitude of the Management of the Reserve Bank of India recalls that of heartless shylock in William Shakespeare's play Merchant of Venice and the action of the Management of the Reserve Bank of India in canvassing the correctness of the dismissal of Mr. B. S. Panchal before this Tribunal is deprecated.

21. Accordingly, the order of the Manager of the Reserve Bank of India dismissing B. S. Panchal from service w.e.f. 28-4-77 is quashed, and he is ordered to be reinstated in service with full back wages and continuity of service on the footing that he was never dismissed from service. Mr. B. S. Panchal shall also be paid not only his dues on the basis of his continuance in service throughout, but also assessed-costs in the amount of Rs. 1000 by the Reserve Bank of India. Award is made accordingly.

O. P. SINGLA, Presiding Officer.

May 19, 1983.

Further ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Govt. for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer.

[No. L-12012/125/79-D.IIA]

New Delhi, the 31st May, 1983

S.O. 2650.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator Shri D. V. Ramachandran, Dy. Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Indian Overseas Bank Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 25-5-83.

BEFORE SHRI D. V. RAMACHANDRAN, DY. CHIEF LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), NEW DELHI AND ARBITRATOR

Case No. 1/2/81-E-1

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Indian Overseas Bank, Regional Office, Calcutta.

AND

Workmen of Indian Overseas Bank represented by the All India Overseas Bank Employees' Union.

APPEARANCES :

For Workmen.—Shri C. R. Chandra Shakharan, President, All India Overseas Bank Employees' Union.

For Management.—Shri Ravi Krishnaswami, Assistant Manager (Industrial Relations) Indian Overseas Bank, Calcutta.

AWARD

Dated, May 24, 1983

The Management of Indian Overseas Bank, Regional Office, Calcutta and their workmen represented by All India Overseas Bank Employees' Union referred the following dispute to my arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 vide their Agreement dated 26th March, 1981, which was published in the Gazette of India, Part-II Section 3(iii) dated 7th November, 1981 at page 3623, as Notification No. S.O. 3078 dated 3rd October, 1981 (L-12012/106/81-D.II(A)).

"Whether the demand of the workmen of Indian Overseas Bank, Calcutta represented by All India Overseas Bank Employees' Union for payment of four hours overtime to the following members of the Union for the month of January, 1981 is justified. If so, to what relief the workmen are entitled?"

1. Shri P. K. Ganguly, Clerk 2. Shri Chanchal Saha, Clerk 3. Shri U. K. Gupta Clerk 4. Shri Sivnarayun Mondal, Clerk 5. Shri B. N. Barman, Clerk 6. Shri S. K. Ghosal, Clerk 7 Miss. Kalpana Saha, Clerk.

2. Parties were called upon to submit their written statements. Thereafter the parties were heard on 17-3-82 at Calcutta, on 14-5-82 at Hyderabad, on 26th and 27th August, 1982 at Madras and on 9-12-82 at Vishakhapatnam. At their request, the parties were given time to submit written arguments also. The parties by Agreement extended the time limit for giving the Award from time to time and finally upto 31-5-83. The Union/workmen examined Shri S. L. Lakhotia and Shri P. K. Ganguly and the Management of the Bank examined S|Shri D. K. Nath, S. K. Poddar, P. Chandran and A. Srinivasachari. Both the sides produced various documents but the following documents which the Union wanted the Management to produce could not be produced as they were stated to be not available:

(1) Shri Rayan's report (2) Overtime slips for 79-80 (3) Overtime statements for the years 1979-1980 and 1981 (4) overtime registers for 1979, 1980 and 1981 (5) Statement showing number and lots of outward and inward clearing cheques in each day in 1980 and January and February, 1981 (6) Outward and inward clearing registers of 1980 and January and February 1981. However, both the parties had adequate opportunities to cross-examine the witnesses and also advance oral as well as written arguments in support of their cases.

3. The dispute is for payment of 4 hours' overtime wages to 7 clerks employed in Central Clearance Office (CCO) of the Bank of Calcutta for the month of January, 1981. The Union/workmen claimed the overtime wages for 4 hours on the following grounds:—

(i) The Union is the only recognised union for the workmen in the Indian Overseas Bank but their members were alleged to have been harassed by the members of the Indian Overseas Bank Employees' Union, West Bengal (Rival Union) and the said union members manhandled their office bearers and active members of recognised union during the month of December, 1980. This seems to have led the members of the recognised union going to the residence of the President of Rival Union presumably for requesting him to stop harassing their members. This provoked the members of the Rival Union who held demonstrations in Calcutta branches of the Bank including Regional Office from 20-12-80 to 31-12-80, demanding the Bank Management to suspend 6 members of the recognised union, who went to the house of President as stated above. It is alleged by the recognised union that no wages were deducted on 29th and 31st December, 1980 though the members of the Rival Union did not work after signing attendance register to join a demonstration. As the Management did not suspend members of recognised union the members of the Rival Union adopted co-co operation tactics work to rule and non-co-operation which meant refusal to work overtime from 1-1-81 to 9-1-81. This resulted in accumulation of work in the CCO and the members of the recognised union had to work overtime at the behest of accountant to clear the work and their claim is that the overtime work for 2 hours on 1-1-81 and 6 hours on 3-1-81 had to be reimbursed (ii) The members of the recognised union worked for 16 hours overtime whereas the members of the Rival Union worked only for 8 hours during the month of January, 1981. Members of both unions worked for 2 hours each on 10-1-81, 17-1-81, 24-1-81 and 31-1-81. The dispute arose when the members of the Rival Union got 6 hours' overtime wages paid for work @ 2 hours on 13-1-81, 14-1-81 and 15-1-81 which according to the recognised union no overtime work was performed, and it was to compensate for 6 hours' overtime which they lost by not working on 1-1-81, 2-1-81 and 3-1-81. The members of the recognised union, also, claimed to have got payment of overtime wages for 2 hours on 14-1-81 only and they did not get 4 hours' overtime for 13-1-81 and 15-1-81 on par with the members of the rival union. This led to the present dispute.

(iii) The workmen/union is aggrieved that the members of the rival union who did not do any effective work in December, 1980 were paid full salary.

4. The above grounds are contested by the Employer stating that according to their records, whoever worked overtime on 13-1-81, 14-1-81 and 15-1-81, were paid overtime wages, and the statement of the claimant union that this overtime was against the overtime for 1st, 2nd and 3rd January, 1981 was not correct. They took further stand that overtime wages were payable only for actual overtime work done and not on the basis of any arrangements or contract. They also stressed that overtime wages claimed in this dispute can not be considered legal and hence the Arbitrator should reject the claim.

5. It is clear from the evidence of Shri S. L. Lakhotia, who is also Vice-President of the All India Overseas Bank Employees' Union that the recognised union which has only 105 members out of total number of 700 Award Staff in the branches of Bank in the City of Calcutta, is facing lot of problems arising out of inter-union rivalry. Shri Lakhotia gave instances of man-handling of Shri S. K. Kapuria, member of his union, transfer of Mrs. Chitra Paul, another member favouring of Machhuwa bazar shoroffs, in order to create a post of Assistant Cashier etc. to favour the rival union. He, also, stated that the management did not cut wages for strike indulged in by the members of Rival Union. He, also, stated that the Rival Union, though not recognised, has been provided with an office within the I.E.P. branch premises and the bank has paid Rs. 90,000 (ninety thousand) as telephone charges and no telephone or trunk call register is maintained in the union office. Further no wages were deducted for strike by members of the Rival Union on 29th, 30th and 31st December, 1980 after signing

the attendance register. These instances were not denied by the management. Hence, it may be possible that due to pressures from the Rival Union, Management of the Bank may not be in a position to give equal treatment to members of both the unions.

6. Coming to the work of Central Clearing Office, it is found that the work there is comparable to a sort of assembly line work, in which all the members of the staff will have to work with co-ordination and within specified time limits. It is, also, admitted that general outward clearing for Monday was being conducted on Saturday. The cheques which are received on Saturday are sent by first clearing on Monday. For next day's first clearing, outward clearing should be prepared on previous day. It is clear from the evidence of Shri S. Poddar and circular issued by him (exhibit 'D') that outward clearing cheques to CCO were being received upto 1.30 P.M. on Saturdays. Naturally, this involved work of overtime as the cheques had to be prepared for Monday's first clearing. It is, also, admitted that there was an accumulation of work as the result of agitation in December '80 and January '81. Shri P. Chandran states in his evidence that the members of the recognised union worked more number of hours as overtime on 1st, 2nd and 3rd January as the Bank did not participate in correct records. It is seen during the months of December, 1980 was Bank's annual closing day and rival union members did not work on the 3 days. Shri D. K. Nath states in his evidence that he had no practice of issuing overtime slips until May, 1980 during the period he worked as Manager of CCO. He admits that all staff members of CCO have to work beyond 2 P.M. on Saturdays to clear outward clearing cheques to prepare them for first clearing on Monday. The nature of work in the CCO is explained by Shri P. K. Ganguly and the witnesses of the Management. From the nature of work, it is evident that if work is performed including overtime work, all persons would be involved and it can not be that few people work overtime and few people do not. It is, also, seen from the record of overtime wages that whosoever was present was being paid overtime wages on a particular day.

7. It is clear from the evidences and implications of the statements that the overtime work done on Saturdays by the staff was being adjusted during week days. The local Management of the Bank in order to satisfy the workmen and get work out of them colluded with the workmen, helped them to get more overtime wages resulting in maintenance of incorrect records. It is seen during the months of December, 1980 and January and February, 1981 that the overtime register does not follow the chronological order. The overtime formed during the month of January is being paid even in March, 1981 and separate sheets are shown for recognised and un-recognised union members. This clearly shows that there was some conflict between the unions and the Bank got involved in the same. Hence, it can not be ruled out that the Accountant of the Bank was pressurised to pay overtime wages by the Rival Union for some period, when they did not perform overtime work actually and to purchase peace, the Accountant succumbed. This is evident from the paragraph 17 of the written statement of the Bank filed on 15th February 1983 and paragraph 17 of the written statement of the Bank filed on 16th March, 1982 where the Bank, indirectly, admits that there might have been arrangements made by the Accountant to pay contractual overtime. After all, the Accountant of the Bank can not commit the Bank Management to any financial commitment unless he has some authority, express or implied. The action of the Accountant was primarily in the interest of the Bank in that the work in the CC should be carried on without any hindrance and smoothly so that the great financial loss that would occur to the Bank by the stoppage or slow-down of work could be avoided. At this late stage the Bank Management can not say that any arrangement made by local management or their Accountant is not binding upon them. The problem arose when the Accountant paid contractual overtime to the members of the Rival Union for 3 days at the rate of 2 hours per day and agreed to pay only for one day for the recognised union members for 2 hours. Somehow the Accountant or the Bank Management thought it fit to brush aside the requests of the recognised union, perhaps they were afraid of the reaction of the Rival Union, which was more powerful in the city of Calcutta.

8. The Bank has totally denied the existence of contractual overtime. But from the evidence of their own witnesses, it is clear that contractual overtime was in existence in Bank's branches in west Bengal, specially in the city of Calcutta. I am glad to learn that such contractual overtime has been totally stopped at present. The record of overtime wages and entering of the days and hours of overtime work carried on by the staff members in the registers has not been very satisfactory. The overtime register brought before me is defective, in that most of the columns are not properly entered and it does not contain the signatures of the Accountant and the details required in the columns provided. It is, also, not maintained under any statute. Thus, the overtime record does not reveal the real state of affairs in the Bank. It may, also, be stated that payment of contractual overtime or overtime wages as an incentive for completion of the quantum of work is very common in most of the Banks and establishments. The payment of wages or remuneration or overtime wages or incentives to the workmen is a matter of contract between the Management and the workmen. There is nothing illegal about the arrangements. Neither the claiming of overtime wages or any money or monetary benefits by the workmen nor the payment by the Management of such wages incentive money or benefits can be termed illegal. There is no law prohibiting such arrangements. Even if there is a settlement stipulating the methods, terms and conditions for payment of overtime wages and payment beyond its terms can not be stated to be illegal. There can be arrangements for payment of contractual overtime, it is for Management and workmen (Unions) to get rid of such payments by understanding and agreements.

9. It is difficult to understand as to why the Management failed to produce the records and documents as requested to by the Union. It is admitted that there was some enquiry made by Shri S. A. Ravan, Management Regional Office regarding overtime working in CCO but the Management chose not to produce the report submitted by Shri Ravan which perhaps would have thrown light on some of the issues. The other records such as statements showing number and lots of outward and inward clearing cheques in 1980 and January and February, 1981 and the registers would have also been helpful.

10. After appreciating the evidence and considering various arguments, I have come to conclusion that the Management of the Bank has been pressurised by the Rival Union to pay overtime wages to the tune of 6 hours whereas the members of the recognised union have been discriminated in that they have been paid only for 2 hours. This resulted in a serious agitation carried on by the recognised union which would have engulfed all the branches of the Bank in the country but for the agreement between the Management and the union for referring this particular dispute to arbitration. I do not find any valid reason as to why the Bank should not treat the members of both the unions at par. In fact, the members of the recognised union can claim for better treatment at the hands of the Management. It is expected that the Management should at least be impartial and see that their local officers do not lean towards one or the other union, thus adding to inter-union rivalry. Better personnel Management would have enabled the Bank to avoid such disputes.

11. In view of the above, I hereby direct the employer, the Management of the India overseas Bank to pay 4 hours' overtime wages to 7 clerks listed in the reference and if the amount has already been paid as advance, it shall not be recovered.

This is my Award.

[No. L-12012/106/81-D.I.A]
D. V. RAMACHANDRAN, Dy. Chief Labour Com.(C)
& Arbitrator

New Delhi, the 2nd June, 1983

S.O. 2651.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mercantile Bank Ltd and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th May, 1983.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA**

Reference Nos. 37, 38 & 39 of 1980

PARTIES :

Employers in the relation to the management of Mercantile Bank Ltd.,

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

On behalf of the Employers.—Mr. A. K. Banerjee, An Officer of the Bank.

On behalf of Workmen.—Mr. D. P. Roy, General Secretary of the Union.

**STATE : West Bengal, INDUSTRY : Banking.
AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour, referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication by their Orders as mentioned in each case :

Reference No. 37 of 1980 (vide Order No. L-12012/107/79-D. II A dated 3-6-80).

"Whether the action of the management of Mercantile Bank Ltd., 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001 is not confirming Shri Sant Lal Ram, as full time and regular sub-staff is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

Reference No. 38 of 1980 (vide Order No. L-1012/106/79-D. II. A dated 3-6-80).

"Whether the action of the management of Mercantile Bank Ltd., 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001 is not confirming Shri Newajji Hussain as full time and regular sub-staff is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

Reference No. 39 of 1980 (vide Order No. L-12012/109/79-D. II, 1 dated 3-6-80)

"Whether the action of the management of Mercantile Bank Ltd., 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001 is not confirming Shri Noor Md. as full time and regular sub-staff is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. A preliminary objection has been raised by the management of the Mercantile Bank Ltd., Calcutta that no written statement has been filed by any union, that the union of the workmen of the Mercantile Bank Ltd. are not espousing the cause of the concerned workman and that only the individual workman has filed written statement which ought to be ignored. It is also urged that the Indian National Bank Employees' Congress (INBEC) was a stranger union unconnected with the Bank and had neither a majority nor a substantial number of workmen of Mercantile Bank Ltd. as its members on the date of the reference and it had not been authorised by any resolution or otherwise and therefore the said Congress has no locus standi to espouse the cause of the concerned workman. Another preliminary objection is that the concerned workman was not an employee of the Bank but he was an employee of the Canteen run and managed by the Officers themselves.

3. The case of the concerned workman so far as the preliminary points are concerned is that the Mercantile Bank's Workers' Union of which he was a member was affiliated to the INBEC and they had authorised the latter to espouse the cause of the concerned workman. He has further alleged that he was an employee of the Bank, was appointed by the Bank and was posted to Officers canteen.

4. In view of the first preliminary objection it is not necessary to embark on an enquiry into the second point

that is, whether the concerned workman is an employee of the Bank.

5. By the first preliminary objection the management has challenged the locus standi of the INBEC to represent the concerned workman. In Deepak Industries Ltd. v. State of West Bengal 1975 Lab IC 1531 it was held that when the authority of the union to represent the workman is challenged by the employer then onus is on the union to prove it by production of material evidence. In this case the INBEC was given sufficient time to produce evidence (vide Ordersheet of this Tribunal dated 15th December, 1981, 25th January, 1983 and 21st April 1983). On 4th December, 1982 the union said that they are not in a position to file the document and they will not file them. Sri Bhattacharya, the then Presiding Officer of this Tribunal by his order dated 15th December 1981 had directed Sri D. P. Roy to file the documents. Sri Roy then submitted that he had collected some documents but others had not been collected, though they were in existence. On 25th January, 1983 Sri Roy took time to produce the necessary documents. On 9th May, 1983 Sri Roy said that no evidence was required to be produced by him. The result is that no evidence oral or documentary has been filed by the said Congress to prove its authority to represent the concerned workman. I have already said that the onus in such cases is upon the union to prove its authority. If no evidence is adduced it has to be held that the Congress has failed to prove its legal authority to represent the concerned workman. If so, it must be held that there was no industrial dispute within the meaning of Section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947 as the Congress which espoused the cause of the concerned workman had no locus standi to represent him. vide the case of Deepak Industries Ltd. (supra) Section 2A of the Industrial Disputes Act 1947 does not apply because the reference does not relate to disengagement or retrenchment or termination of service otherwise.

For the reasons given above the reference is held to be incompetent. This is my award.

M. P. SINGH Presiding Officer,
(No. L-12012/106)/79-D II A

Dated, Calcutta,
The 19th May, 1983

S.O 2652.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India, Faridabad and their workmen which was received by the Central Government on the 11th 27-5-83.

BEFORE SHRI O P SINGH A PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CAMP AT CHANDIGARH

I.D. No. 78 of 1981

In the Matter of Disputes Between Shri S.C. Chawla
Workman.

AND

Central Bank of India,
Regional Office,
Sector 17-B, Chandigarh

Management

PRESENT :

Shri H.L. Chhibber for the Management.
Shri R.K. Sharma for the Workman

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour 30th June 1981 vide order No. L-12012/136/80-D II A made the reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of Central Bank of India in relation to its Branch at Faridabad (Hariana) in taking into account City Compensatory Allowance and House Rent Allowance paya-

ble to Shri S. C. Chawla for the purpose of fixation of his basic salary as Cashier-Cum-Godown Keeper while promoting him to that post from the post of sub-staff is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. The matter has been amicably settled between the parties after mutual discussion in February, 1982 and the Secretary, Central Bank of India Employees' Union agreed not to pursue the matter before this Tribunal and a joint request has been made that a 'No Dispute Award' be made in this case.

3. In view of the mutual agreement between the parties and the desire of the workman not to pursue this reference, a 'No Dispute Award' is made.

Further ordered that the requisite number of copies of this Award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer

May 21, 1983.

[No. L-12012/136/80-D-II.A]

S.O. 2653.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India, Kanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th May, 1983.

BEFORE SHRI O.P. SINGLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
NEW DELHI

I.A. No. 184 of 1981

In the matter of dispute between

Shri Uma Shankar Through
U.P. Bank Employees' Union, 361 Kailash Mandir,
Kanpur.

AND

Union Bank of India
Zonal Office, Clark Avadh Hotel,
Hazaratganj, Lucknow.

PRESENT :
None.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, on 2nd December, 1981 vide Order No.L-12012/133/81-D.IIA made the reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of Union Bank of India is not absorbing Shri Uma Shanker on the post of sub-staff and terminating his services from 19-7-1980 (A.N.) is justified? If not, to what relief is the workmen concerned entitled?"

2. Notices were issued to the Management of Union Bank of India and Assistant General Secretary, U.P. Bank Employees' Union, 361, Kailash Mandir, Kanpur, U.P. Mr. Atul Gupta appeared for the Management and Mr. R. K. Pandey for the Workman on 17-2-83. The Statement of Claim was to be filed on 18-3-1983. But none appeared on that day and no Statement of Claim was filed. On 18-3-1983 a letter was received that the applicant could not file the Statement of Claim and therefore, a fortnight date may be given for filing the claim-statement and if possible, the date may be fixed for 23rd April, 1983. The case was adjourned to 22nd April, 1983. But on that day, none appeared for the workman and notice was issued to the workman for today. Again, today, none has appeared for him.

3. It appears that the workman has lost interest in the present matter and does not want to pursue the matter further and a 'No Dispute Award' is made in the instant case.

Further ordered that the requisite number of copies of this Award be forwarded to the Central Govt. for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer

May 23, 1983

[No. I-12012/133/81-D.IIA]

New Delhi, the 3rd June, 1983

S.O. 2654.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th May, 1983.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL :
CALCUTTA

Reference No. 70 of 1979

PARTIES :

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta,

AND

Their Workmen

PRESENT :

Mr. Justice M. P. Singh—Presiding Officer

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Sri D. K. Mukherjee, Industrial Relations Officer

On behalf of Workmen—Sri A. K. Basu, President of the Union.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Port

AWARD

By Order No. L-32011/5/79-D.IV(A) dated 2nd November 1979 the Government of India, Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the demand of the Berthing Masters and Assistant Dock Masters of Calcutta Port Trust for allowing them time for meals/tiffin and for changing clothes and for washing in between their shift hours is justified? If so, to what relief are these workmen entitled?"

2. The management has examined one witness and has filed four documents, Exts M-1 to M-4. The Union has not examined any witness. They have filed only one document, Ext. W-1

3. In my opinion, the said demand is not justified. In order to appreciate the point in issue it is extremely essential to keep in mind the nature of marine work. Calcutta Port is admittedly situated on a tidal river, River Hooghly. Its marine work is mainly operational and it is closely connected with tides and as such its work is intermittent in nature. The work is carried out in accordance with the weather conditions so as to ensure that the vessels do not miss the tide. The jurisdiction of the Calcutta Port extends from the docks to Sandheads in the south at a distance of 126 miles and in the north to the junction of the river Jalangi and Bhagirathi at a distance of about 80 miles from the docks. The river Pilots bring the ships upto Panchpara, Garden Reach a distance of about 120 miles from Sandheads Harbour Pilots take over from river Pilots and bring the ships upto river moorings/Jeties or inside the Lock at Netaji Subhas Dock and Kidderpore Dock. Ships are taken from the Lock to the Dock Berths and vice versa under guidance from the Berthing Masters; all internal movements from one Berth to another or to the Dry Docks and from Dry Docks to Berth are carried out under guidance from the Berthing Masters. Excepting for the operations of the passing the ships through the Swing/Vascale Bridge cutting, only one Berthing Master is on the ship during transportation from the Lock to the Dock Berths and the vice versa. The Berthing Masters advise

the Captain of the Ship about the operation to be carried-on in transporting the ships from the Lock to the Dock Berths and vice versa. The Berthing Masters are not required to handle the Engine or other gears during the transportation of the ships, which are carried on by the officials of the ship. The Berthing Masters provide shore guidance through Lock and Bridge cuttings but they are not required to warp the vessels by their own hands; the Berthing Masters are occasionally required to supervise the work of crew on jolly boats, tugs etc. The Assistant Dock Masters also provide shore guidance and they are not required to handle the Engine or other gears. The Assistant Dock Masters are not required to board the vessel. They are occasionally required to supervise the work of the Berthing Masters. They are employed in 8 hour shift. The first shift is from 5 a.m. to 1 p.m., the noon shift is from 1 p.m. to 9 p.m. and the night shift is from 9 p.m. to 5 a.m.

4. As deposed by MW-1, A. Coelho the Dock Master, there are at present 29 berthing masters and 8 Assistant Dock Masters. Four berthing masters and one Assistant Dock Master work in each shift on each dock. There are two docks, the Kidderpore dock and the Netaji Subhas dock. The total number of berthing masters for each shift at both the docks is thus 8 and that of the Assistant Dock Masters is two. Ext M-1 is the Schedule of dock movements which is drawn up every day. The list is prepared by the Deputy Dock Master M-1 A Coelho the Dock Master has fully explained the schedule (Ext M-1) of the dock movements and the nature of marine work. He says :

"It indicates the programme for the ship movement in the docks and the ship arrivals and departures into and out of the docks. It also gives the time when the boats are taken into and out of the docks and also the time for the tug which is used for turning the ships in berth. It also indicates other information like draft, time of hauling out and pilot boarding time. All ships require the presence of one or two berthing masters as required, the passage of the boats do not require the presence of berthing master. The tug is usually stationed in the river and does not require the berthing master for its movement. For the particular day there are three port trust crafts scheduled for movement. These may not require the presence of berthing master on board but there will be a berthing master on the shore to supervise their movement. These normally are the jobs but there could be some additions and cancellations. It is occasional. In the list exhibited there are four scheduled arrivals. These arrivals are based on the assumption that the ships are required in Calcutta but it is possible that for a number of reasons some of them may not arrive. That will naturally reduce the job. This is dock movement list for the following dates : 2nd January, 3rd January, 4th Jany., 5th 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 12th, 14th, 19th; 21st, 23rd and 24th January, 1983. For 5. 1.83 we had three scheduled movements, one commencing at 0.700 hours, the 2nd at 0.800 hrs and the third at 08.30 hrs. We also had a ship scheduled for 11.30 hrs shifting berth and for the same dock i.e. Kidderpore dock three ships were scheduled to arrive. At N. S. dock we had one ship leaving the dock at 4 O'clock, one ship shifting berths at 0.630 hrs and 13.30 hrs and one scheduled arrival. At N-S. Dock the first job of the day scheduled at 0.400 hrs. The berthing master would report on board at about 03.45 hrs and he will commence his work as soon as he is ready. The ship would be hauled out from its berth and taken to the lock. Whilst the ship is entering the lock the Asstt. Dock Master would take charge and bring the ship into the lock. The normal time allowed for such a movement is about one and half hours. The next ship was scheduled to arrive from the river. She would have arrived in the lock at about 0.7 hrs where the Assistant Dock Master and the berthing master would be in attendance. He was in the dock. The Asstt. dock master and one berthing master who would board the ship would then assist the ship out of the lock and the berthing master would then take the ship to its berth. The whole operation i.e. from the time the ship comes to the approach jetty and she gets to its berth would be about two and half to three hours. This includes waiting time in the lock when the lock level has to

be adjusted to the dock level. The next ship was scheduled for shifting from one berth to another inside the dock. The Berthing master would board approximately at about 1.15 p.m. and the job would be completed in about one and half hours. The last ship for that day was a ship scheduled to arrive. The arrival time for that ship would be approximately about 4 p.m. when she would be attended to by an Assistant Dock master and two berthing masters who would take her into the lock after she is locked in, one berthing master would board the ship, she would then be assisted out of the lock by an Assistant dock master and the berthing master (shore) and after she has cleared the lock she would be taken by a berthing master who is on board the ship to its berth. The whole operation would in normal circumstances take about two and half hours including waiting time in the lock. These are schedule movement for the day, 3-1-83 for all three shifts. The total number of berthing master for all these jobs would normally be 12 berthing masters and three Asstt. Dock masters according to the schedule. This number of berthing masters could however be depleted on account of sickness, etc. We take 8th/9th January 1983—this will cover the period from 6 P.M. of 8th to 6 P.M. of 9th. At Kidderpore during this period there were three movements, one departure from dock to Garden reach which would have taken in the normal course two and half hours, two shifting which would take for the first shift about one and half hours, for the 2nd shift about one hour. This would be during the night of 8th. There were two scheduled arrivals and if they arrived they would have arrived off the dock at approximately noon. The approximate time for berthing both the ships from the time they came off the approach jetty to their berth in the dock would be about three hours under normal circumstances. At N. S. dock there was one departure on the night of the 8th where about two hours time would have been taken, one shifting where one and half hours time would have taken and on the 9th afternoon there was one shifting which could have taken about one and half hour. There could be some absences on account of sickness etc., but these are the job for 24 berthing masters on the schedule shift but the number could be less; Asstt. dock masters would be six. On 5-1-83—if we take the 24 hours period i.e. 5th/6th January we have the scheduled nine job requiring the presence of Berthing masters at Kidderpore. During the same period we had seven jobs requiring the presence of Berthing masters at N S Dock. On the next 24 hours period we had at Kidderpore 15 job and nill at NSD. For the next 24 hours we had 11 at Kidderpore and six at N. S. Dock. For the next 24 hours we had 5 scheduled movements at Kidderpore and three at N. S. dock. We took some statistics of January and shiftwise for January 1983 the day shift came to 2.7, the afternoon came to 3.2 and the night shift came to 1.6 at Kidderpore dock. During the same period at N. S. dock it was 1.5 for the morning shift, 1.6 for the afternoon shift and .6 for the night shift. These were only actual ship movement. The average came to 11.2 at both the docks. There could be periods in between jobs when the Berthing master is not required to be on any ship duty. During that period they are normally resting in their rest room. If there is no ship movement during the shift they will be normally resting in the rest room. The arrivals and departures of ships into and out of the docks are determined by the tides for the particular day. These tides are predicted in advance and published as tide tables for the Hooghly river. It is Ext M-7. For the 5th January 1979 ships would normally arrive at 0.730 hrs for the 6th about the same time, on the 7th about 8 O'clock on the 8th about the 10 O'clock, on 9th 11 O'clock, on 10th about noon, on 11th about 1 p.m. on 12th about 1.30 p.m., on the 13th about 2 p.m. on the 14th about 3 p.m. on the 15th about 15.30 p.m. and on the 16th about 16 p.m. There is also a night tide water every day. It is on these timings that the outward ships which are deep normally sail. The night high waters for the particular day are 1900, 6th 2000, 7th 21.30, 8th 22.45, 9th 23.45, 11th half past midnight, 12th about 1 O'clock, on 13th 1.45, on 14th about 2.5, 15th

about 2.45 and 16th about 3.15. The arrivals will be determined by the time of the day high water. Apart from this period the intra dock shifting are programmed so as not to cause any delay to the berthing of the inward vessel. Similarly the departures, our programme according to the tides and they take precedence over other movements. This programme which is drawn up can be ascertained by the Officers concerned and they are provided with telephone reimbursement for the purpose. The offices in the normal course do normally ascertain the programme of scheduled ship movement before they come on watch if they so desire. At the commencement of the shift they know the full programme of the ships movement for the shift. Because of the tidal characteristics of the river ship movements are carried out according to the tide."

In cross examination he said that presence of a berthing master is necessary when a vessel is coming from Approach Jetty to a lock and he is also required when a vessel is entering in N. S. dock from the lock. He has further said that the berthing master will be on duty for 8 hours at a stretch but not continuously. The cross-examination by the Union is mainly directed towards the fact as to for how many actual hours a particular berthing master did duty on a particular day and the number of jobs done by a berthing master could be more than what is mentioned in Ext M-2, but nothing material has been elicited. The main fact stands and I think, undisputedly that shipping movements are carried out according to the tide, that full programme of shift movement is chalked out for each shift separately because of the tidal characteristics of the river. The Calcutta Port is a river port. It is situated on a tidal river, The Hooghly. There is day tide night tide. The time of tide is uncertain and not fixed. Hence it is impractical to allow time to the concerned workmen who are concerned with ship movement for meals etc. shifting movement cannot be stopped for meals because of the peculiarity of the river port. The marine work is mainly operational and closely linked to tides. The marine staff has to remain watchful in order to ensure that the vessels do not miss the tide. The officers concerned can have their meals etc. either before commencement or after completion of their duty in each shift. I see no difficulty in that. They have been doing so for more than 50 years.

5. Sri A. K. Basu, President of the Union, has referred to some provisions of the Factories Act, 1948 and West Bengal Shops & Establishments Act, 1963 but those duties cannot be compared with the duty in question. The subject of industrial law may be split for convenience into three principal areas : (i) Industrial safety law, (ii) employment law and (iii) the law relating to industrial relations. Each has a different legal and special background. Factory law may come under the category of industrial safety law. Here we are concerned with employment law. The two should not be compared. So reference to Factories Act or Shops & Establishments Act is wholly irrelevant for the purposes of this case.

6. Sri A.K. Basu next argued that the berthing master had to work for 8 hours and that the duty hour in some cases was extended even to another shift. He also submitted that they had to leave their residences earlier, had to go to the office and then they had to start for the ship before the duty hour and in this way they had to put in more hours for performing their duty. He gave some instances in support of this argument. On the other hand Sri Mukherjee for the management contended that there were periods of inaction and they had ample time in their hands for tiffin etc. He pointed out that in between 2 January and 16 January there were 130 shifts in which they worked for 5 to 7.30 hours in two shifts, for less than 7 hours in 4 shifts and for less than 4 to 5 hours in 5 shifts, that in 119 shifts they had worked below 4 hours and thus there were sufficient period of inaction. He said that they did not work for 8 hours continuously. In my opinion it is not necessary in this case to calculate the actual hours of work performed by each berthing master on each day. The important fact is that the ship movement is related to tide. Having regard to the nature of duty it is not possible to grant the relief prayed for by the Union.

7. Sri D. K. Mukherjee appearing for the CPT drew my attention to the Award given in Reference Nos. 136 137 and 140 of 1966 on 6 September 1967 by Sri S. K. Sen, the then

Presiding Officer. Issue No. 2(a) out of the six issues was as follows :

"2(a) Whether the demand of the workmen attached to the Harbour Crafts and berthing establishments under the Harbour Master including Mooring crew and the operational staff under the Mooring Master for fixed recess hours and payment of overtime for work during such recess hours instead of the present basis of variable recess.....are justified or not. If so, what should be the relief ?"

The answer to the same in the form of award was as below :
"Issue No. 2—Part 1

The demand of the workmen attached to the Harbour crafts and berthing establishment under the Harbour Master including the mooring crew and the operational staff under the Mooring Master for fixed recess hours and payment of overtime for work during such recess hours instead of present practice of variable recess is not justified in view of the conditions under which these workmen must work to keep the port running except for the laskars of the Fender Shed whose work does not depend on the action of the tides and the crew of launches and tugs who are entitled to slightly higher overtime allowance because of more continuous engagement."

In my opinion this finding helps Sri Mukherjee. Any way I have decided this case on merits.

8. For the reasons given above, my concluded award is that the demand of the Berthing Master and of the Assistant Dock Master of the Calcutta Port Trust for allowing them time for meals/tiffin and for changing clothes and for washing in between their shift hours is not justified. It follows that the concerned workmen are not entitled to any relief.

Dated, Calcutta,
the 19th May 1983.

Sd/-

M. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-32011/5/79-D. IV(A)]
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 3 जून, 1983

कांग्रेस 2655.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित; था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 से खण्ड (d) के उपखंड (vi) के उपवंधों के अनुसरण में भारत सरकार के थम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का 4217 तारीख 1-12-82 द्वारा लोह अयस्क खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 4-12-82 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (d) के उपखंड (vi) के परन्तु इस प्रकार शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सर्—इस उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 4-6-83 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी लेखा घोषित करती है ।

[एस० 110178/81/-टी० 1(ए)]
एस०एच०एस० अध्यर, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd June, 1983

S.O. 2655.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 4217 dated the 1st December, 1982, the iron ore mining industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a period of six months, from the 4-12-82.

And, whereas, the Central Govt. is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from 4-6-1983.

[No. S-11017/8/81-D. I(A)]
S.H.S. IYER, Under Secy.

New Delhi, the 4th June, 1983

S.O. 2656.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Cantonment Board, Dehradun and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th May, 1983.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
NEW DELHI
I.D. No. 50 of 1981

in the matter of dispute between,

Shri Mohan Singh Sajwan, s/o Sri Dhum Singh, Khaslasi,
Part No. 26, Survey of India, Dehradun, Karanpur,
P.O. Dehradun.

AND

Cantonment Board, Dehradun.

PRSEENT:

Shri S. L. Sharma for Management.
None for the Workman.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, on 31st March, 1981 vide Order No. L-13012(1)/80-D.II.B made the reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

“Whether the action of the Management of Cantonment Board, Dehradun, in terminating the service of Sri Mohan Sajwan, Assistant Sanitary Inspector, with effect from 25-7-1979 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. Notices were issued to the parties. The Cantonment Board, Executive Officer at Dehradun filed a statement dated 15th April, 1981 explaining the circumstances in which the services of Mohan Singh, Assistant Sanitary Inspector were terminated. It was stated that the sanction was accorded on 4-5-1979 for the employment of some temporary additional staff including one Assistant Sanitary Inspector for a period

of six months and Shri Mohan Singh was employed as Assistant Sanitary Inspector in the temporary post w.e.f. 1-6-79 on the express condition that his services were liable to be terminated at any time. The Finance Committee on 11-7-1979 decided that the services of Mohan Singh be dispensed with after approval of the Board and the Board on 19-7-1979 confirmed the resolution of the Finance Committee and accordingly, the services of Mohan Singh were terminated after he had worked with the management only for less than two months.

2. The workman himself has not appeared despite notice and he cannot, on the facts, swim in the harbour of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1975 for he had not worked for 240 days and was not entitled to retrenchment compensation and notice for terminating his services. The action of the Management in terminating the services of the workman w.e.f. 25-7-79 appears to be legal and justified as shown by the Management and, therefore, the workman is not entitled to any relief. The Award is ex parte against the workman.

3. The Award is made in the terms aforesaid.

O. P. SINGLA, Presiding Officer.

Dated, May 20, 1983.

Further ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

May 20, 1983.

[L-13012(1)/30-D.II(B)]
HARI SINGH, Desk Officer.

New Delhi, the 4th June, 1983

S.O. 2657.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Eastern Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 31st May, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT DHANBAD
Reference No. 8/81

PRESENT:

Shri J. N. Singh, Presiding Officer.

PARTIES.

Employers in relation to the management of M/s. Eastern Coalfields Ltd., at Sancoria, P.O. Disergath, Dist. Burdwan.

AND

Their Workmen

APPEARANCES:

For the Employers—Sri T. P. Chowdhury, Advocate.

For the Workmen—Sri P. C. Seal, representative of the Union.

INDUSTRY : Coal

STATE : West Bengal

Dated, the 8th April, 1983

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012 (223)/80-D. III(A) dated the 27th March, 1981.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Bargo Colliery under Dumka Sub-Area under M/s. Eastern Coalfields Ltd., At and P.O. Dumka, Dist. Santal Paraganas, in terminating the services of Sarvashri Apurba Kumar Seal and Ashim Kumar Seal from the 1st June, 1974 is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?”

2. On 6-4-1983 both the parties have filed a joint petition of compromise duly signed on their behalf and they pray that an award be passed in terms of the settlement.

3. I have gone through the terms of settlement and it is beneficial for the workmen.

4. In the circumstances the award is passed in terms of the settlement which shall form part of the award.

J. N. SINGH, Presiding Officer..

TRUE COPY

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 3 DHANBAD.

In the matter of Ref. No. 8 of 1981.

PARTIES .

Employers in relation to the Management of Bargo Colliery of Eastern Coalfields Ltd.

AND

Their workmen.

JOINT PETITION ON BEHALF OF EMPLOYERS AND WORKMEN.

The above mentioned employers and the person concerned viz ; S|Shri Asim Kumar Seal and Apurba Kumar Seal most respectfully beg to submit jointly that both the parties have negotiated the matter among themselves and have come to the following overall mutual agreement in full and final settlement of the matter .

- (1) That without prejudice to their contentions submissions as contained in their written statement, the Management shall provide employment to S| Sri Asim Kumar Seal and Apurba Kumar Seal as Clerk Gr.II in the NCWA-II pay scale of Rs. 508-23-692-29-808 on an initial starting pay of Rs. 508/- p.m. The said employment will be absolutely a fresh appointment and it will have no connection whatsoever with their alleged previous employment in Bargo colliery. The Management has agreed to provide employment to these two workers as they require persons in that category to meet their existing requirements.
- (2) That the Management shall initially provide employment to these persons in simlong colliery of Eastern Coalfields Ltd., and thereafter the Management shall have the right to transfer or post them wherever it may require their services from time to time. This shall be an express condition of service of these two workers.
- (3) In consideration of the Management's offer to provide employment to S|Sri Asim Kumar Seal and Apurba Kumar Seal as laid down in sub-paras (1) and (2) above, they shall forego all their claims arising out of and in respect of the present reference including back wages, benefit of past service, etc. etc.
- (4) This shall be over-all agreement/settlement in respect of all the claims of the workmen in the present reference and the workmen concerned shall under no circumstances re-open the matter in any manner whatsoever.
- (5) The employment as aforesaid should be provided to the two workers concerned S|Sri Asim Kumar Seal and Apurba Kumar Seal within a fortnight of this joint petition being accepted by the Hon'ble Central Govt. Industrial Tribunal No.3, Dhanbad and his giving an award in terms thereof.
- (6) That both the parties consider this agreement as fair and reasonable.

The employers and the workmen concerned therefore jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to give an award in terms of the aforesaid agreement.

Sd/- (ASIM KUMAR SEAL)

WORKMAN CONCERNED

6-4-83.

sdl/- (APURBA KUMAR SEAL.)

WORKMAN CONCERNED

6-4-83

sd/- (J.N. Singh)

PRESIDING OFFICER

FOR & ON BEHALF OF EMPLOYERS

Sd/- T.P. Choudhury, ADVOCATE FOR EMPLOYERS.
Singed in my Presence

Sd/- Prayag Chandra Seal 6-4-83

Sd/- Illegible, Dy. P.M.

[No. L-20012(225)/80-D.III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer.

New Delhi the 31st June, 1983.

S.O. 2658.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3 Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Baidyanathpur Section of Pandaveshwar Colliery of Eastern Coalfields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th May, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO.3, DHANBAD
REFERENCE NO. 77-80

PARTIES

Employers in relation to the Management of Baidyanathpur Section of Pandaveshwar Colliery of Eastern Coalfields Ltd., Dist. Burdwan.

And

Their workmen..

APPEARANCES :

For the Employers-Shri R.N. Tewary, Deputy Personnel Manager,

For the Workmen-Shri S. Bose.

INDUSTRY : Coal;

STATE : West Bengal

Dated, the 21st May, 1983.

Award

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10 (1) (d) of the Industrial disputes Act, 14 of 1947 referred the dispute to the Central Govt. Industrial Tribunal, Calcutta for adjudication. Subsequently the dispute has been transferred to this Tribunal for adjudication under order No. S-11025 (4) 80-D IV (B) dated the 14th/17th November, 1980

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Baidyanathpur Section of Pandaveshwar Colliery (Samla Group), P.O. Pandaveshwar, Dist. Burdwan in stopping from the workers mentioned in the Annexure with effect from dates noted against each is justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?"

ANNEXURE

Sl. No.	Name of worker	Designation	Date
1.	Shri Balmukund Singh	Boxing Mistry	14-2-73
2.	Shri Anadi Singh	S/Trammer	14-2-73
3.	Shri Chandrasekhar Singh	Stowing Mistry	14-2-73
4.	Shri Joypakash Singh	Pipe Fitter	14-2-73
5.	Shri Kailash Prasad Singh	Stowing Mistry	14-2-73
6.	Shri Pravakar Singh	Cap Lamp Fitter	14-2-73
7.	Shri Palkit Jha	Mech. Operator	14-2-73
8.	Shri Rambahadur Singh	Night Guard	24-1-73
9.	Shri Ramesh Singh	P/Khalasi	14-2-73
10.	Shri Rabi Mondal	E/Mazdoor	17-1-73

1	2	3	4
11. Shri Santosh K. Singh	S/Mazdoor	11-2-73	
12. Shri Trivuban Singh	Tel. attendant-cum-Munshi	14-2-73	
13. Shri Ambika Singh	C.C. M. Majdoor	14-2-73	
14. Shri Devendra Pandey	Dresser	19-1-73	
15. Shri Ganesh Ch. Kumar	C.C.M. Mazdoor	14-2-73	
16. Shri Khoka Prasad Singh	-do-	14-2-73	
17. Shri Narayan Chatterjee	-do-	14-2-73	
18. Shri Pradip Kr. Singh	-do-	18-1-73	
19. Shri Ramabatar Thakur	S.T.S.	18-1-73	
20. Shri Sadananda Singh	C.C.M. Mazdoor	18-2-73	
21. Shri Taranand Singh	Pipe Fitter	17-1-73	
22. Shri Sahadeb Mondal	C.C.M. Mazdoor	14-2-73	
23. Shri Longi Pandit	Trammer	14-2-73	
24. Shri Saudagar Bhuiya	-do-	28-3-73	
25. Shri Bishwanth Singh	Night Guard	14-2-73	

2. On behalf of the union it is stated that the Jt. General Secretary of Colliery Mazdoor Union officiating at Ukhra office is the Jt. General Secretary of the Colliery Mazdoor Union located at Barin Bazar, Asansol and it is the branch office of the registered office at Asansol with an object to serve the interest of the members properly and efficiently and hence the Jt. General Secretary has got all the right to raise the dispute.

3. On merits it is stated that the concerned workmen have been working at Samla Baidyanathpur unit before take over and they were present in the colliery on the date of take over but due to unscrupulous practice of the earlier management no records of their past work could be traceable and after take over the management without any reason disagreed to accept them as employees and deprived them from their right to be employee of this colliery. It is stated that the management declared that those who will be physically present on the date of take over will be accepted as employee of the colliery but they were not treated as such. It is also alleged by them that the earlier management did not maintain records such as pay sheets etc. properly and the Screening Committee failed to submit any reason for not accepting them as employee of the colliery. It is also stated that the Screening Committee was not constituted under any law and no representative of the Central Trade Union were member of the Committee and the said committee adopted pick and choose policy at the time of screening and deprived these workmen from employment. The concerned workmen alleged that they were stopped from their work on and from the dates mentioned against their names in the terms of Reference after take over and the said action of the management is illegal.

4. On the above grounds their demand is that should be taken in employment by the present management.

5. On behalf of the management it is stated that the Jt. General Secretary of the Colliery Mazdoor Union located in Barin Bazar has not raised the present dispute and hence the reference is incompetent. It is further stated that the concerned workmen were not on the rolls of the erstwhile management on the date of nationalisation and hence the question of taking them in service did not arise at all. According to them the colliery in question was taken over by the Central Govt. with effect from 31-3-73 though the ownership remained with the erstwhile employers and the Custodians were appointed for different collieries by the Central Govt. The Central Govt. created an organisation named Coal Mines Authority for the purpose which later on was incorporated as a Govt. Company under the Companies Act as C.M.A.L. and Shri I. G. Kumaraangalam was appointed as Custodian General before nationalisation and after nationalisation he became its Managing Director. The Samla Baidyanathpur unit was a small mine and it was amalgamated in Pandavaswar Colliery after nationalisation and later on it was closed.

6. It is further case of the management that after take over it was detected that hundreds of persons have been

inducted by unscrupulous employees and Labour Leaders and Officials in the Master Roll of the colliery and accordingly under the direction of the Govt. of India a Screening Committee was formed to examine cases of each individual claiming employment by going through all the relevant records and in this colliery also such a Screening Committee was formed. On checking up records peculiar facts were observed; for example the person in Sl. No. 12 was shown as Telephone Attendant in Form 'B' register but in attendance register he was shown as Bunker Munshi and his total employment was 19 days in January '73 and 12 days in February '73. Similarly Sl. Ganesh Ch. Kumar was shown as C. C. Mazdoor in Form 'B' register was designated as Stowing Mazdoor in attendance register and in wage register he was shown as Driller Helper. It is submitted that the Screening Committee found that none of the concerned workmen were genuine workers and hence there was no question of employing them. Further it is stated that Sl. Nos. 8, 10, 14, 18, 19 & 21 alleged to have been stopped from work even before the take over of the management on 31-1-73 and so the question of taking them in service did not arise at all. The remaining persons were stopped with effect from 14-2-73 after the report of the Screening Committee was received. It submitted that originally the Central Govt. had refused to make any reference in this case but later on after the change of Government the present reference has been made and it is stale reference. Thus according to the management the concerned workmen were not genuine workers of the colliery and hence they were stopped from work and in the circumstances they are not entitled to any relief.

The point for consideration is as to whether the action of the management in stopping from work the concerned workmen with effect from the dates noted against their name is justified. If not, to what relief they are entitled.

8. From the terms of reference it will appear that Sl. Nos. 8, 10, 14, 18, 19 & 21 are said to have been stopped work even prior to the date of take over. Admittedly, therefore, they were not on the rolls of the colliery even on the date of take over and so the question of giving them employment did not arise at all. In the written statement filed on behalf of the union it is nowhere stated as to when these workmen were stopped from work by the erstwhile management nor any mention has been made when they were moved by the erstwhile management prior to take over and whether they had taken any action in the matter and had raised any dispute before the management. None of these workmen have even cared to come to the witness box to say that they were ever in employment of this colliery and they were stopped work.

9. The management during evidence has come with a case as stated by WW-4 Sri Shankar Prasad Singh who claimed to be the Jt. Secretary of the local committee of the Colliery Mazdoor Union. He has stated in his chief that Sl. Nos. 8, 10, 14, 18, 19 & 21 of the term of Reference were made idle by the erstwhile management prior to take over and the union had taken up their case and had approached the erstwhile management and the said dispute was pending on the date of take over. No document has been filed on behalf of the union to prove this fact nor any suit plea has been taken in their written statement. Admittedly the above six persons were not under employment of this colliery on the date of take over and so the question of reinstating them does not arise at all and they have got no case. So far as the remaining workmen are concerned the management had filed the bonus register, Form C register, Form B register, pay sheet register Exts. M-2 to M-5 to show that these workmen were designated differently in different registers and some of them claimed appointment only a few days or month prior to the date of take over, which clearly means that these workmen tried to induct themselves as genuine labourers. MW-2 is Shri J. Saran who was posted as Officer on Special Duty Personnel at Rankola headquarter at the time of take over. The colliery in question was attached to this very Area. MW-3 is Sri Nirmal Singh who was posted as Custodian of Samla Group of collieries on 31-1-73. It will appear that after take over a meeting was held in presence of the Minister of Steel and Mines in which the representative of the Coal Mines Authority was also representative of various trade unions including the present union took part and certain guidelines were formul-

lated. The said guidelines indicated that all employees who were members of the C.M.P.C. should be accepted as permanent workers within 15 days. Those who have been deprived to become members but who were working regularly were also to be employed permanently. Lastly it was agreed that a Screening Committee would be constituted to screen out the genuine workers. On the basis of this agreement a Screening Committee was formed in this colliery also of which MW-3 Sri Nirmal Singh was the Chairman and MW-2 Sri J. Saran was its member. MW-2 has stated that the committee did screening work on the basis of various statutory and non-statutory records produced before them and found that the concerned workmen were not genuine workers. Similar is the evidence of MW-3 who took this colliery as Custodian. Ext. M-8 is the copy of the enquiry report of the Screening Committee and duly signed by MW-2 & MW-3 as also one Sri Dasgupta another member. On the basis of this report the Custodian, Sri A. B. Moitra issued a letter to the Manager of Samla Baidyanathpur colliery dated 15-6-73 (Ext. M-7) informing him that on the findings of the Screening Committee the persons named in the letter were approved to get employment in this colliery. The names of 65 persons are mentioned therein who were recommended for their employment. Thus from this authentic document it is clear that the concerned workmen were not found genuine workers and were found inductees and hence they were not taken. There was also a provision for Appeal before the higher authority against the findings of the Screening Committee but that course was not followed by any of the concerned workmen. The matter thus became final and the concerned workmen had no case to get any relief.

10. As against documents not a single document has been filed on behalf of the union to prove that they were ever appointed even by the erstwhile management. There is not a single chit of paper to show that they are the genuine workers. Three of the concerned workmen whose Sl. Nos. are 1, 20 & 12 have been examined in the case as WW-1 to WW-3. WW-1 whose Sl. No. 20 has stated that he was working in Baidyanathpur colliery from July, 1972 and mostly he worked as C. C. M Mazdoor and got monthly wages

at the rate of Rs. 6 per attendance in a month. He never approached the Custodian even after the work was stopped. WW-2 claims to be in employment of the colliery since June '72 and he was designated as Boxing Mistry who has stated that he was deputed to do other type of work also. WW-3 is Sri Tilbhulan Singh who claims to have been appointed from August '72. There is no paper with them to show their appointment. The last witness is WW-4 Sri Shankar Prasad Singh who claimed to be joint Secretary of the local committee of the union but no paper has been filed to prove this fact. From Ext. M-8 which is the enquiry report of the Screening Committee of Samla Baidyanathpur colliery it will appear that the Committee had taken oral evidence of the Manager, Asstt. Manager and other persons including this witness who was Cap Lamp Issuer. The report nowhere shows that this witness ever asserted before the committee that the concerned workmen were the genuine workers though he claims to be an Office bearer of this union. The witnesses examined on behalf of the union have stated that they have no knowledge of any Screening Committee. But the fact that a Screening Committee had been constituted is admitted in the written statement of the union itself. Further WW-4 Sri Shankar Prasad Singh was in fact examined by the committee and so it cannot be said that the concerned workmen or their labour leader had no information of the same.

11. Considering the entire evidence on record I hold that the concerned workmen were not the genuine employees of this colliery and hence the action of the management in stopping them from work is fully justified. They are, in the circumstances, not entitled to any relief.

12. The award is given accordingly.

Sd/-

J. N. SINGH, Presiding Officer
[No. L-19025(14)/77-D. IV (B)]
S. PRASHER, Desk Officer